MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । सोमवार, 06 अप्रैल, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 12 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-93

न भूतो न भविष्यति

ट्रंप 56 इंची सीना ईरान जहन्नुम

ईरान में उतरकर पायलट को बचाया बना दूगा

वॉशिंगटन डीसी, 05 अप्रैल (एजेंसियां)।

अमेरिका के एफ-15 ई फाइटर जेट के दोनों पायलट्स को 36 घंटे के भीतर ईरान से रेस्क्यू कर लिया गया। इसके मेन पायलट को शुक्रवार रात को ही बचा लिया था, जबकि एयरमैन यानी वेपन सिस्टम ऑफिसर को शनिवार रात रेस्क्यू किया गया। अमेरिकी स्पेशल फोर्स ने एयरमैन को बचाने के लिए एक खास ऑपरेशन चलाया था, जिसमें सैकड़ों अमेरिकी कमांडो शामिल थे। इन्होंने ईरान के काफी अंदर जाकर रेस्क्यू ऑपरेशन किया।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रविवार सुबह सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा, अफसर को चोटें आई हैं, लेकिन वह पूरी तरह ठीक हो जाएगा। ट्रम्प ने इसे अमेरिकी इतिहास का सबसे साहसी सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन करार दिया है। वहीं, अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, घायल अफसर तक पहुंचने के लिए अमेरिकी और ईरानी फोर्सेस के बीच करीब दो दिन तक जिंदगी और मौत की दौड़ चली। हालांकि रेस्क्यू टीम को कोई नुकसान नहीं हुआ।

अमेरिकी वेबसाइट एक्सियोस ने 3 अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया कि ईरान ने शुक्रवार को एफ -15 विमान गिरा दिया था। उसमें दो लोग थे। एक मेन पायलट और एक एयरमैन यानी वेपन सिस्टम ऑफिसर (जो हथियारों को ऑपरेट करता है)। मेन पायलट को कुछ घंटों के भीतर ही बचा लिया गया था। लेकिन एयरमैन पैराशूट से उतरने के बाद घायल हो गया। ▶8पर

अमेरिका के कई विमान नष्ट करने का ईरान का दावा

इरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स (आईआरजीसी) ने रविवार को दावा किया है कि इरान में फंसे एक अमेरिकी विमान चालक को बचाने के मिशन के दौरान अमेरिका के कई सैन्य विमानों को नष्ट कर दिया गया है। तस्नीम समाचार एजेंसी के अनुसार, इरानी सशस्त्र बलों के एकीकृत कमान खातम अल-अंबिया ने इस अभियान को अपनी रक्षा प्रणालियों की बड़ी सफलता बताया है।

इरान के पुलिस कमांड द्वारा जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, इसफ़हान प्रांत के दक्षिणी हिस्से में एक अमेरिकी सी-130 मिलिट्री ट्रांसपोर्ट विमान को मार गिराया गया। रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने कहा, एयरोस्पेस, ग्राउंड फोर्स, पॉपुलर यूनिट्स, बासिज और पुलिस कमांड के एक संयुक्त अभियान के दौरान दुश्मन के विमानों को पूरी तरह तबाह कर दिया गया। ▶8पर

नई दिल्ली, 05 अप्रैल (एजेंसियां)।

अमेरिका और ईरान के बीच जंग को अब करीब पांच हफ्ते हो चुके हैं। 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल ने ईरान पर बड़े हवाई हमले किए थे। तब से दोनों देश आमने-सामने हैं। ईरान ने जवाब में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बंद कर दिया, यानी वो समुद्री रास्ता जिससे दुनिया का 20 फीसदी तेल गुजरता है। युद्ध अपने चरम पर है। अमेरिका ने अपने दोनों पायलटों को रेस्क्यू कर ईरान से बचा लिया। दूसरी ओर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का 10 दिनों का अल्टीमेटम भी खत्म होना वाला है। ट्रंप ने अल्टीमेटम दिया था कि ईरान अगर 10 दिनों में होर्मुज रास्ता नहीं खोलता है तो उस पर इतने हमले किए जाएंगे कि तेहरान में तबाही छा जाएगी। इन सब के बीच ट्रंप ने एक बार फिर ईरान को धमकी दी है कि वह उनके पावर प्लांट और अन्य इन्फ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाएंगे। मंगलवार को तबाही मचाने की चेतावनी राष्ट्रपति ने दी है। राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट लिखी जो पूरी दुनिया में चर्चा का केंद्र बन गई है। उन्होंने कहा कि मंगलवार को ईरान में पावर प्लांट डे और ब्रिज डे होगा। यानी साफ धमकी कि ईरान के बिजली घरों और पुलों पर हमले होंगे। फिर उन्होंने गालियां देते हुए कहा, होर्मुज खोलो, वरना जहन्नुम में रहोगे। बस देखते रहो।और आखिर में लिखा, अल्लाह की तारीफ करो। ▶8पर

होर्मुज बंद होने से क्या हो रहा है और यह धमकी कितनी गंभीर?

दुनिया का 20 फीसदी तेल इसी रास्ते से जाता है। ईरान ने इसे बंद करके दुनिया भर में तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंचा दी हैं। भारत, चीन, जापान जैसे देश इस तेल पर निर्भर हैं। ईरान ने महज़ कुछ दोस्त देशों को इस रास्ते से गुजरने की इजाजत दी है जिनमें भारत भी शामिल है। लेकिन अमेरिका और पश्चिमी देशों के जहाज अभी भी नहीं गुजर सकते। राष्ट्रपति ट्रंप ने तारीख बता दी, मंगलवार। निशाना बता दिया, बिजली घर और पुल। और भाषा भी बता दी जो साफ है कि वो रुकने वाले नहीं। ईरान के लिए यह फैसले का वक्त है। या तो होर्मुज खोलो या फिर और बड़े हमले झेलो। लेकिन ईरान भी झुकने वाला नहीं दिखता। उसने पहले ही कह रखा है कि होर्मुज उनकी ताकत है और वो इसे हथियार की तरह इस्तेमाल करते रहेंगे। दुनिया की नजरें अब मंगलवार पर टिकी हैं।

आयात पर पाबंदी का बड़ा फैसला

सोना-चाँदी नो एंट्री

नयी दिल्ली, 05 अप्रैल (एजेंसियां)।

सरकार ने एक बड़ा नीतिगत फैसला लिया है। इसके तहत उसने तत्काल प्रभाव से सोने, चांदी और प्लैटिनम से बनी सभी तरह की चीजों के आयात पर सख्त पाबंदियां लगा दी हैं। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने इन नई बंदिशों को जारी किया है। इनका मकसद उन मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के दुरुपयोग को रोकना है, जिनका फायदा उठाकर कुछ आयातक चोरी-छिपे कीमती धातुएं देश में ला रहे थे।

इस अधिसूचना में साफ किया गया है कि आयात पर लगी ये पाबंदियां सभी मामलों पर लागू होंगी। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि पहले से कोई कॉन्ट्रैक्ट हुआ था या कोई ऐसा लेटर ऑफ क्रेडिट जारी हुआ था जिसे

रद्द नहीं किया जा सकता। या फिर कोई एडवांस पेमेंट किया गया था या माल पहले ही भेजा जा चुका था। ये नए नियम इन सभी पर भारी पड़ेंगे। सरकार ने यह भी साफ कर दिया है कि जो माल अभी रास्ते में है, उसके लिए किसी भी तरह की छूट या विशेष व्यवस्था नहीं की जाएगी। डीजीएफटी की अधिसूचना के अनुसार, आईटीसी (एचएस) कोड के चैप्टर 71 के तहत आने वाली सभी चीजों के लिए इंपोर्ट पॉलिसी और शर्तें तत्काल प्रभाव से बदल दी गई हैं।

किन-किन चीजों पर पड़ेगा असर

इस चैप्टर में कई अलग-अलग तरह के उत्पादों का जिक्र किया गया है। इनमें बिना तराशे हुए मोती, तराशे हुए मोती, रत्न (कीमती और अर्ध-कीमती दोनों), कीमती और गैर-कीमती धातुएं, इन धातुओं से बनी चीजें, कीमती धातुओं की परत चढ़ी चीजें, नकली आभूषण और करेंसी शामिल हैं।

देश में कीमती धातुओं की एंट्री को कंट्रोल करने के लिए सरकार की ओर से अब तक उठाया गया यह सबसे अहम कदम है। भारत में सोने की खपत दुनिया के किसी भी अन्य देश के मुकाबले सबसे ज्यादा है। लिहाजा, आयात पर लगी पाबंदियों में किसी भी बदलाव का सीधा ▶8पर

बंगाल जीत की मोदी गारंटी

4 के बाद होगा पाप का हिसाब

कोलकाता, 05 अप्रैल (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल के कूचबिहार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बड़ी चुनावी रैली को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि कूचबिहार में उमड़ा यह जनसैलाब नए बंगाल और भाजपा सरकार के प्रति जनता के अटूट विश्वास का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने टीएमसी

पर कड़ा प्रहार किया और महिलाओं के लिए अपनी सरकार की योजनाओं का भी जिक्र किया। प्रधानमंत्री ने कहा, वह पहले भी इस मैदान पर आए हैं, लेकिन आज की भीड़ ने पुराने सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। यह उत्साह एक उज्ज्वल भविष्य और नए बंगाल के निर्माण का संकेत है। ▶8पर

अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता, सह मंत्री श्रीमती सीमा जैन का अंतरिम निलंबन

हैदराबाद। अग्रवाल समाज तेलंगाना के मंत्री विकास केशान के अनुसार अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता, सह मंत्री सीमा जैन, केएस नरेंद्र गोयल अग्रवाल समाज तेलंगाना के संविधान के विरुद्ध कार्य कर रहें है और यह तीनों बंधु अग्रवाल समाज तेलंगाना के नियमों, कायदों और सिद्धांतों के विपरीत कार्य कर रहें है, इन्होंने अपने कार्यों से समाज के मूलभूत ढांचे से खिलवाड़ किया है, इसीलिए आगामी वार्षिक साधारण सभा तक इन तीनों का अंतरिम निलंबन किया जा रहा है।

5 अप्रैल को एक समाचार पत्र में प्रकाशित समाचार में कई प्रकार के अनर्गल एवं ग़लत आरोप लगाए गए हैं।

इस प्रकार मीडिया में ग़लत सूचना देना अनैतिक है।

पदाधिकारियों पर आरोप

समाचार पत्र में पदाधिकारियों पर गलत और गंभीर आरोप लगाये है जिसका हम खंडन करते है-

1) 31 मार्च को ऑडिटर सीए ऋषभ अग्रवाल को वित्तीय लेखा जोखा दिया जा चुका है, जिसकी जानकारी अध्यक्ष को है।

2) ऑडिटर के साथ हुई बैठक की जानकारी समाचार पत्रों के माध्यम से समाज के समक्ष दी जा चुकी है।

वितीय लेखा-जोखा से संबंधित आरोप निराधार है

तथाकथित असंवैधानिक आर्बिटेटरी एंड डिसिप्लेनरी कमेटी द्वारा साज़िश के अंतर्गत तैयार की गई रिपोर्ट का हवाला दिया गया है, जो पूर्ण रूप से ग़लत है और उसका कोई आधार और औचित्य नहीं है।

शपथ के अनुसार कार्य नहीं

हमने समाज में शपथ लेकर समाज के विपरीत कोई कार्य नहीं किया है, एक साजिश के अंतर्गत आरोप लगाया गया है।

अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता और सह मंत्री का निलंबन

अध्यक्ष द्वारा निम्न असंवैधानिक कार्य कर पद का अनुचित उपयोग किया गया है-

1) सीधे केंद्र में सदस्यता प्रदान करना । सीधे सदस्यता प्रदान करने से शाखाओं के अस्तित्व को खतरा है।शाखायें समाज का मूलभूत ढाँचा है, समाज की चुनाव प्रणाली को खतरा है । केंद्रीय समिति सदस्य कैसे चयन किया जाएँगे ?

2) श्री हनुमानजी के जन्म दिवस पर समाज कार्यालय को ताला लगाना और बार-बार आग्रह पर भी चाबी नहीं देना । यह एक तानाशाही और समाज पर क़ब्ज़ा करने वाला कृत्य था । ईश्वर की पूजा पर भी राजनीति करना ओछा कार्य है। इस कृत्य से समाज में बाहुबली राजनीति का जन्म होगा ।

3) नरेन्द्र गोयल को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया , जिसकी संविधान अनुमति नहीं देता है। यह असंवैधानिक है यदि अध्यक्ष के पास समय नहीं है तो उपाध्यक्ष पर समाज के नेतृत्व की जिम्मेदारी आती है। इस प्रकार असंवैधानिक पद की रचना करना समाज की लोकतांत्रिक प्रक्रिया को खतरा है। भविष्य में चुनाव ना होकर इसी प्रकार के पदों की रचना कर समाज को बर्बाद कर दिया जाएगा। इस प्रकार की प्रथा से कोई भी व्यक्ति चुनाव जीतकर किसे भी पद पर आसीन कर देगा । जिससे समाज में चुनाव का औचित्य समाप्त हो जाएगा । इसी प्रकार का चलन शाखाओं में भी एवं अन्य पदों पर भी प्रचलित हो जाएगा । यह समाज के लिए घातक है।

4) युवा शाखाओं को एक असंवैधानिक समिति का गठन कर निरस्त कर दिया गया ,जबकि विषय न्यायालय में लंबित है। समाज में सदस्यता अभियान चलाने की बात करने वाले, सदस्यों को जोड़ने की बात करते हुए ,युवा शाखाओं को निरस्त कर दिए। युवा समाज की नींव है युवा समाज का भविष्य है और यदि भविष्य को साथ नहीं लेंगे तो हम ज़्यादा दूर नहीं जा पाएंगे ।

5) बिना किसी पूर्व सूचना के समितियों को असंवैधानिक रूप से निरस्त करना और समाज के वरिष्ठ और सम्मानित सदस्यों की समितियों को अकारण बिना पूर्व सूचना के निलंबित करना, उनके मान-सम्मान को ठेस पहुंचाना है।

समाज के मुख्य का कर्तव्य होता है कि वह संविधान के नियमों का पालन करें और समाज के सभी बंधुओं को साथ लेकर चले । यदि मुखिया ही समाज के संविधान को दरकिनार कर निर्णय लेता है तो समाज पर उसका प्रभाव नकारात्मक पड़ता है यह चिंतनीय है।

समाज के बंधु सर्वे सर्वा
एजीएम सुप्रीम बॉडी है

हम समाज के बंधुओं द्वारा प्रजातांत्रिक रूप से चयनित किए गए है और समाज के प्रति हमार उत्तरदायित्व बनता है। समाज के हित में कार्य करना हमारी प्राथमिकता है।

विभिन्न शाखाओं के निवेदन पर 12 अप्रैल को वार्षिक साधारण (एजीएम) बुलाई गई है।

आप बंधुगण अवश्य रूप से सभा में पधारें और समाज के हित में अपना निर्णय दें। आपका मत सर्वोपरि है

एजीएम समाज में सर्वोपरि है। एजीएम निर्णय ले कि समाज के लिए क्या हितकारी है।

एजीएम में आपकी प्रतीक्षा रहेगी...

समाज है तो हम है

Advt.

धर्मो रक्षति रक्षितः

प्रथाओं में दखल के खिलाफ जैनी

नयी दिल्ली, 05 अप्रैल (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट में लंबित सबरीमाला संदर्भ मामले में विभिन्न जैन संगठनों ने महत्वपूर्ण दलीलें पेश करते हुए कहा है कि किसी भी धर्म की प्रथाओं के नियमन का अधिकार केवल उस धर्म के अनुयायियों के पास होना चाहिए। किसी अन्य धर्म के व्यक्ति को दूसरे धर्म की प्रथाओं को चुनौती देने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। आवेदकों ने तर्क दिया कि संविधान के अनुच्छेद 25 के तहत धार्मिक स्वतंत्रता में किसी धर्म को अपनी प्रथाओं को परिभाषित और संचालित करने की स्वायत्तता शामिल है। उन्होंने कहा कि कोई प्रथा धार्मिक है या नहीं, यह तय करना अदालतों का कार्य नहीं है, बल्कि यह निर्णय संबंधित धर्म के अनुयायी ही करेंगे, जब तक कि आंतरिक विवाद उत्पन्न न हो जिसे धर्म के भीतर सुलझाया न जा सके।

जैन संगठनों ने यह भी कहा कि राज्यचाहे वह विधायिका, कार्यपालिका या न्यायपालिका होको यह अधिकार नहीं होना चाहिए कि वह किसी धर्म की प्रथाओं को परिभाषित या सीमित करे। धर्म संविधान की देन नहीं है, इसलिए राज्य उसके स्वरूप को निर्धारित नहीं कर सकता। आवेदकों के अनुसार, अदालतें धार्मिक प्रथाओं से जुड़े मामलों में केवल दो परिस्थितियों में हस्तक्षेप कर सकती हैंपहली, जब किसी धार्मिक संप्रदाय के भीतर विवाद हो जिसे आंतरिक रूप से हल नहीं किया जा सके; और दूसरी, जब राज्य द्वारा बनाए गए कानून धार्मिक प्रथाओं को प्रभावित करते हों। हालांकि, ऐसे मामलों में भी अदालतों को यह तय नहीं करना चाहिए कि कोई प्रथा आवश्यक या अभिन्न है या नहीं।

आवश्यक धार्मिक प्रथा की अवधारणा और संवैधानिक नैतिकता

उन्होंने यह भी कहा कि आवश्यक धार्मिक प्रथा की अवधारणा का उपयोग सीमित होना चाहिए और यह शब्द संविधान में नहीं, बल्कि न्यायिक व्याख्या से आया है। अदालतों को केवल यह देखना चाहिए कि राज्य का हस्तक्षेप सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता, स्वास्थ्य या अन्य संवैधानिक प्रावधानों के तहत उचित है या नहीं।

जैन संगठनों ने यह भी स्पष्ट किया कि अनुच्छेद 25 और 26 को संविधान के बुनियादी ढांचे का हिस्सा माना जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि धर्म की स्वतंत्रता का संबंध समानता (अनुच्छेद 14), अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता (अनुच्छेद 19) और जीवन एवं व्यक्तिगत स्वतंत्रता (अनुच्छेद 21) से भी जुड़ा हुआ है। इसके अलावा, 'नैतिकता को संवैधानिक नैतिकता के रूप में नहीं समझा जाना चाहिए। अदालतें किसी धार्मिक विश्वास को केवल अपने दृष्टिकोण से अनैतिक घोषित नहीं कर सकतीं। जैन समुदाय में महिलाओं की स्थिति में समय के साथ हुए बदलाव को ▶8पर

दासारी मनोहर रेड्डी ने डॉ. बाबू जगजीवन राम को दी श्रद्धांजलि

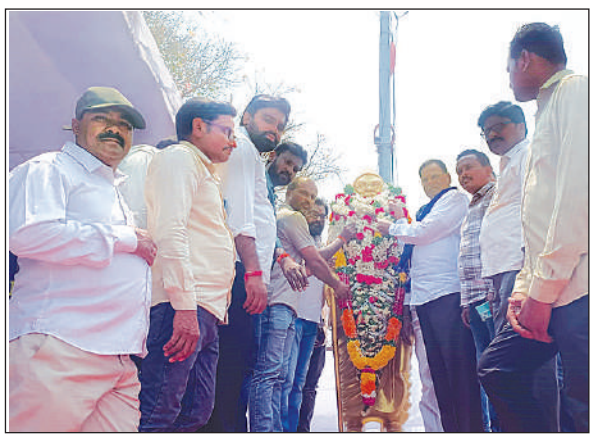

पेद्दापल्ली, 5 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेद्दापल्ली ज़िला मुख्यालय पर पूर्व विधायक दासारी मनोहर रेड्डी ने भारत के पूर्व उपप्रधानमंत्री डॉ. बाबू जगजीवन राम की 119वीं जयंती पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर वंदना की गई और डॉ. जगजीवन राम के कार्यों व आदर्शों को याद किया गया।

दासारी मनोहर रेड्डी ने कहा कि डॉ. जगजीवन राम एक स्वतंत्रता सेनानी, समाजसुधारक और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए समर्पित नेता थे। उनका जीवन समानता और सामाजिक न्याय के लिए सतत संघर्ष का उदाहरण है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा स्रोत बना रहेगा। रेड्डी ने लोगों से अपील की कि वे डॉ. जगजीवन राम द्वारा दिखाए गए रास्ते पर चलकर समाज के सभी वर्गों के समग्र विकास के लिए प्रयास करें।

उन्होंने विशेष रूप से कहा कि राष्ट्र-निर्माण की प्रक्रिया में वंचित समुदायों को गरिमामय स्थान दिलाने में डॉ. जगजीवन राम की भूमिका अतुलनीय है।

कार्यक्रम में नगर अध्यक्ष उप्पु राज कुमार, पार्षद पेन्नम रविंदर सुजाता, पूर्व पार्षद पेंचला श्रीधर, पुडारी चंद्रशेखर, रेवेल्ली स्वामी, बीआरएस नेता लवन, जुबैर, मनोज, वरिष्ठ नेता काशी पाका वासु, पल्ले मधु, बालासानी सीनू, डीसी श्रीनिवास, वीरेशम, स्वामी विवेक पटेल तथा पार्टी के कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कॉर्पोरेट कॉलेजों ने शिक्षा को बना दिया व्यवसाय, परीक्षाएँ जारी रहने के बावजूद एडमिशन की होड़

आसिफाबाद, 5 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। दसवीं की परीक्षाएँ अभी पूरी भी नहीं हुईं, फिर भी कई कॉर्पोरेट कॉलेजों ने एडमिशन की होड़ शुरू कर दी है। छात्रों और अभिभावकों पर फोन और क्षेत्रीय पीआर एजेंटों के माध्यम से लगातार दबाव डाला जा रहा है। अच्छे अंक लाने वाले छात्रों को सीट बुक करने और फीस में छूट देने के नाम पर प्रलोभन दिए जा रहे हैं।

प्राथमिक जाँच में पता चला है कि छात्रों के व्यक्तिगत विवरण और फोन नंबरों का उपयोग अवैध रूप से किया जा रहा है। एजेंटों को हर एडमिशन पर 5,000–6,000 तक कमीशन मिलता है, जबकि प्रवेश के बाद एसी चार्ज, मटेरियल फीस और स्पेशल कोचिंग जैसी अतिरिक्त वसूली सामान्य अिंरज़अॅळूर बन चुकी है; रिजर्वेशन के नाम पर ली गई राशि अक्सर वापस नहीं की जाती।

परीक्षाओं के दौरान इस निरंतर प्रचार से छात्रों की एकाग्रता भंग हो रही है और उन्हें मानसिक दबाव का सामना करना पड़ रहा है। अभिभावक भी कॉल्स और प्रचार से परेशान हैं। शिक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसी कॉर्पोरेट संस्कृति छात्रों की रचनात्मकता और भविष्य दोनों के लिए खतरा है।

वहीं शिक्षा विभाग और इंटरमीडिएट बोर्ड अभी तक प्रभावी कदम नहीं उठा पाए हैं; नियमों के मुताबिक परिणाम घोषित होने के बाद ही दाखिले शुरू होने चाहिए। छात्रों और अभिभावक संगठनों की मांग है कि नियम तोड़ने वाले कॉलेजों की मान्यता रद्द की जाए और छात्रों के निजी डेटा के दुरुपयोग की जांच कर कार्रवाई की जाए।

महान नेताओं के आदर्शों को आगे बढ़ाना हमारा दायित्व : कोया श्री हर्षा

पेद्दापल्ली, 5 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर कोया श्री हर्षा ने कहा कि सभी नागरिकों को महान नेताओं के आदर्शों और आकांक्षाओं को आगे बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए।

उन्होंने अतिरिक्त कलेक्टर डी. वेणु के साथ बस स्टैंड पर आयोजित डॉ. बाबू जगजीवन राम की 119वीं जयंती कार्यक्रम में हिस्सा लिया और प्रतिमा व कार्यक्रम स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित की। कलेक्टर ने औपचारिक दीपप्रज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

कलेक्टर ने डॉ. जगजीवन राम के संघर्ष और समाज के वंचित वर्गों के उत्थान के लिए उनके समर्पण पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि छोटा उम्र में अस्पृश्यता का सामना करने के बाद भी डॉ. जगजीवन राम ने 1937 में सक्रिय राजनीति में उतरकर बिहार विधानसभा और बाद में केंद्र सरकार में लंबे समय तक सेवाएँ दीं। कलेक्टर ने उनके हरित क्रांति, रक्षा और सामाजिक न्याय के प्रयासों की भी सराहना की। अतिरिक्त कलेक्टर डी. वेणु ने डॉ. जगजीवन राम को एक महान आत्मा और असाधारण सांसद करार दिया, जिन्होंने युवावस्था में ही केंद्रीय मंत्री का पद संभाला और जीवनभर राष्ट्र-सेवा में लगे रहे। कार्यक्रम में राजस्व मंडल अधिकारी, जिला अनुसूचित जाति विकास अधिकारी, SC संगठनों के प्रतिनिधि, निर्वाचित प्रतिनिधि तथा विभिन्न सरकारी अधिकारी और नागरिक मौजूद रहे।

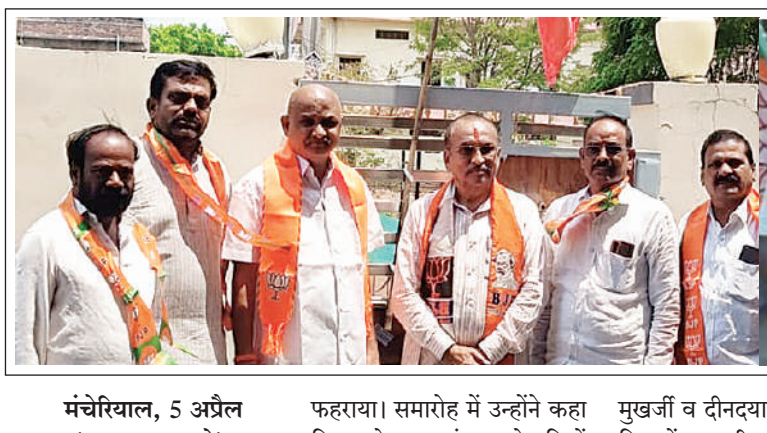

भाजपा स्थापना दिवस पर मुल्कला मल्लारेड्डी ने पार्टी का झंडा फहराया, कार्यकर्ताओं से एकजुटता का आह्वान

मंचेरियाल, 5 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर राज्य पार्टी के आह्वान पर वरिष्ठ नेता मुल्कला मल्लारेड्डी ने आज अपने आवास पर पार्टी का झंडा फहराया। समारोह में उन्होंने कहा कि अनेक स्वतंत्रता सेनानियों और पार्टी के पुरोधाओं के बलिदान के चलते ही भाजपा आज देश पर शासन करने वाली प्रमुख पार्टी बनी है और यह सफलता गुरु श्यामा प्रसाद मुखर्जी व दीनदयाल उपाध्याय के विचारों का परिणाम है।

मल्लारेड्डी ने स्वास्थ्य के बावजूद पार्टी और उसकी विचारधारा के लिए अपना समर्पण जताया और अंतिम सांस तक परिश्रम करने का संकल्प व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ता निस्वार्थ भाव से जनता के मुद्दों में जुटे हैं और उनसे संवाद बनाए रखें। भाषण में उन्होंने कार्यकर्ताओं से मिलकर काम करने तथा सत्ता से समझौता किए बिना तेलंगाना में भाजपा की सरकार लाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ नेताओं गोली रामू, मुन्नाराज सिसौदिया, कासेटी नागेश्वर राव, तुला मधुसूदन राव, लिंगन्नापेट विजयकुमार सहित कई अन्य नेता उपस्थित रहे।

लिंग निर्धारण व लिंग चयन पर सख्त कार्रवाई होगी : अंबर किशोर

रामागुंडम, 5 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो) । रामागुंडम पुलिस कमिश्नर अंबर किशोर झा ने स्पष्ट किया है कि गर्भवती महिलाओं पर लिंग निर्धारण टेस्ट कराना गैरकानूनी है और झउ-झछ्ढ अधिनियम को सख्ती से लागू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अजन्मे शिशु का लिंग जानने और लिंग चयन जैसी अवैध प्रथाओं को रोकने के लिए कड़े कदम उठाए जाएंगे।

कमान्डर ने निर्देश दिए हैं कि पेद्दापल्ली और मंचरियाल जिलों में रामागुंडम पुलिस कमिश्नरेट के अधिकार क्षेत्र में आने वाले सभी अल्ट्रासाउंड स्कैन सेंटर सिर्फ उचित कानूनी पंजीकरण मिलने के बाद ही संचालित हों। उन्होंने बताया कि पहली बार दोषी पाए जाने पर तीन साल तक की सजा और 10,000 तक का जुर्माना हो सकता है, जबकि पुनरावृत्ति पर पांच साल तक की जेल और 50,000 या अधिक जुर्माना लगाया जाएगा।

साथ ही कहा गया कि कानून तोड़ने वाले डाक्टरों या स्टाफ के मेडिकल लाइसेंस निलंबित या रद्द किए जा सकते हैं।

चेन्नूर लायंस क्लब द्वारा 38 जरूरतमंदों की मुफ्त नेत्र शल्यक्रिया सफल

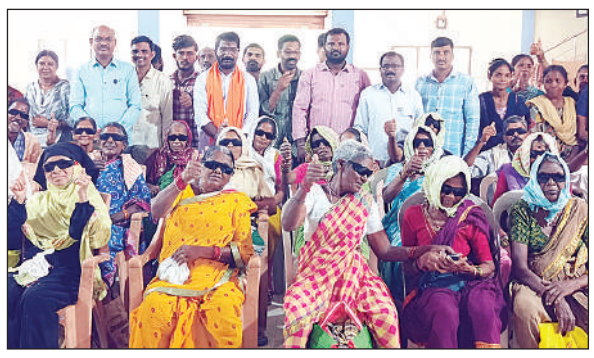

मंचेरियल, 5 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो) । चेन्नूर लायंस क्लब के तत्वावधान में आयोजित निः शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर में 38 जरूरतमंद मरीजों की आंखों की सफल सर्जरी करवाई गई। कुल 70 लाभार्थियों ने शिविर में भाग लिया, जहां उनकी बीपी और शुगर की जांच भी की गई।

जांच के बाद 40 मरीजों को ऑपरेशन के लिए चयनित कर करीमनगर के रेकुर्ती स्थित अस्पताल भेजा गया था; शनिवार को इनमें से 38 लोगों का सफल ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन के बाद मरीजों को चेन्नूर लौटाकर फल वितरित किए गए और उन्हें आवश्यक सावधानियों व देखभाल संबंधी निर्देश दिए गए।

यह शिविर डॉ. भास्कर मडेकर के सहयोग में, वाइस चेयरमैन चिदुर सुरेश के मार्गदर्शन और लायंस क्लब अध्यक्ष जाडी तिरुपति की अध्यक्षता में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में क्लब के पदाधिकारी सौडम श्रीनिवास, निम्मला सागर तथा अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

शिक्षा क्षेत्र के विकास में सरकार की सक्रिय पहल

कलेक्टर ने केंद्रीय विद्यालय स्थल का निरीक्षण किया

आसिफाबाद, 5 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो) । जिला कलेक्टर के. हरिता ने कहा कि शिक्षा क्षेत्र के विकास की दिशा में सरकार कई कदम उठा रही है। रविवार को उन्होंने जिले के कागज़नगर मंडल केंद्र में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना के लिए प्रस्तावित स्थल का अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया।इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि सरकार सभी सरकारी स्कूलों को विकसित करते हुए छात्रों को सभी सुविधाओं के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करा रही है। इसी क्रम में जिले में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना का प्रस्ताव रखा गया है और इसके लिए स्थल का निरीक्षण किया गया। उन्होंने अधिकारियों को विद्यालय स्थापना कार्यों को शीघ्रता से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए।

इसके बाद उन्होंने मतदाता सूची विशेष संशोधन कार्यक्रम के अंतर्गत पोलिंग केंद्र संख्या 62 का दौरा किया और बूथ स्तरीय अधिकारी के साथ कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि राज्य निर्वाचन आयोग के नियमों के अनुसार मतदाता सूची संशोधन कार्यक्रम को व्यवस्थित रूप से संचालित करना चाहिए। नए मतदाता पंजीकरण, परिवर्तन, समावेश और विलोपन के लिए प्राप्त फॉर्म 6, 7, 8 को नियमों के अनुसार क्षेत्रीय स्तर पर जांच कर शीघ्र समाधान करना चाहिए। स्पष्ट मतदाता सूची तैयार करने में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के बूथ स्तरीय एजेंटों का सहयोग लेना चाहिए।

इसके बाद उन्होंने सड़क एवं भवन विभाग के अतिथि गृह का निरीक्षण किया और ईएसआई अस्पताल की स्थापना के लिए प्रस्तावित स्थल का दौरा किया। अचानक ईएसआई अस्पताल का निरीक्षण करते हुए उन्होंने वार्ड, रजिस्टर और परिसर की समीक्षा की। डॉक्टर और स्टाफ अस्पताल में अनुपस्थित पाए जाने पर उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस कार्यक्रम में कागज़नगर मंडल तहसीलदार, नगरपालिका आयुक्त और राजस्व कर्मचारी शामिल हुए।

वीर हनुमान विजय यात्रा में गूंजे नारे, भगवा झंडों से सजी रैली

मंचेरियाल, 5 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो) । शनिवार रात मंचेरियल शहरी में बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के संयुक्त तत्वावधान में वीर हनुमान विजय यात्रा उत्साहपूर्वक निकाली गई। आईबी चौरास्ता स्थित हनुमान प्रतिमा से शुरू हुई रैली वेंकटेश्वर टॉकीज और मुखराम चौरास्ता होते हुए शहर की सड़कों पर गुज़री।यात्रा में युवा, महिलाएँ और विभिन्न संगठनों के सदस्य शामिल रहे; सहभागी भगवा झंडे लहराते हुए नारे लगाते दिखे। कार्यक्रम में महिलाएँ नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर रहीं थीं और युवाओं ने सांस्कृतिक नृत्य भी किया। महापौर मधुकर एवं उप महापौर सल्ला राम्या ने यात्रा का नेतृत्व किया। डिप्टी मेयर राम्या, सुरेखा, रघुनाथ राव, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुरेखा, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष रघुनाथ सहित कई स्थानीय नेता और नागरिक भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की यात्रा की सफलता सुनिश्चित करें : विजयरामना राव

पेद्दापल्ली, 5 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो) । तेलंगाना राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई एक महत्वाकांक्षी पहल''प्रजा पालना – प्रगति प्रणाली'' (जन प्रशासन – प्रगति योजना) 99-दिवसीय कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, माननीय मुख्यमंत्री श्री एनुमुला रेवंत रेड्डी सोमवार को आदिलाबाद जिले के बोथ निर्वाचन क्षेत्र के पिप्पिरी गांव का दौरा करने वाले हैं।इस यात्रा की तैयारियों के सिलसिले में, रविवार को आदिलाबाद निर्वाचन क्षेत्र के लिए कांग्रेस पार्टी के प्रभारी श्री कंडी शीनिवास रेड्डी के नेतृत्व में उनके कैंप कार्यालय में एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में प्रमुख कांग्रेस नेताओं के साथ भाग लेते हुए, माननीय सरकारी व्हिप और पेद्दापल्ली के विधायक, श्री चिंतकुंटा विजयरामना राव ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की जनसभा के लिए भारी भीड़ जुटाने के निर्देश दिए, और उनसे इसकी शानदार सफलता सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

इससे पहले दिन में, अपने कैंप कार्यालय में, श्री कंडी शीनिवास रेड्डी ने सरकारी व्हिप और विधायक, श्री विजयरामना राव का भव्य अभिनंदन किया।

इस कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष, पार्षद, कांग्रेस पार्टी के नेता, कार्यकर्ता और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

क़र्ज़ की वसूली को लेकर पीड़िता ने दिया धरना, दंपत्ति के खिलाफ शिकायत दर्ज

पेद्दापल्ली, 5 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो) । ओड्डम स्वरूपा नामक एक महिला ने रविवार को पेद्दापल्ली के शांतिनगर में उस दंपत्ति के घर के बाहर धरना दिया, जिन पर उसने 43 लाख रुपये उधार देने का आरोप लगाया है। स्वरूपा का कहना है कि थोडेती संध्या और बापू ने दो साल पहले उनसे इतने पैसे लिए; बाद में वे 20 लाख रुपये लौटाकर बाकी रकम चुकाने से बचने लगे।

जब स्वरूपा ने शेष राशि की मांग की तो दंपत्ति ने गाली-गलौज और दुर्व्यवहार शुरू कर दिया।

स्वरूपा ने आरोप लगाया कि उन्हें रियल एस्टेट और सोने में निवेश के नाम पर धोखा दिया गया। उसने पेद्दापल्ली पुलिस में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है और अधिकारियों से न्याय तथा वसूली सुनिश्चित करने की अपील की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

आशीर्वाद दिवस - बाबा गंगाराम धाम, श्री पंचदेव मंदिर

भक्त शिरोमणि देवकीनंदन ने दिया जलती चिता से जग को आशीर्वाद

श्रावण शुक्ल दशमी, सन 1895 को राजस्थान के झुंझुनूं नगर में विष्णु अवतारी श्री बाबा गंगाराम जी का अवतरण हुआ। कुलपुरोहित ने उनके जन्म नक्षत्रों को देखकर बताया कि यह बालक गंगा की तरह पाप विनाशक और राम की तरह पतित पावन होगा, इसलिए नाम रखा गया गंगाराम। बाल्यकाल से ही उनके दिव्य गुण प्रकट होने लगे और युवावस्था तक उनकी विलक्षण शक्तियों की चर्चा फैल गई। गृहस्थ जीवन उन्हें बाँध न सका और वे उत्तरप्रदेश के बाराबंकी जनपद के सफदरगंज में कल्याणी नदी के तट पर पहुँचे, जिसे उन्होंने अपनी कर्मभूमि बनाया। बाबा के आगमन से वहां कल्याणी नदी बारहमासी प्रवाहित होने लगी। अनेक चमत्कारों के बीच मात्र 42 वर्ष की आयु बाबा गंगाराम जी स्वधाम प्राथन कर गए।

बाबा गंगाराम जी के स्वधाम गमन के लगभग तीस वर्ष बाद, उन्होंने अपने परमप्रिय भक्त शिरोमणि देवकीनंदन जी को स्वप्न में दर्शन देकर झुंझुनूं नगर में श्री पंचदेव मंदिर निर्माण का आदेश दिया।

इस दिव्य आदेश को पाकर देवकीनंदन जी और उनकी धर्मपत्नी शक्ति स्वरूपा गायत्री देवी ने सन 1975 में गंगादशहरा के पावन दिन मंदिर की स्थापना कराई। यह मंदिर शीघ्र ही लाखों भक्तों की आस्था का केंद्र बन गया और मानव कल्याण का प्रतीक माना जाने लगा।

भक्त देवकीनंदन जी ने बाबा की भक्ति में तन-मन-धन सब कुछ न्योछावर कर दिया। जग वालो के तानों से आहात हो उन्होंने अपनी करोड़ों की संपत्ति और सांसारिक सुखों का त्याग कर अपनी धर्मपत्नी, दो पुत्र, तथा चार पुत्रियों सहित मंदिर परिसर को ही अपना संसार बना लिया तथा बाबा गंगाराम जी की सौ में लगे रहे।

उनका जीवन त्याग और तपस्या का अद्वितीय उदाहरण बन गया। 1992 में उन्होंने बाबा का नाम लेते हुए देह त्याग किया, और उनकी चिता पर अलौकिक चमत्कार प्रकट हुए, जिसने भक्तों को बाबा गंगाराम की कृपा का प्रत्यक्ष अनुभव कराया। चिता पर हुए अलौकिक चमत्कार का वर्णन भक्तों के हृदय को आज भी रोमांचित कर देता है। जब भक्त शिरोमणि श्री देवकीनंदन जी का पार्थिव शरीर पंचतत्व में विलीन करने हेतु चिता पर रखा गया, उस समय उनकी धर्मपत्नी शक्ति स्वरूपा गायत्री देवी करुण

पुकार कर रही थीं। तभी अद्भुत घटना घटी-जलती हुई चिता से उनका दाहिना हाथ ऊपर उठकर आशीर्वाद देने लगा। यह दृश्य देखकर उपस्थित जनसमूह स्तब्ध रह गया। मानो स्वयं बाबा गंगाराम की कृपा उस क्षण प्रकट हो रही हो। इतना ही नहीं, उनके मस्तक से जल की धारा बहने लगी और मुखमंडल बालरूप में परिणत हो गया। यह परिवर्तन किसी साधारण घटना से परे था; यह भक्त और भगवान के बीच की अद्वितीय आध्यात्मिक लीला थी। भक्तों ने इसे बाबा गंगाराम की कृपा का प्रत्यक्ष प्रमाण माना।

इस चमत्कार ने यह सिद्ध कर दिया कि सच्चे भक्त का जीवन और मृत्यु दोनों ही ईश्वर की महिमा का प्रत्यक्ष रूप होते हैं। जिस प्रकार रामभक्त हनुमान को अमरत्व का गौरव मिला, उसी प्रकार बाबा गंगाराम के चरणों में भक्त देवकीनंदन को यह अलौकिक स्थान प्राप्त हुआ।

आज भी उस घटना के चित्र मंदिर परिसर में सुरक्षित हैं, और जो भी उन्हें देखता है, उसके मन में भक्ति और श्रद्धा का संचार हो जाता है। यह चमत्कार भक्तों के लिए प्रेरणा है कि त्याग, तपस्या और भक्ति से ईश्वर की कृपा अवश्य प्राप्त होती है।

श्री देवकीनंदन जी के स्वधाम गमन के पश्चात् उनकी धर्मपत्नी गायत्री देवी जी ने बाबा जी की सेवा करती रही और उनके मार्गदर्शन द्वारा भक्तों का जीवन बदल दिया। वे करुणा, प्रेम और दया की मूर्ति थीं। 2017 में उनके महाप्रयाण तक उन्होंने अनगिनत भक्तों को आध्यात्मिक शक्ति और दिशा प्रदान की। मंदिर परिसर में ही भक्त शिरोमणि श्री देवकीनंदन जी तथा शक्ति स्वरूपा देवी गायत्री जी के मंदिर का निर्माण किया गया जिस का नाम आशीर्वाद मंदिर रखा गया। आशीर्वाद मंदिर अपनी स्थापत्य कला और संगमरमर की सुंदरता से स्वर्गीय आभास कराता है। यहाँ देवकीनंदन और गायत्री देवी की युगल प्रतिमा भक्तों को आशीर्वाद देती है। मंदिर की पावन रज भक्तों के लिए अमूल्य प्रसाद है, जो कष्ट दूर कर सुख-समृद्धि प्रदान करती है।

प्रतिवर्ष प्रत्येक वर्ष आज (वैशाख बदी चतुर्थी) के दिन को आशीर्वाद दिवस के रूप में श्री बाबा गंगराम धाम, श्री पंचदेव मंदिर, झुंझुनू में बड़ी ही धूम धाम से मनाया जाता है जिस में देश विदेश से भरी संख्या में भक्त आशीर्वाद प्राप्त करने आते है। बाबा गंगाराम जी की कृपा ने लाखों भक्तों का जीवन बदल दिया है और आज भी उनके नाम का संकीर्तन भक्तों को भक्ति, त्याग और सत्य के मार्ग पर अग्रसर करता है।

अप्रैल के महीने में प्रदोष व्रत कब-कब है? जानें तारीख और मुहूर्त

प्रदोष व्रत का हिंदू धर्म में बहुत खास महत्व होता है। हर महीने में 2 प्रदोष व्रत पड़ते हैं, एक शुक्ल पक्ष और कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि पर। इस दिन भगवान शिव की पूजा करने का विधान होता है। मान्यता है कि ऐसा करने से जातक पर शिवजी की कृपा बनी रहती है और जीवन में सुख-शांति आती है। साथ ही, खुशहाल दांपत्य जीवन के लिए प्रदोष व्रत पर शिवजी के साथ-साथ देवी पार्वती की पूजा भी अवश्य करनी चाहिए।

कृष्ण पक्ष प्रदोष व्रत तिथि आरंभ	14 अप्रैल, मंगलवार को मध्य रात्रि के बाद 12 बजकर 12 मिनट पर
कृष्ण पक्ष प्रदोष व्रत तिथि समाप्त	15 अप्रैल, बुधावर को रात में 10 बजकर 31 मिनट पर
कृष्ण पक्ष प्रदोष व्रत	15 अप्रैल 2026, बुधवार
शुक्ल पक्ष प्रदोष व्रत तिथि आरंभ	28 अप्रैल, मंगलवार को शाम को 6 बजकर 51 मि. पर
शुक्ल पक्ष व्रत तिथि समाप्त	29 अप्रैल, गुरुवार को शाम को 7 बजकर 51 मिनट पर
शुक्ल पक्ष प्रदोष व्रत	28 अप्रैल 2026, मंगलवार

अप्रैल में कृष्ण पक्ष का प्रदोष व्रत कब है?

पंचांग के अनुसार, कृष्ण पक्ष के त्रयोदशी तिथि का आरंभ 14 अप्रैल, मंगलवार को मध्य रात्रि के बाद 12 बजकर 12 मिनट पर होगा। वहीं, 15 अप्रैल, बुधवार के दिन रात में 10 बजकर 31 मिनट पर त्रयोदशी तिथि का समापन होगा है। 14 तारीख को प्रदोष काल बीतने के बाद त्रयोदशी तिथि आरंभ हो रही है और अगले दिन यानी 15 अप्रैल को प्रदोष काल पड़ने से इसी दिन प्रदोष व्रत किया जाएगा। मान्यता है कि बुधवार को प्रदोष व्रत पड़ने से इसे बुध प्रदोष व्रत के नाम से जाना जाता है।

प्रदोष काल का मुहूर्त

शास्त्रों में प्रदोष व्रत के दिन प्रदोष काल में पूजा करने का विधान बताया गया है। ऐसे में 15 अप्रैल, बुधवार के दिन शाम को 6 बजकर 1 मिनट से लेकर 7 बजकर 31 मिनट तक का समय पूजा के लिए शुभ रहेगा।

अप्रैल में शुक्ल पक्ष का प्रदोष व्रत कब है?

पंचांग के अनुसार, शुक्ल पक्ष के त्रयोदशी तिथि का आरंभ 28 अप्रैल, मंगलवार के दिन शाम को 6 बजकर 51 मिनट पर होगा। वहीं, अगले दिन यानी 29 अप्रैल, गुरुवार के दिन शाम को 7 बजकर 51 मिनट पर त्रयोदशी तिथि समाप्त होगी। पहले दिन में यानी 28 तारीख को प्रदोष काल लगने के चलते इसी दिन प्रदोष व्रत करना शास्त्र सम्मत होगा। मान्यता है कि अगर प्रदोष व्रत मंगलवार के दिन पड़े तो उसे भौम प्रदोष के नाम से जाना जाता है।

प्रदोष काल का मुहूर्त

28 अप्रैल, मंगलवार के दिन शाम को 6 बजकर 51 मिनट से लेकर 7 बजकर 39 मिनट की अवधि पूजा करने के लिए सबसे उत्तम समय होगा। सूर्यास्त से 45 मिनट पहले और 45 मिनट बाद तक का समय प्रदोष काल कहलाता है। इस अवधि में पूजा करना अत्यंत शुभ माना गया है।

भौम प्रदोष व्रत का महत्व

मंगलवार के दिन प्रदोष व्रत पड़ने से इसे भौम प्रदोष व्रत के नाम से जाना जाता है। ऐसे में इस दिन शिवजी के साथ-साथ बजरंगबली की पूजा करने का भी महत्व होता है। मान्यता है कि ऐसा करने से साधक को भगवान शिव और हनुमानजी की कृपा प्राप्त हो सकती है। साथ ही, पारिवारिक जीवन सुखमय होता है और घर का माहौल खुशनुमा बना रहता है। जीवन में सुख-समृद्धि और शांति के लिए इस व्रत को करना बहुत शुभ फलदायी माना गया है।

वैशाख मास में करें जल दान, समस्त तीर्थों में दर्शन-पूजन का मिलेगा फल

हिन्दु धर्म के त्रिदेवों में भगवान विष्णु की आराधना का पवित्र मास है वैशाख मास। भगवान विष्णु का एक नाम श्री हरि भी है, शास्त्रों में हरि का अर्थ अज्ञान और उसके बुरे परिणामों का नाश करने वाला बताया गया है। इसलिए वैशाख मास में भगवान विष्णु की उपासना और अध्यात्म में लीन होकर धर्म-कर्म को मानने वाले भक्त स्वास्थ्य लाभ, आरोग्यता के साथ पुण्य फल प्राप्त कर सकते हैं।

हिन्दु धर्म के त्रिदेवों में भगवान विष्णु की आराधना का पवित्र मास है वैशाख मास। भगवान विष्णु का एक नाम श्री हरि भी है, शास्त्रों में हरि का अर्थ अज्ञान और उसके बुरे परिणामों का नाश करने वाला बताया गया है। इसलिए वैशाख मास में भगवान विष्णु की उपासना और अध्यात्म में लीन होकर धर्म-कर्म को मानने वाले भक्त स्वास्थ्य लाभ, आरोग्यता के साथ पुण्य फल प्राप्त कर सकते हैं।

वैशाख मास में दान का महत्व

वैशाख मास में जल की इच्छा रखने वाले को जल, छाया चाहने वाले को छाता और पंखे की इच्छा रखने वाले को पंखा देना चाहिए। जो प्यास से पीड़ित महात्मा पुरूष के लिए शीतल जल प्रदान करता है, वह उतने ही मात्र से दस हजार राजसूर्य यज्ञों का फल पाता है। वैशाख मास में प्रातः सूर्योदय से पूर्व ही निकट की किसी नदी, सरोवर, बावड़ी अथवा कूएं पर स्नान करके इष्टदेव की आराधना की जाती है। ओम् नमो भगवते वासुदेवाय नमः मंत्र की कम-से-कम पाँच माला जप का विधान है।

पूरे मास एक समय भोजन करना चाहिए और यदि यह संभव न हो तो वैशाख शुक्ल एकादशी से पूर्णिमा तक अन्तिम पांच दिन तो व्रत अवश्य करना चाहिए। स्नान के बाद पीपल और पथवारी पर नियमित रूप से जल भी चढ़ाया जाता है। पीपल के वृक्ष के पास एक पत्थर स्थापित करके उसे ही पथवारी मान लिया जाता है। वैशाख मास के देवता भगवान मधुसूदन हैं, उनकी इस प्रकार प्रार्थना करनी चाहिए,

मधुसूदन देवेश वैशाखे मेषगे रवौ। प्रातः स्नानं करिष्यामि निर्विघ्नं कुरू माधव।।
तत्पश्चात् निम्न मंत्र से नित्य सूर्य को अर्घ्य प्रदान करें,
वैशाखे मेषगे भानौ प्रातः स्नानपरायणः।
अर्घ्यं तेऽहें प्रदास्यामि गृहाण मधुसूदन।।

भविष्य के बारे में क्या कुछ बताती हैं हाथ की उंगलियां, सामुद्रिक शास्त्र से जानें

हाथ देखकर भविष्यवाणी करने के लिए हाथ की उंगलियों का भी सर्वाधिक महत्व है। उंगलियों की बनावट किसी भी हाथ के गुण-अवगुण का बखान करती हैं। हस्तरेखा का अध्ययन करते समय हथेली के साथ-साथ उंगलियों का भी अध्ययन गहन रूप से करना चाहिए। सटीक फलकथन के लिए न केवल उंगलियां, बल्कि सम्पूर्ण हाथ के आकार-प्रकार के साथ-साथ व्यक्ति की जन्मकुण्डली में स्थित ग्रह-नक्षत्रों का भी अध्ययन आवश्यक है।

चौकोर उंगलियों वाले लोगों की विशेषताएं

यदि किसी व्यक्ति के हाथ की उंगलियां वर्गाकार हैं तो वह व्यक्ति दूरदर्शी होगा तथा अपने सभी कार्य नियमबद्ध होकर करने में अधिक विश्वास रखता होगा। अधिकतर ऐसी उंगलियों वाले व्यक्ति व्यापारी या व्यापार करने में अधिक दिलचस्पी रखते हैं, सोच-समझकर ही किसी भी कार्य का आरंभ करते हैं। अगर इनके व्यक्तित्व का आकलन किया जाए तो ये लोग स्वयं भी परिश्रमी होते हैं और अपने साथ जुड़े व्यक्तियों से भी पूरी मेहनत करवाते हैं।

नुकीली उंगलियों वाले लोगों की विशेषताएं

नुकीली उंगलियों वाले व्यक्ति हर कार्य को तरीके से करना पसंद करते हैं। सुंदर विचार और कलात्मक कार्यों की ओर अधिक रुचि रहती है। ऐसे व्यक्ति के हर काम में एक व्यवस्था दिखेगी।

चपटी उंगलियों वाले लोगों की विशेषताएं

यदि किसी व्यक्ति की उंगली देखने में चपटी लगती है तो इससे यह अनुमान लगाया जा सकता है कि ऐसा व्यक्ति अधिक फुर्तिला और कार्यकुशल होगा। ऐसा व्यक्ति कोई भी कार्य अगर पकड़ ले, तो उसे पूरा करके ही दम लेगा। जन्मकुण्डली में ग्रह-नक्षत्र भी सबल होने पर ऐसा व्यक्ति आत्मविश्वास के साथ लक्ष्य भेदन की ओर अग्रसर होता है और उसे पा भी लेता है। क्षेत्र फिर चाहे कारीगरी का हो, विद्वता का हो, कला या संगीत का हो, युद्ध या खेलकूद का हो, सीखने और उससे महारत पा ही लेते हैं।

लम्बी उंगलियों वाले लोगों की विशेषताएं

लम्बी और सुन्दर उंगलियों वाले व्यक्ति समाज के प्रमुख व्यक्ति होते हैं। दार्शनिक, कलाकार संगीत या खोज कार्यों में आपकी रुचि रहती है। अगर ऐसे व्यक्तियों की जन्मपत्री में चन्द्रमा राहु के साथ ग्रस्त हो अथवा किसी और प्रकार से चन्द्रमा निर्बल हो तो उनके व्यक्तित्व में बस एक कमी होती है कि वह भावनाओं में बह सकते हैं और अपने विचारों में ही खोए रहते हैं।

माता लक्ष्मी के रुष्ट होने पर घर में दिख सकते हैं ये पांच संकेत, इन उपायों को करना है लाभकारी

कहते हैं की जिस घर में पवित्रता, सद्भाव, शुद्धता और प्रेम होता है वहां धन की देवी लक्ष्मी का वास हमेशा बना रहता है। अगर किसी व्यक्ति पर माता लक्ष्मी की कृपा हो तो उसके जीवन में हमेशा सुख-समृद्धि और शांति बनी रहती है। साथ ही, आर्थिक स्थिति भी अच्छी रहती है। लेकिन कई बार सब कुछ ठीक चलते-चलते भी अचानक एक के बाद एक समस्याएं हमें घेरने लगती हैं। , मां लक्ष्मी के घर से जाने पर घर में कुछ संकेत दिखाई देते हैं। अगर उनमें से तीन से अधिक संकेतों को एक साथ होता हुआ देखा जाए, तो ऐसे में जातक को उपाय जरूर करने चाहिए।

घर में गंदगी और खराब सामान होना

मान्यता है कि अगर घर में गंदगी, धूल-मिट्टी, जाले, खराब घड़ी, खराब इलेक्ट्रॉनिक आदि सामान रखा हो, तो इसे अच्छा नहीं माना जाता है। ऐसे में माता लक्ष्मी रुष्ट हो सकती हैं और घर से उनका वास हट सकता है। कहते हैं कि जहां गंदगी और कूड़ा इकट्ठा हो उस स्थान पर अलक्ष्मी का वास होने लगता है। जिसके चलते जातक को दरिद्रता का सामना करना पड़ सकता है। माता लक्ष्मी मुख्य द्वार से प्रवेश करती हैं। ऐसे में अगर मुख्य द्वार पर गंदगी इकट्ठा हो या वहां गंदे जूते-चप्पल रखे हों तो इससे मां लक्ष्मी रुष्ट हो सकती हैं।

तुलसी का अचानक सूखना या काला पड़ना

घर में तुलसी का पौधा लगाना बहुत शुभ होता है। मान्यता है कि तुलसी के पौधे में माता लक्ष्मी का वास होता है। लेकिन अगर घर में लगी तुलसी सही देखभाल और पानी देने के बाद भी अचानक सूख जाए या काली पड़ जाए, तो इसे अच्छा संकेत नहीं माना जाता है। ज्योतिष एक्सपर्ट डॉ. मधु प्रिया के अनुसार, तुलसी का अचानक सूख जाना या काला पड़ जाना नजर या वास्तु दोष का निर्माण कर सकती है। इसका अर्थ यह भी हो सकता है कि घर में उचित सुरक्षा कवच न हो। ऐसे में धन संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

घर में अशांति रहना

मान्यता है कि जिस घर में अशांति रहती हो वहां, माता लक्ष्मी का वास नहीं होता है। ऐसे में अगर घर-परिवार में

छोटी-छोटी बात पर बहस या लड़ाई झगड़े हों। तो इसका अर्थ हो सकता है कि मां लक्ष्मी आपसे रुष्ट हों। विशेष रूप से सूर्यास्त के बाद यानी शाम के समय ऐसा होता हो, तो इससे माता लक्ष्मी का घर में वास नहीं होता है क्योंकि, यही समय होता है जब देवी घर में प्रवेश करती हैं।

मनी प्लांट का आगे न बढ़ना

वास्तुशास्त्र और ज्योतिषशास्त्र में घर में मनी प्लांट का पौधा लगाना बेहद शुभ माना गया है। इसे ऊर्जा और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। अगर घर में लगे मनी प्लांट के पत्ते अचानक से पीले पड़ने लग जाएं या उसका विकास रुक जाए, तो इसे अच्छा संकेत नहीं माना जाता है। साथ ही, मनी प्लांट की बेल को नीचे की ओर बढ़ना बढ़ना भी अच्छा नहीं मानते हैं। यह घर में खर्चे बढ़ने और धन संबंधी समस्याओं का संकेत हो सकता है। साथ ही, यह इस बात की ओर भी इशारा कर सकता है की मां लक्ष्मी आपसे नाराज हैं।

घर में बल्ब और इलेक्ट्रॉनिक सामान खराब होना

ज्योतिष एक्सपर्ट डॉ. मधु प्रिया के अनुसार, अगर घर में बार-बार बल्ब या इलेक्ट्रॉनिक सामान खराब हो रहा हो, तो यह शुभ संकेत नहीं होता है। लगातार ऐसा होना घर में नकारात्मक ऊर्जा के होने का भी संकेत हो सकता है। इससे घर में अप्रत्याशित खर्चे बढ़ सकते हैं। ज्योतिष के अनुसार ऐसा मंगल या राहु के प्रभाव के चलते भी हो सकता है। ऐसे में इन संकेतों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

घर में मां लक्ष्मी के वास के लिए क्या करें?

ज्योतिषशास्त्र के अनुसार, घर में कभी भी गंदगी नहीं रखनी चाहिए। हर स्थान को हमेशा साफ-सुथरा रखना चाहिए। मुख्य द्वार और ईशान कोण के स्थान पर इस बात का विशेष ख्याल अवश्य रखें। क्योंकि इस दिशा को सबसे पवित्र माना गया है और मुख्य द्वार से देवी लक्ष्मी प्रवेश करती हैं।

अगर घर में सूखी या काली पड़ी तुलसी हो, तो मां लक्ष्मी से क्षमा मांगते हुए उसे तुरंत हटा देना चाहिए। साथ ही, दूसरी तुलसी लाकर उसे सही दिशा और साफ स्थान पर रखना चाहिए। और सुबह-शाम तुलसी के पास एक दीपक अवश्य जलाएं।

माता लक्ष्मी की पूजा में शाम को आरती करते समय कपूर जरूर शामिल करना चाहिए। इससे आसपास का वातावरण शुद्ध और सकारात्मक होता है। साथ ही, माता लक्ष्मी का घर में वास होता है।

अगर घर में मनी प्लांट लगा हो तो इस बात का विशेष ख्याल रखें की उसकी बेल आसमान यानी ऊपर की ओर ही जाती हो।

घर में खराब इलेक्ट्रॉनिक सामान, शीशा, घड़ी आदि चीजों को नहीं रखना चाहिए। मान्यता है कि ऐसा करने से घर में अलक्ष्मी का वास हो सकता है। ऐसे में इन चीजों को घर से तुरंत हटा दें।

'टच बडी' गाने पर बोलीं जोनिता गांधी

कलाकार के रूप में एक नया पहलू एक्सप्लोर करने का मौका मिला

प्ले बैक सिंगर जोनिता गांधी पवन सिंह के साथ गाए गए नए गाने 'टच बडी' को लेकर उत्साहित हैं। 'डकैत अ लव स्टोरी' के गाने के बारे में उन्होंने खुलकर बात की है। जोनिता का मानना है कि इस गाने के जरिए एक कलाकार के तौर पर एक नए पहलू को एक्सप्लोर करने का मौका मिला। उन्होंने बताया कि यह गाना उनके लिए एक नया और रोमांचक अनुभव था, जिसने उन्हें खास तौर पर आकर्षित किया। जोनिता गांधी इस समय अपनी कलात्मक यात्रा के एक नए दौर में हैं। वे अब सिर्फ आवाज देने तक सीमित नहीं रहना चाहतीं, बल्कि स्क्रीन पर भी पूरी तरह छा जाना चाहती हैं। 'टच बडी' में उन्होंने न सिर्फ गाया है, बल्कि पूरे आत्मविश्वास के साथ डांस परफॉर्मेंस भी किया है। जोनिता ने यह मेरे लिए बिल्कुल नया अनुभव था। मुझे डांस करना बहुत पसंद है, इसलिए इस गाने की ओर मैं खिंची चली गई। मैंने इसे एक किरदार निभाने के रूप में अपनाया। यह मेरी अपनी असलियत का विस्तार नहीं था, बल्कि एक कलाकार के रूप में मुझे एक नया पहलू एक्सप्लोर करने का मौका मिला। उन्होंने आगे कहा, एक कलाकार के तौर पर मैं खुद के और भी कई पहलुओं को एक्सप्लोर कर रही हूं।

अभी और भी बहुत कुछ आने वाला है। मैंने तो अभी बस शुरुआत की है। अपना प्यार और साथ बनाए रखिएगा।

गाने में जोनिता एक स्टाइलिश, चंचल और आत्मविश्वास से भरपूर अंदाज में नजर आ रही हैं। उनका 'ग्रूव', एटीट्यूड और सहजता इस ट्रैक का मुख्य आकर्षण है। गाने का तेलुगु वर्जन भी रिलीज हो चुका है, जिसमें उनके साथ राम मिरियाला नजर आ रहे हैं। दोनों भाषाओं के कलाकारों के बीच शानदार तालमेल देखने को मिल रहा है। 'टच बडी' गाना फिल्म 'डकैत: अ लव स्टोरी' का गाना है।

फिल्म में आदिवि शेष, अनुराग कश्यप और मृणाल ठाकुर मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म का निर्देशन शेनिल देव ने किया है। यह एक बाइलिंगुअल प्रोजेक्ट है, जिसे हिंदी और तेलुगु दोनों भाषाओं में शूट किया गया है। कहानी दो पुराने प्रेमियों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो दोबारा मिलकर कई चोरियां करते हैं। इसमें क्राइम, एक्शन और रोमांस का रोचक मिश्रण है। फिल्म का निर्माण सुप्रिया यरलगाडा ने किया है। फिल्म 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

शिल्पा शेट्टी को आई 90 के दशक की याद बाजीगर के खौफनाक सीन पर खुद लिए मजे

सोशल मीडिया के दौर में कुछ भी ट्रेंड करने लगता है। कभी कोई पुरानी फिल्मों के संवाद लोगों की जुबान पर चढ़ जाते हैं, तो कभी किसी का लिखा हुआ कोट ट्रेंड करने लगता है। इन दिनों एक नया ट्रेंड लोगों का ध्यान खींच रहा है। दरअसल, सोशल मीडिया पर '90 के दशक में आप कैसी थीं?' काफी पॉपुलर हो रहा है। यह भारत समेत कई देशों में वायरल हो रहा है और हर कोई इस ट्रेंड को फॉलो कर रहा है। लोग अपने पुराने फोटो या क्लिप शेयर करके 90 के दशक की यादें ताजा कर रहे हैं। इसी ट्रेंड में बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी भी शामिल हो गईं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक मजेदार रील शेयर की। इस वीडियो में 90 के दशक की कई बॉलीवुड फिल्मों के क्लिप दिखाए गए हैं। इनमें 'बाजीगर', 'पृथ्वी' और 'इंसाफ' जैसी फिल्मों के सीन शामिल हैं। सबसे खास क्लिप फिल्म 'बाजीगर' की है। रील में फिल्म का वो सीन लिया गया है, जिसमें शाहरुख खान शिल्पा के किरदार को छत से नीचे फेंक देता है।

यह सीन लोगों को आज भी याद है और सोशल मीडिया पर इसके कई मीम्स बनते रहते हैं। शिल्पा ने वीडियो पोस्ट कर लिखा, आपको इसकी उम्मीद नहीं थी और न ही दोबारा होगी। 90 के दशक की यादें, नॉस्टेल्जिया, कुछ अलग ही होती हैं। 90 के दशक में बॉलीवुड फिल्मों का अपना अलग जादू था। उस समय की कहानियां, गाने और डायलॉग आज भी दिल को छू लेते हैं। शिल्पा शेट्टी 90 के दशक में ही फिल्मों में आईं थीं। 'बाजीगर' उनके करियर की शुरुआती बड़ी फिल्म थी। उस दौर में वे अपनी खूबसूरती और डांस से सबको प्रभावित करती थीं। आज भी वे फिटनेस और एक्टिंग दोनों में सक्रिय हैं। इस रील के जरिए उन्होंने यादों को नई पीढ़ी तक पहुंचाया है।

फिल्म 'बाजीगर' में शाहरुख खान को उनके करियर की शुरुआत में ही एक नेगेटिव मुख्य भूमिका में लिया गया था। यह अब्बास-मस्तान द्वारा निर्देशित एक ब्लॉकबस्टर हिंदी थ्रिलर फिल्म थी, जिसने शाहरुख खान को बॉलीवुड में एक प्रमुख स्टार के रूप में स्थापित किया था। यह फिल्म प्रतिशोध की कहानी थी।

मां बबिता को याद कर करिश्मा कपूर के छलके आंसू, बोलीं

मैं जो भी हूं, उनकी वजह से हूं

बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री करिश्मा कपूर ने 90 के दशक में लगातार कई हिट फिल्में दीं और खुद को टॉप एक्ट्रेसेस की लिस्ट में शामिल किया। कपूर खानदान से होने के बावजूद उनका सफर आसान नहीं था, उनके सामने इंडस्ट्री की चुनौतियां थीं। लेकिन मां के साथ की वजह से वह हर चुनौती को पार कर गई, और आज वह अपनी सफलता का पूरा श्रेय अपनी मां बबीता को देती हैं। उन्होंने खुलकर बताया कि कैसे उनकी मां ने हर मुश्किल वक्त में उनका साथ दिया और उन्हें मजबूत बनाया। करिश्मा कपूर हाल ही में सिंगिंग रियलिटी शो 'इंडियन आइडल' के एक खास एपिसोड में नजर आईं। इस दौरान शो के होस्ट आदित्य नारायण ने उनकी मां बबिता का जिक्र करते हुए कहा कि करिश्मा के करियर में उनका काफी सपोर्ट रहा है। उनकी मां ही असली सुपरस्टार हैं। यह सुनकर करिश्मा इमोशनल हो गई। भावुक होते हुए करिश्मा ने कहा, ''मेरी मां मेरे लिए भगवान जैसी हैं। मैं जो भी हूं, मां की वजह से हूं। यूं तो परिवार के सभी लोगों ने मेरा साथ दिया, लेकिन मेरी मां ने मुझे जो आत्मविश्वास और संस्कार दिए, वही मेरी जिंदगी की सबसे बड़ी ताकत बने। आज मैं जो कुछ भी हूं, उसका पूरा श्रेय मैं अपनी मां को देती हूं।''

करिश्मा कपूर ने इस दौरान अपनी मां के फिल्मी करियर के बारे में भी बात की। उन्होंने बताया, ''मां ने हिंदी सिनेमा में बहुत कम समय के लिए काम किया, लेकिन उस छोटे से करियर में भी उन्होंने कई सफल फिल्में दीं। यह उनकी प्रतिभा और मेहनत का सबूत है कि कम समय में ही उन्होंने इंडस्ट्री में अपनी खास पहचान बना ली थी।''

उन्होंने बताया कि उनकी मां ने उस दौर के बड़े और दिग्गज कलाकारों जैसे राजेश खन्ना, जितेंद्र, मनोज कुमार और धर्मेंद्र के साथ काम किया। इसके अलावा, उन्होंने कपूर परिवार के मशहूर अभिनेताओं शम्मी कपूर और शशि कपूर के साथ भी स्क्रीन शेयर की।

हालांकि, उस समय कपूर परिवार में एक परंपरा थी, जिसके अनुसार परिवार की महिलाएं फिल्मों में काम नहीं करती थीं। इसी वजह से बाबिता को शादी के बाद अपने फिल्मी करियर को छोड़ना पड़ा। यह उनके लिए एक बड़ा फैसला था, लेकिन उन्होंने अपने परिवार को प्राथमिकता दी और अपने बच्चों की परवरिश पर ध्यान केंद्रित किया।

धुरंधर के गाने पर रश्मि देसाई ने किया कथक डांस, एक्सप्रेशन ने जीता फैंस का दिल

सोशल मीडिया पर इन दिनों फिल्मों के गानों पर रील्स और डांस वीडियो का ट्रेंड तेजी से बढ़ रहा है। इस कड़ी में टीवी इंडस्ट्री की जानी-मानी एक्ट्रेस रश्मि देसाई ने 'धुरंधर' के गाने 'गहरा हुआ' पर डांस वीडियो बनाया। अब उनका वीडियो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो की खास बात यह है कि इसमें रश्मि ने बैठे-बैठे ही अपनी अदाओं और एक्सप्रेशंस से सबका दिल जीत लिया। रश्मि देसाई ने इस डांस वीडियो को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया, जिसमें उनका अंदाज बेहद सादगी भरा नजर आ रहा है। उन्होंने वीडियो के साथ कैप्शन लिखा- 'देसी और ग्रेसफुल।' वीडियो में रश्मि पारंपरिक अंदाज में नजर आ रही हैं। गाने की लाइन्स पर उनके चेहरे के एक्सप्रेशन और हाथों की नजाकत मैच कर रही हैं। उनके इस सादगी को लोग काफी पसंद कर रहे हैं। इस डांस की सबसे खास बात यह है कि रश्मि ने इसे कथक स्टाइल में पेश किया है। आमतौर पर कथक एक ऐसा नृत्य है जिसमें पैरों की थाप और घूमने वाले मूवमेंट्स अहम होते हैं लेकिन रश्मि ने इसे बैठे-बैठे ही इतने शानदार तरीके से किया कि हर कोई कमेंट्स में उनकी तारीफ कर रहा है।

एक यूजर ने लिखा, 'आपके एक्सप्रेशंस कमाल के हैं, नजर नहीं हट रही।' दूसरे यूजर ने लिखा, 'अरिजीत सिंह के गाने पर इतना शानदार कथक, परफेक्ट कॉम्बिनेशन।'

अन्य यूजर्स ने लिखा, 'देसी वाइब्स + एलिगेंस = रश्मि देसाई।' अब बात करें 'गहरा हुआ' गाने की, तो यह फिल्म 'धुरंधर' का एक सॉफ्ट ट्रैक है। इस गाने को मशहूर सिंगर अरिजीत सिंह ने अपनी आवाज दी है। वहीं गाने के बोल इरशाद कामिल ने लिखे हैं। वहीं इसका म्यूजिक शाश्वत सचदेव ने तैयार किया है।

बॉक्स ऑफिस पर 'धुरंधर' को लोगों ने काफी पसंद किया था, अब इसके स्कील को भी दर्शक काफी पसंद रहे है। फिल्म में रणवीर सिंह का किरदार हमजा अली मजारी भारतीय खुफिया एजेंट रॉ के रूप में अपने गुप्त मिशन पर है।

परवीन बॉबी : कॉलेज स्टूडेंट पर पड़ी डायरेक्टर की नजर, फिर बॉलीवुड की बनीं टॉप एक्ट्रेस

हिंदी सिनेमा की सबसे ग्लैमरस और बोल्ड अदाकारा में से एक मानी जाने वाली परवीन बॉबी का चेहरा आज भी लोगों के दिलों में बसा हुआ है। उन्होंने 70 और 80 के दशक में अपनी अलग पहचान बनाई। उस दौर में जब ज्यादातर एक्ट्रेस पारंपरिक अंदाज में नजर आती थीं, तब परवीन अपने मॉडर्न और स्टाइलिश लुक से अलग दिखती थीं। उनका फिल्मी सफर कॉलेज के दिनों में उस वक्त शुरू हुआ, जब एक डायरेक्टर की नजर उन पर पड़ी और उनकी किस्मत बदल गई। परवीन बॉबी का जन्म 4 अप्रैल 1954 को गुजरात के जूनागढ़ में एक मुस्लिम परिवार में हुआ था। वह अपने माता-पिता की इकलौती संतान थीं और परवीन का जन्म उनकी शादी के 14 साल बाद हुआ था। उन्होंने अहमदाबाद से अपनी पढ़ाई पूरी की और अंग्रेजी साहित्य में मास्टर्स किया। पढ़ाई के दौरान ही उन्होंने खुद को आत्मनिर्भर बनाने का सपना देखा और आगे बढ़ने की ठानी। एक दिन जब उन्हें पता चला कि कॉलेज के पास एक फिल्म की शूटिंग चल रही है, तो परवीन वहां पहुंची। इस दौरान

फिल्म डायरेक्टर बी. आर. इशारा की नजर उन पर पड़ी। परवीन ने मिनी स्कर्ट पहनी हुई थी और सेट के बाहर खड़ी होकर सिगरेट पी रही थी। उन्हें देख बी.आर. इशारा ने अपने फोटोग्राफर से उनकी तस्वीर खींचने के लिए कहा, जब डायरेक्टर ने परवीन बॉबी की तस्वीरें देखी तो उन्हें बुलाकर फिल्म का ऑफर दे दिया।

साल 1973 में परवीन ने फिल्म 'चरित्र' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। यह फिल्म ज्यादा सफल नहीं रही, लेकिन उनकी पर्सनैलिटी और स्क्रीन प्रेजेंस ने सबका ध्यान खींचा। इसके बाद 1974 में आई फिल्म 'मजदूर' में उन्हें पहली बड़ी पहचान मिली, जिसमें उन्होंने अमिताभ बच्चन के साथ काम किया। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और एक के बाद एक कई सुपरहिट फिल्में दीं।

1975 में आई 'दीवार' ने उन्हें स्टार बना दिया। इसके बाद 'अमर अकबर एंथनी', 'शान', 'नमक हलाल', 'काला पत्थर' जैसी फिल्मों ने उन्हें इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेस बना दिया। खास बात यह थी कि उन्होंने अमिताभ बच्चन के साथ कई सफल फिल्में कीं और उनकी जोड़ी को दर्शकों ने खूब पसंद किया। उस दौर में परवीन बॉबी सबसे ज्यादा फीस लेने वाली अभिनेत्रियों में शामिल थीं। सिर्फ फिल्मों में ही नहीं, बल्कि फैशन और स्टाइल में भी परवीन सबसे आगे थीं। उन्होंने हिंदी सिनेमा में वेस्टर्न लुक को लोकप्रिय बनाया। उनकी लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि 1976 में उन्हें अंतरराष्ट्रीय मैगजीन 'टाइम' के कवर पेज पर जगह मिली, जो उस समय किसी भारतीय अभिनेत्री के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि थी।

हालांकि, उनकी निजी जिंदगी उतनी आसान नहीं रही। उनका नाम महेश भट्ट, कबीर बेदी और डैनी डेन्जोंगपा जैसे लोगों के साथ जुड़ा। लेकिन, रिश्तों में उन्हें स्थिरता नहीं मिल सकी। इसी बीच उनकी तबीयत भी बिगड़ने लगी और उन्हें पैरानॉइड सिजोफ्रेनिया नाम की मानसिक बीमारी हो गई, जिससे उनकी सोच और व्यवहार पर असर पड़ा। साल 1983 में उन्होंने अचानक फिल्म इंडस्ट्री छोड़ दी और विदेश चली गईं। कई साल बाद वह वापस लौटीं, लेकिन तब तक सब कुछ बदल चुका था। धीरे-धीरे उन्होंने खुद को दुनिया से अलग कर लिया और अकेले रहने लगीं। मुंबई के फ्लैट में 22 जनवरी 2005 को उनका शव मिला। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में सामने आया कि उन्होंने कई दिनों से खाना नहीं खाया था और उनकी मौत भूख व बीमारी की वजह से हुई।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

ख़ुश हो जाएँ क्योंकि अच्छा समय आने वाला है और आप स्वयं में अतिरिक्त ऊर्जा का अनुभव करेंगे। आज के दिन आप धन से जुड़ी समस्या के कारण परेशान रह सकते हैं। इसके लिए आपको अपने किसी विश्वास पात्र से सलाह लेनी चाहिए। आपके परिवार वाले किसी छोटी-सी बात को लेकर राई का पहाड़ बना सकते हैं । कार्यालय में कोई आपको कुछ बढ़िया चीज़ या ख़बर दे सकता है। आज के दिन यात्रा, मनोरंजन और लोगों से मिलना-जुलना होगा। आज आप अपने जीवनसाथी के साथ कुछ बेहतरीन पल गुज़ार सकेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आप अच्छा पैसा कमाएंगे- लेकिन ख़र्च में इज़ाफ़ा आपके लिए बचत को और ज़्यादा मुश्किल बना देगा। दोस्तों के साथ कुछ दिलचस्प और रोमांचक समय बिताने के लिए अच्छा समय है। प्रेमी को आज आपकी कोई बात चुभ सकती है। आपके लिए आज बहुत सक्रिय और लोगों से मेल-जोल भरा दिन रहेगा। लोग आपसे आपकी राय मांगेंगे और जो भी आप कहेंगे, उसे बिना सोचे मान लेंगे। जो लोग अब तक किसी काम में व्यस्त थे आज उन्हें अपने लिए समय मिल सकता है लेकिन घर में किसी काम के आ जाने से आप फिर से व्यस्त हो सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

नियमित व्यायाम के माध्यम से वज़न को नियन्त्रित रखें। अगर आपको लगता है कि आपके पास पर्याप्त धन नहीं है तो आज घर के किसी बड़े से धन संचित करने की सलाह लें। घर पर आपके बच्चे आपके सामने किसी समस्या को तिल का ताड़ बनाकर पेश करेंगे- कोई भी क़दम उठाने से पहले तथ्यों की भली-भांति पड़ताल कर लें। इस राशि के बच्चे आज खेलकूद में दिन बिता सकते हैं, ऐसे में माता-पिता को उनपर ध्यान देना चाहिए क्योंकि चोट लगने की संभावना है। आपका जीवनसाथी आज आपके लिए कुछ बहुत ख़ास करने वाला है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

जो लोग अपने करीबियों या रिश्तेदारों के साथ मिलकर बिजनेस कर रहे हैं उन्हें आज बहुत सोच समझकर कदम रखने की जरुरत है नहीं तो आर्थिक नुक्सान हो सकता है। आपको अपनी एक-सी दिनचर्या से थोड़ी छुट्टी लेकर आज दोस्तों के साथ सैर-सपाटा करने की ज़रूरत है। आपकी मुलाक़ाता एक ऐसे दोस्त से होगी, जिसे आपका ख़याल है और जो आपको समझता भी है। जो लोग प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, उन्हें दिमाग़ शांत रखने की ज़रूरत है। परीक्षा की घबराहट को हावी न होने दें। आपका प्रयास सकारात्मक परिणाम ज़रूर देगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज ख़ास दिन है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाधारण काम करने की क्षमता देगा। आप ख़ुद को नए रोमांचक हालात में पाएंगे- जो आपको आर्थिक फ़ायदा पहुँचाएंगे। कामकाज के नज़रिए से आज का दिन वाक़ई सुचारू रूप से चलेगा। आज के दिन आपके कुछ दोस्त आपके घर में आ सकते हैं और उनके साथ आप समय बिता सकते हैं जीवनसाथी द्वारा परिवार और मित्रों के बीच नकारात्मक तरीक़े से आपके वैवाहिक जीवन की निजी बातें उजागर हो सकती हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। बिना किसी अनुभवी शख़्स की सलाह के आज ऐसा कोई भी काम न करें जिससे आपको आर्थिक हानि हो। किसी धार्मिक स्थल या संबंधी के यहाँ जाने की संभावना है।लंबित परियोजनाएँ पूरी होने की दिशा में बढ़ेंगी। आज जीवनसाथी के साथ समय बिताने के लिए आपके पास पर्याप्त समय होगा। आपके प्रेम को देखकर आज आपका प्रेमी गदगद हो जाएगा। जीवनसाथी के साथ वाद-विवाद होने की काफ़ी संभावना है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

सेहत बढ़िया रहेगी। आर्थिक दृष्टि से आज का दिन मिलाजुला रहने वाला है। आज आपको धन लाभ तो हो सकता है लेकिन इसके लिए आपको कड़ी मेहनत करनी होगी। ऐसा कोई जिसे आप जानते हैं, आर्थिक मामलों को ज़रूरत से ज़्यादा गंभीरता से लेगा और घर में थोड़ा-बहुत तनाव भी पैदा होगा। आज आपका प्रेमी अपने मनोभावों को आपके सामने खुलकर नहीं रख पाएगा जिसकी वजह से आपको खिन्नता होगी। सहकर्मी मदद के लिए हाथ बढ़ा सकते हैं, लेकिन वे ज़्यादा सहायता नहीं कर पाएंगे। शापिंग को लेकर जीवनसाथी से तक़रार मुमकिन है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अपना आत्मविश्वास फिर से हासिल करने के लिए अपनी बात खुल कर कहें । आपका धन कहां खर्च हो रहा है इसपर आपको नजर बनाए रखने की जरुरत है नहीं तो आने वाले समय में आपको परेशानी हो सकती है। रिश्तेदारों और दोस्तों से अचानक उपहार मिलेगा। इस राशि के लोग बड़े ही दिलचस्प होते हैं। आज दिन में कुछ समय आप अपने लिए जरुर निकाल पाएंगे। लेकिन आज जब आपके वैवाहिक जीवन से जुड़ी कई प्यारी चीज़ें आपके सामने आएंगी, तो आप भावुक हुए बिना नहीं रह सकेंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

उधार मांगने वाले लोगों को नज़रअन्दाज़ करें। पुराने परिचितों से मिलने-जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताज़ा करने के लिए अच्छा दिन है। अगर आप अपने प्रिय को पर्याप्त समय न दें, तो वह नाराज़ हो सकता/सकती है। अगर परिणाम आपकी उम्मीद के मुताबिक़ न आए, तो निराश न हों। अपना समय और ऊर्जा दूसरों की मदद करने में लगाएँ, लेकिन ऐसे मामलों में पड़ने से बचें जिनसे आपका कोई लेना-देना नहीं है। अपने जीवनसाथी के साथ प्यार-मुहब्बत के लिए काफ़ी वक़्त मिलेगा, लेकिन सेहत गड़बड़ हो सकती है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

नया आर्थिक क़रार अंतिम रूप लेगा और धन आपकी तरफ़ आएगा। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। कई लोगों के लिए आज की रोमांटिक शाम ख़ूबसूरत तोहफ़ों और फूलों से भरपूर रहेगी। आपको कार्यक्षेत्र में अच्छे फल पाने के लिए अपने काम करने के तरीके पर गौर करने की जरुरत है नहीं तो आप बॉस की नजरों में आपकी नकारात्मक छवि बन सकती है। व्यापार मे प्रदर्शनी आदि आपको नई जानकारियाँ और लाभ कराएंगे। यह दिन दाम्पत्यजीवन के लिए खुशनुमा रहेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आपके पास अपनी सेहत को सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। ख़र्चों में हुई अप्रत्याशित बढ़ोत्तरी आपके मन की शांति को भंग करेगी। आज का दिन ख़ुशियों से भरा रहेगा, क्योंकि आपका जीवन-साथी आपको ख़ुशी देने का हर प्रयास करेगा। अपने प्रिय को आज निराश न करें- क्योंकि ऐसा करने की वजह से बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। आज आपने जो नई जानकारी हासिल की है, वह आपको अपने प्रतिस्पर्धियों पर बढ़त दिलाएगी। इस राशि के जातक आज के दिन अपने भाई-बहनों के साथ घर पर पार्टि का लुत्फ उठा सकते है। ऐसा करके आप लोगों के बीच प्यार में इजाफा होगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपने जीवनसाथी के साथ धन से जुड़े किसी मामले को लेकर आज आपका झगड़ा हो सकता है। हालांकि अपने शांत स्वभाव से आप सबकुछ ठीक कर देंगे। घर से जुड़ी योजनाओं पर विचार करने की ज़रूरत है। प्यार के सकारात्मक संकेत आपको मिलेंगे। अगर आप कई दिनों से कामकाज में दिक़्क़त महसूस कर रहे हैं, तो आज के दिन आपको राहत महसूस हो सकती है। कोई रोचक मैगजीन या उपन्यास पढ़ के आजके दिन को आप अच्छी तरह से व्यतीत कर सकते हैं। आज के दिन आप वैवाहिक जीवन का आनंद ले सकते हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 06 अप्रैल 2026 , सोमवार
विक्रम संवत : 2083
मास : वैशाख ,कृष्ण पक्ष
तिथि : चतुर्थी दोपहर 02:13 तक
नक्षत्र : अनुराधा रात्रि 02:57 तक
योग : सिद्धि सायं 03:24 तक
करण : बालव दोपहर 02:13 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक
सूर्योदय : 06:07, सूर्यास्त 06:1 30 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:13, सूर्यास्त 06:31 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:05, सूर्यास्त 06:24 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:59, सूर्यास्त 06:21 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : अनुसूया जयंती , ज्येष्ठा रात्रि 02:58 से, सर्वार्थ सिद्धि योग प्रातः 06:07 से रात्रि 02:57 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

सीएम भजनलाल के नेतृत्व में

'जल स्वावलंबी' बन रहा राजस्थान,पेयजल और सिंचाई के पानी की उपलब्धता बढ़ी

जयपुर, 05 अप्रैल (एजेंसियां)। भौगोलिक दृष्टि से देश के सबसे बड़े राज्य राजस्थान में कम वर्षा, अनियमित मॉनसून, भूजल के अत्यधिक दोहन और मरुस्थलीय क्षेत्र की अधिकता के कारण जल संसाधनों की कम उपलब्धता सबसे बड़ी चुनौती है। ऐसे में वर्षा के जल को व्यर्थ नहीं बहने देना और उसे भविष्य के लिए सहेजना ही एकमात्र उपाय है। इसी दिशा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में पुनर्जीवित कर चलाए जा रहे 'मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0' के जरिए हजारों गांवों के लाखों परिवारों को राहत पहुंचाई जा रही है। राज्य सरकार का लक्ष्य जल संकट से प्रभावित सभी गांवों को चरणबद्ध तरीके से कवर कर जल के मामले में आत्मनिर्भर बनाना है। नए जल स्रोतों का निर्माण, पुरानों को पुनर्जीवित करने से आए सकारात्मक परिणाम 'मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0' से जल संरक्षण, भूजल पुनर्भरण और ग्रामीण आजीविका सुदृढ़ीकरण का समग्र मॉडल प्रस्तुत किया जा रहा है। वर्षा जल के अधिकतम संचयन के लिए एनिकट, चेक डैम, तालाब एवं जोहड़ का निर्माण किया जा रहा है, साथ ही पुराने जल स्रोतों की मरम्मत कर पुनर्जीवित किया जा रहा है। वहीं भूजल स्तर में सुधार के लिए कुएं बनाए जा रहे हैं और सूखे बोरवेल को रिचार्ज पिट में बदला जा रहा है। इसी का परिणाम है कि कई स्थानों पर भूजल स्तर में सुधार हुआ है और गांवों में पेयजल एवं सिंचाई के लिए जल उपलब्धता बढ़ने लगी है। इसके अलावा कृषि उत्पादकता और हरित आवरण में वृद्धि, मिट्टी का कटाव कम होने और जैव विविधता में सुधार होने के साथ ही स्थानीय स्तर पर रोजगार और आय के अवसर बढ़ रहे हैं। बजट 2024-25 में घोषित इस अभियान के लिए कुल 11 हजार 200 करोड़ रुपए का बजट रखा गया। जिससे 20 हजार गांवों में 5 लाख वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर्स बनाए जाने का लक्ष्य रखा गया। अभियान के पहले चरण में 349 पंचायत समितियों के 5 हजार 135 गांवों में कार्य करवाए गए। वहीं 1 लाख 10 हजार से अधिक कार्यों के लक्ष्य के विरुद्ध 1 लाख 16 हजार से अधिक कार्य किए जा चुके हैं। जिन पर 2 हजार 500 करोड़ रुपए व्यय किए गए हैं।

इसी प्रकार दूसरे चरण में 337 पंचायत समितियों में एक लाख से अधिक कार्य करवाने का लक्ष्य रखा गया। जिसके विरुद्ध 2 हजार 880 करोड़ रुपए के 1 लाख 4 हजार से अधिक कार्यों का अनुमोदन किया जा चुका है। इनमें से 1 हजार 48 करोड़ से अधिक के 45 हजार से ज्यादा कार्यों की स्वीकृतियां जारी हो चुकी हैं। इस चरण में अब तक 148 करोड़ रुपए से ज्यादा व्यय कर 8 हजार से ज्यादा कार्य पूरे किए जा चुके हैं और शेष कार्यों पर तेजी से काम जारी है। वहीं, बजट 2026-27 में इस अभियान के तृतीय चरण के तहत 2 हजार 500 करोड़ रुपए की लागत से 5 हजार गांवों में 1 लाख 10 हजार कार्य करवाने की घोषणा की गई है।

जनकल्याण के लिए चलाए जा रहे 'मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2।0' में जनभागीदारी के लिए ग्राम पंचायतों की सक्रिय भूमिका तय की गई है। कार्यों की प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए ग्राम स्तर पर निगरानी समितियों का गठन किया है। स्वयंसेवी संगठनों के साथ सीएसआर के तहत निजी कंपनियों का सहयोग भी लिया जा रहा है, जिससे सरकारी खर्च में भी कमी आई है। योजना को प्रभावी बनाने के लिए आधुनिक तकनीकों जैसे जीआईएस आधारित मैपिंग, ड्रोन सर्वे, जल संरचनाओं के डिजिटल रिकॉर्ड का उपयोग किया जा रहा है, जिससे योजना के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और सतत निगरानी सुनिश्चित हुई है। वहीं, इस अभियान के जल जीवन मिशन, कर्मभूमि से मातृभूमि जैसी अन्य योजनाओं से समन्वय के कारण संसाधनों का बेहतर उपयोग और व्यापक प्रभाव सुनिश्चित हुआ है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विजन के अनुरूप 'मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2।0' एक दूरदर्शी और प्रभावी पहल है, जिससे जल संकट का धीरे-धीरे समाधान हो रहा है, तथा ग्रामीण विकास, कृषि उन्नति और पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिल रहा है।

अपहरण और प्रताड़ना केस में हाईकोर्ट सख्त पीड़िता को नारी निकेतन में सुरक्षा के आदेश

बीकानेर, 05 अप्रैल (एजेंसियां)। अपहरण और प्रताड़ना के एक गंभीर मामले में राजस्थान हाईकोर्ट ने पीड़िता की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए महत्वपूर्ण आदेश जारी किए हैं। कोर्ट ने पुलिस आयुक्त जोधपुर को निर्देश दिए हैं कि पीड़िता को कड़ी सुरक्षा के बीच बीकानेर स्थित नारी निकेतन पहुंचाया जाए, जहां उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी पुलिस अधीक्षक बीकानेर को सौंपी गई है। इस पूरे मामले में रिन्यू मल्टी-स्पेशलिस्ट क्लिनिक की संचालिका डॉ। शाहिन्दा कादरी ने अपनी कर्मचारी के लिए कानूनी लड़ाई लड़ते हुए मानवता की मिसाल पेश की है। क्या है पूरा मामला?

पीड़िता हरियाणा के पानीपत जिले की रहने वाली है और पिछले एक साल से बीकानेर के सार्दुलगंज क्षेत्र में स्थित क्लिनिक में पार्ट टाइम सहायक के रूप में कार्यरत थी। आरोप है कि उसके पति और ससुराल पक्ष द्वारा उसे लगातार शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था।

तीन फरवरी 2026 को आरोपियों ने कथित रूप से शुभम गार्डन के पास से चाकू की नोक पर उसका अपहरण कर लिया और हरियाणा ले जाकर एक कमरे में बंधक बना लिया। वहां उसे नशीले पदार्थ देकर गंभीर यातनाएं दी गईं। बंधक अवस्था में पीड़िता ने किसी तरह मैसेज और वीडियो के जरिए अपनी संचालिका डॉ। कादरी को सूचना दी। इसके बाद डॉ। कादरी ने तुरंत कार्रवाई करते हुए एडीएम सिटी बीकानेर के समक्ष आवेदन पेश किया, लेकिन इसे पारिवारिक मामला मानते हुए खारिज कर दिया गया। इसके बाद उन्होंने अधिवक्ता के माध्यम से हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

एक अप्रैल 2026 को पीड़िता किसी तरह आरोपियों के चंगुल से निकलकर बीकानेर पहुंची और हाईकोर्ट में पेश हुई। मामले की सुनवाई के बाद कोर्ट ने तत्काल सुरक्षा के आदेश देते हुए पीड़िता को नारी निकेतन में सुरक्षित रखने के निर्देश दिए, ताकि वह बिना किसी डर के आगे की कानूनी कार्रवाई कर सके। इस पूरे घटनाक्रम में डॉ। शाहिन्दा कादरी की भूमिका सराहनीय रही, जिन्होंने न केवल अपनी कर्मचारी की मदद की बल्कि उसके जीवन को बचाने के लिए हर संभव प्रयास किए।

चाकसू में भीषण सड़क हादसा

युवक की मौके पर मौत, पिता और मासूम बेटी की हालत गंभीर

चाकसू, 05 अप्रैल (एजेंसियां)। चाकसू कस्बे के बड़े बालाजी क्षेत्र के पास शनिवार देर शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की जान चली गई, जबकि उसके पिता और छोटी बेटी गंभीर रूप से घायल हो गए। इस घटना के बाद से पूरे इलाके में शोक की लहर है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शीतल वैष्णव अपने बेटे निशिचेतन और बेटी किरण के साथ बाइक पर सवार होकर घर की ओर जा रहे थे। रास्ते में बड़े बालाजी के पास सड़क किनारे खड़े एक ट्रैक्टर-ट्रॉली से उनकी बाइक की जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि निशिचेतन ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि शीतल वैष्णव और उनकी बेटी किरण लहूलुहान होकर सड़क पर गिर गए। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने

घायलों को संभाला और पुलिस व एम्बुलेंस को सूचना दी। घायलों को तत्काल चाकसू उप जिला अस्पताल ले जाया गया, जहाँ प्राथमिक उपचार के बाद उनकी नाजुक स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए जयपुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने बताया कि सड़क किनारे बेतरतीब खड़े वाहनों, विशेषकर ट्रैक्टर-ट्रॉली के कारण यह हादसा हुआ। स्थानीय निवासियों ने प्रशासन के खिलाफ भारी आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि सड़क किनारे खड़े वाहन आए दिन हादसों को न्योता दे रहे हैं। उन्होंने मांग की है कि ऐसे वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में किसी और का घर न उजड़े। सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुँचकर घटनास्थल का मुआयना किया और मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और दुर्घटना के सही कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

मेहंदीपुर बालाजी के पास एनएच-21 पर भीषण सड़क हादसा

तीन ट्रेलरों की टक्कर, मदद करने पहुंचे युवक की मौत

दौसा, 05 अप्रैल (एजेंसियां)। नेशनल हाईवे-21 पर रविवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे ने सबको झकझोर दिया। मेहंदीपुर बालाजी थाना क्षेत्र के खेड़ा पहाड़पुर के पास हुए इस हादसे में एक युवक की जान चली गई, जबकि तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सबसे मार्मिक पहलू यह रहा कि जिस युवक ने इंसानियत के नाते मदद के लिए कदम बढ़ाया, वही इस हादसे का शिकार बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आगे चल रहे एक ट्रेलर का टायर अचानक फट गया, जिससे चालक ने तुरंत ब्रेक लगाया। पीछे से आ रहा तेज रफ्तार ट्रेलर समय पर नहीं रुक सका और जोरदार टक्कर हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और कई लोग मदद के लिए दौड़ पड़े। इसी दौरान पीछे से आ रहा एक और बेकाबू ट्रेलर घटनास्थल पर खड़े ट्रेलरों में जा घुसा। इस दूसरी टक्कर की चपेट में आकर वहां मौजूद युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि ट्रेलरों के केबिन बुरी तरह पिचक गए। सूचना मिलते ही पुलिस और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और घायलों को बाहर निकालने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। तीनों घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है।

हादसे के बाद भरतपुर की ओर जाने वाली लेन पर करीब ढाई घंटे तक लंबा जाम लगा रहा। वाहनों की लंबी कतारों के कारण यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। पुलिस ने मामला दर्ज कर फरार ट्रेलर चालक की तलाश शुरू कर दी है। साथ ही हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। तेज रफ्तार और लापरवाही एक बार फिर सड़क सुरक्षा व्यवस्था पर बड़े सवाल खड़े कर रही है।

सरकार की नीतियों का खामियाजा किसानों व्यापारियों को भुगतना पड़ रहा है: सैलजा

चंडीगढ़, 05 अप्रैल (एजेंसियां)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा से सांसद कुमारी सैलजा ने नरवाना मंडी के बंद होने पर भाजपा सरकार को घेरते हुए इसे उसकी गलत और अव्यवस्थित नीतियों का परिणाम बताया है। उन्होंने कहा कि फसल बिक्री से जुड़ी नई शर्तों ने आढ़तियों को मजबूर कर दिया, जिसके चलते मंडी बंद करने का फैसला लेना पड़ा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की नीतियों का खामियाजा अब किसानों, व्यापारियों और मंडी से जुड़े पल्लेदारों को भुगतना पड़ रहा है।

नायब सैनी ने रसोई गैस पाइपलाइन को लेकर लिया ऐतिहासिक फैसला

जींद, 05 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को जींद में आयोजित 'धन्यवाद एवं विकास रैली' के दौरान विपक्ष पर कड़ा प्रहार करते हुए प्रदेश के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। मुख्यमंत्री ने जनता को संबोधित करते हुए स्पष्ट किया कि आने वाले समय में हरियाणा में विकास की गति थमेगी नहीं, बल्कि नॉनस्टॉप जारी रहेगी। रैली के दौरान मुख्यमंत्री ने आम जनता, विशेषकर शहरी उपभोक्ताओं के लिए एक क्रांतिकारी घोषणा की। सरकार ने रसोई गैस पाइपलाइन बिछाने के लिए लिए जाने वाले लीज रेंट को 3 लाख प्रति किलोमीटर से घटाकर मात्र 1,000 प्रति किलोमीटर करने का निर्णय लिया है। हमारा लक्ष्य प्रदेश में 13 लाख नए झछक्र कनेक्शन प्रदान करना है। इस फैसले से न केवल गैस कंपनियों को विस्तार करने में आसानी होगी, बल्कि आम आदमी तक सस्ती और निर्बाध रसोई गैस पहुंच सकेगी।

प्रदेश में ईंधन की किल्लत की किसी भी अफवाह पर विराम लगाते हुए मुख्यमंत्री ने जनता को आश्वस्त किया कि हरियाणा में पेट्रोल, डीजल और गैस की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी।

अमर शहीदों से जाना जाता है दक्षिणी हरियाणा : आरती सिंह

रेवाड़ी, 05 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने रेवाड़ी जिला के गांव भांडोर में शहीद कैलाश चंद की प्रतिमा का अनावरण किया। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने इस अवसर पर कि शहीद केवल किसी एक परिवार या गांव तक सीमित नहीं होते, बल्कि वे पूरे देश की धरोहर होते हैं। उन्होंने कहा कि दक्षिणी हरियाणा की पहचान ही अमर शहीदों से है, जहां हर घर से सैनिक और हर गांव से वीरों की गाथाएं जुड़ी हुई हैं। उन्होंने शहीद कैलाश चंद की शहादत को याद करते हुए बताया कि वर्ष 1993 में छत्तीसगढ़ में चुनाव ड्यूटी के दौरान माओवादियों से मुठभेड़ में उन्होंने वीरगति प्राप्त की थी। उनकी यह शहादत सदैव देशवासियों को प्रेरित करती रहेगी। आरती सिंह राव ने शहीद की वीरांगना भतेरी देवी और उनके परिवारजनों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि सरकार उनके साथ हर कदम पर खड़ी है। उन्होंने ग्रामीणों द्वारा रखी गई मांगों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने का आश्वासन भी दिया। स्वास्थ्य मंत्री ने इस अवसर पर कहा कि रेवाड़ी जिला के गांव माजरा में निर्माणाधीन एम्स में एमबीबीएस की 50 सीटों को स्वीकृति मिल चुकी है। अब जल्द ही एम्स में ओपीडी शुरू करवाई जाएगी। वह जल्द ही एम्स का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा भी लेंगी।

नए नियमों से किसानों को परेशान ना करे सरकार
ओलावृष्टि से नुकसान की भरपाई करे : दुष्यंत चौटाला

चंडीगढ़, 05 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा है कि भाजपा की डबल इंजन की सरकार की दोहरी मार के चलते आज किसान मजबूर और लाचार है। उन्होंने कहा कि सरकार किसानी और मंडी व्यवस्था को खत्म करने पर तुली हुई है। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि सरकार की अव्यवस्था के कारण आज किसानों की पक्की पकाई फसलें खेतों में खड़ी है। दुष्यंत ने कहा कि पिछले चार दिनों से प्रदेशभर की मंडियों में गेहूं की सरकारी खरीद नामात्र हुई है और उसमें भी किसानों को नई खरीद व्यवस्था के नाम पर तंग किया जा रहा है, जिसका किसान और आढ़ती खुलकर विरोध जता रहे है। पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने कहा कि खराब मौसम को देखते हुए किसान अपनी गेहूं, सरसों की फसल को

निकालकर बेचना चाहता है, लेकिन मंडियों में सरकार की ओर से पुख्ता इंतजाम नहीं होने के कारण किसान परेशान हो रहा है। इतना ही नहीं जो किसान अपनी फसल मंडियों में लेकर जा रहा है, उन्हें सरकार द्वारा फसल में नमी, वेरिफिकेशन, गेट पास के लिए अंगूठे की मैचिंग जैसे नए-नए नियमों से उलझाया जा रहा है। वहीं किसानों को अपनी फसल का पूरा समर्थन मूल्य भी नहीं मिल रहा, क्योंकि सरकार नमी के नाम पर दाम में कटौती कर रही है। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि भाजपा सरकार मंडी व्यवस्था को खराब करना चाहती है, क्योंकि उन्हें किसानों के हितों की कोई परवाह नहीं है। पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि आज सरकार को किसानों के बारे में सोचना चाहिए कि उन पर डबल मार मारने की बजाय किसानों की फसल खरीदने की तैयारी पुख्ता और बरसात, ओलावृष्टि के चलते फसल खराबे का मुआवजा देने के लिए काम करना चाहिए, ताकि किसानों को राहत मिल सके। दुष्यंत ने भाजपा सरकार को ये भी याद दिलाया कि भाजपा किसानों की आय दोगुनी करने की बड़ी-बड़ी बातें करती थी, लेकिन सरकार में आने बाद बीजेपी को लाचार और मजबूर किसान दिखाई नहीं दे रहे है।

संपादकीय

बंगाल में अराजकता

पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के तहत निर्वाचन नामावलियों के निस्तारण में लगे, सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त न्यायिक अधिकारियों को नौ घंटे तक बंधक बनाया जाना दुर्भाग्यपूर्ण ही है। इन सात बंधक अधिकारियों में तीन महिलाएं भी शामिल थीं जिन्हें नौ घंटे तक बिना खाना-पानी के रोके रखा गया। स्वाभाविक रूप से इस घटना पर सुप्रीम कोर्ट ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव व डीजीपी समेत कई उच्च अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस भी दिए हैं। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने एसआईआर प्रक्रिया को पूरा करने के लिए सात अप्रैल की तिथि निर्धारित की है। पिछले महीने तक साठ लाख में 47 लाख आपत्तियों का निस्तारण होने पर सुप्रीम कोर्ट ने भी संतुष्टि व्यक्त की है। बहरहाल, इसके बावजूद एसआईआर प्रक्रिया को लेकर किसी व्यक्ति को कोई शिकायत है तो उसका निस्तारण निर्धारित प्रक्रिया से ही किया जा सकता है। बहरहाल, मालदा का यह घटनाक्रम कानून व्यवस्था और संवैधानिक संस्थाओं के लिए भी अग्निपरीक्षा है। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने पश्चिम बंगाल को राजनीतिक रूप से ध्रुवीकृत तथा चुनाव आयोग ने राज्य में जंगलराज होने की बात कही है। ध्यान रहे कि इससे पहले भी निर्वाचन अधिकारियों से मारपीट व घेराव की घटनाएं सामने आई हैं। जाहिर बात है कि पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया को लेकर कुछ लोगों में असंतोष है। मतदाता सूची से नाम कटने वाले लोगों की तल्ख प्रतिक्रिया स्वाभाविक है। लेकिन यह तंत्र के प्रति बढ़ते अविश्वास का भी प्रतीक है, जिसके चलते ही घटनाक्रम के बाद सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी ने पश्चिम बंगाल में इस महीने होने वाले चुनाव से पहले कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। अब राज्य में विधानसभा चुनाव होने में कुछ ही दिन बाकी हैं। उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल में इस माह की 23 व 29 अप्रैल को मतदान होना है। ऐसे में मालदा का घटनाक्रम निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया के लिए चुनौती दर्शाने वाला है। बहरहाल, मालदा के कालियाचक में भीड़ द्वारा अभिव्यक्त आक्रोश और न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाने का घटनाक्रम यह बताता है कि लोगों में एसआईआर प्रक्रिया को लेकर व्यापक असंतोष है। यद्यपि कानून व्यवस्था को हाथ में लेना कदापि उचित नहीं कहा जा सकता है, लेकिन स्थानीय पुलिस प्रशासन द्वारा पहले ही घटना का आकलन न कर पाना और समय रहते कार्रवाई न करना, तंत्र की विफलता को ही दर्शाता है। जिसे कानून व्यवस्था की नाकामी ही कहा जा सकता है। जब राज्य में एसआईआर काम में लगे लोगों को पहले से लोगों के आक्रोश का सामना करना पड़ रहा था, तो इस कार्य में लगे न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षा की चाक-चौबंद व्यवस्था की जानी चाहिए थी। लोगों में उपजे अविश्वास के मद्देनजर इस दिशा में सतर्क पहल जरूरी थी। इसमें दो राय नहीं कि पश्चिम बंगाल में व्यापक पैमाने पर विदेशियों की घुसपैठ की समस्या रही है। ऐसे में एसआईआर प्रक्रिया द्वारा मतदाताओं की पड़ताल राष्ट्रीय सुरक्षा का भी महत्वपूर्ण विषय है। लेकिन जटिल प्रक्रिया के चलते व जरूरी कागजों के उपलब्ध न होने से कुछ वैध मतदाताओं को अपनी वैधता की पुष्टि के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इन चिंताओं को भी समझने की जरूरत है। ऐसे मतदाताओं के अविश्वास को भी दूर करने की जरूरत है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट इस प्रक्रिया पर शुरू से ही नजर बनाये हुए है। चुनाव आयोग भी दावा कर रहा है कि किसी योग्य मतदाता के साथ अन्याय नहीं होगा। इसी मकसद से ही सुप्रीम कोर्ट ने प्रक्रिया पर निगरानी के मकसद से न्यायिक अधिकारियों की तैनाती की थी। लेकिन विडंबना है कि उन्हें ही आक्रोशित भीड़ ने बंधक बनाया। लेकिन इसके बावजूद सरकारी तंत्र को लोगों के बीच भरोसा कायम करने का प्रयास करना चाहिए। विश्वास किया जाना चाहिए कि राज्य के राजनीतिक दल इस मुद्दे को लेकर राजनीति करने के बजाय मतदाताओं को तर्कपूर्ण ढंग से स्वतंत्र व पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया में शामिल होने के लिये प्रेरित करेंगे। राज्य में स्वतंत्र-निष्पक्ष तथा पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया के लिए राजनेताओं का संवेदनशील व्यवहार जरूरी है।

> पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव व डीजीपी समेत कई उच्च अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस भी दिए हैं। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने एसआईआर प्रक्रिया को पूरा करने के लिए सात अप्रैल की तिथि निर्धारित की है। पिछले महीने तक साठ लाख में 47 लाख आपत्तियों का निस्तारण होने पर सुप्रीम कोर्ट ने भी संतुष्टि व्यक्त की है। बहरहाल, इसके बावजूद एसआईआर प्रक्रिया को लेकर किसी व्यक्ति को कोई शिकायत है तो उसका निस्तारण निर्धारित प्रक्रिया से ही किया जा सकता है। बहरहाल, मालदा का यह घटनाक्रम कानून व्यवस्था और संवैधानिक संस्थाओं के लिए भी अग्निपरीक्षा है। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने पश्चिम बंगाल को राजनीतिक रूप से ध्रुवीकृत तथा चुनाव आयोग ने राज्य में जंगलराज होने की बात कही है। ध्यान रहे कि इससे पहले भी निर्वाचन अधिकारियों से मारपीट व घेराव की घटनाएं सामने आई हैं। जाहिर बात है कि पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया को लेकर कुछ लोगों में असंतोष है। मतदाता सूची से नाम कटने वाले लोगों की तल्ख प्रतिक्रिया स्वाभाविक है।

कुछ अलग

समय की पाबंदी

बात साबरमती आश्रम में गांधी जी के प्रवास के दिनों की है। एक दिन एक गाँव के कुछ लोग बापू के पास आए और उनसे कहने लगे, बापू कल हमारे गाँव में एक सभा हो रही है, यदि आप समय निकाल कर जनता को देश की स्थिति व स्वाधीनता के प्रति कुछ शब्द कहें तो आपकी कृपा होगी। गांधी जी ने अपना कल का कार्यक्रम देखा और गाँव के लोगों के मुखिया से पूछा, सभा के कार्यक्रम का समय कब है? मुखिया ने कहा, हमने चार बजे निश्चित कर रखा है। गांधी जी ने आने की अपनी अनुमति दे दी। मुखिया बोला, बापू मैं गाड़ी से एक व्यक्ति को भेज दूँगा, जो आपको ले आएगा। आपको अधिक कष्ट नहीं होगा। गांधी जी मुस्कराते हुए बोले, अच्छी बात है, कल निश्चित समय मैं तैयार रहूँगा। अगले दिन जब पौने चार बजे तक मुखिया का आदमी नहीं पहुँचा तो गांधी जी चिंतित हो गए। उन्होंने सोचा अगर मैं समय से नहीं पहुँचा तो लोग क्या कहेंगे। उनका समय व्यर्थ नष्ट होगा। गांधी जी ने एक तरीक़ा सोचा और उसी के अनुसार अमल किया। कुछ समय पश्चात मुखिया गांधी जी को लेने आश्रम पहुँचा तो गांधी जी को वहाँ नहीं पाकर उन्हें बहुत आश्चर्य हुआ। लेकिन वह क्या कर सकते थे। मुखिया सभा स्थल पर पहुँचा तो उन्हें यह देख कर और अधिक आश्चर्य हुआ कि गांधी जी भाषण दे रहे हैं और सभी लोग तन्मयता से उन्हें सुन रहे हैं। भाषण के उपरांत मुखिया गांधी जी से मिला और उनसे पूछने लगा, मैं आपको लेने आश्रम गया था लेकिन आप वहाँ नहीं मिले फिर आप यहाँ तक कैसे पहुँचे? गांधी जी ने कहा, जब आप पौने चार बजे तक नहीं पहुँचे तो मुझे चिंता हुई कि मेरे कारण इतने लोगों का समय नष्ट हो सकता है इसलिए मैंने साइकिल उठाई और तेज़ी से चलाते हुए यहाँ पहुँचा।

न्यायिक प्रणाली पर बोझ कम होगा बल्कि नागरिकों, उद्यमियों और निवेशकों में सरकार के प्रति विश्वास भी बढ़ेगा

दंड से सुधार की ओर विश्वास आधारित न्यायिक यात्रा

भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था में कानून का उद्देश्य केवल दंड देना नहीं, बल्कि व्यवस्था, अनुशासन, सुधार और विश्वास का वातावरण बनाना भी होता है। इसी दृष्टि से भारत सरकार द्वारा लाया गया जन विश्वास विधेयक 2026 पहले लोकसभा के बाद अब राज्यसभा से भी पारित होने से इसके कानून के रूप में अमल का रास्ता साफ हो गया। इसके माध्यम से उस व्यवस्था को विदा देने का जतन किया गया है, जिसमें छोटी-छोटी गलतियों या सामान्य नियम-कानूनों के उल्लंघन पर जेल की सजा का प्रविधान था, अब ऐसा होने पर आर्थिक दंड लगेगा। निश्चित ही इस विधेयक का पारित होना एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम है, भारतीय कानूनी परिवेश की एक उजली भोर है। निश्चित तौर यह कानून दंडात्मक व्यवस्था से सुधारात्मक व्यवस्था की ओर बढ़ने का संकेत देता है। इसमें लगभग 79 केंद्रीय कानूनों में संशोधन कर 784 प्रविधानों में संशोधन किये गये हैं और 700 से अधिक छोटे अपराधों को अपराध की श्रेणी से बाहर किया गया है। इससे अदालतों में मुकदमों का बोझ और न्यायिक तंत्र पर दबाव कम होगा। अब ड्राइविंग लाइसेंस की अवधि खत्म होने पर भी वह 30 दिन तक वैध रहेगा और राष्ट्रीय राजमार्ग पर जाम लगाने पर सजा के स्थान पर जुर्माने का प्रविधान होगा। इसी तरह अन्य अनेक मामलों में ऐसा होगा। इनमें से कई मामले कारोबारियों से भी जुड़े हैं, जैसे पहले ड्रग्स एवं कास्मेटिक नियमों के उल्लंघन पर जेल हो सकती थी, लेकिन अब केवल जुर्माना लगेगा। जो छोटे कारोबारी प्रायः जटिल नियम-कानूनों के अनचाहे उल्लंघन के कारण दंडित होने के दबाव में भयभीत रहते थे, वे अब भयमुक्त होंगे।

> निश्चित ही इस विधेयक का पारित होना एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम है, भारतीय कानूनी परिवेश की एक उजली भोर है। निश्चित तौर यह कानून दंडात्मक व्यवस्था से सुधारात्मक व्यवस्था की ओर बढ़ने का संकेत देता है। इसमें लगभग 79 केंद्रीय कानूनों में संशोधन कर 784 प्रविधानों में संशोधन किये गये हैं और 700 से अधिक छोटे अपराधों को अपराध की श्रेणी से बाहर किया गया है। इससे अदालतों में मुकदमों का बोझ और न्यायिक तंत्र पर दबाव कम होगा। अब ड्राइविंग लाइसेंस की अवधि खत्म होने पर भी वह 30 दिन तक वैध रहेगा और राष्ट्रीय राजमार्ग पर जाम लगाने पर सजा के स्थान पर जुर्माने का प्रविधान होगा। इसी तरह अन्य अनेक मामलों में ऐसा होगा। इनमें से कई मामले कारोबारियों से भी जुड़े हैं, जैसे पहले ड्रग्स एवं कास्मेटिक नियमों के उल्लंघन पर जेल हो सकती थी, लेकिन अब केवल जुर्माना लगेगा।

भाजपा सरकार एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रमुख लक्ष्यों में से एक है भारत की व्यवस्था एवं कानूनों का सरल एवं सुगम बनाना, यह कानून उसी दिशा में एक रचनात्मक एवं सृजनात्मक उपक्रम है। इस विधेयक से न केवल न्यायिक प्रणाली पर बोझ कम होगा बल्कि नागरिकों, उद्यमियों और निवेशकों में सरकार के प्रति विश्वास भी बढ़ेगा। इसे न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन की अवधारणा को व्यवहार में उतारने वाला कानून भी कहा जा सकता है। दंड नहीं, सुधार की भावना को बल देते हुए इस कानून से आम-जनता को कानून की जटिल प्रक्रियाओं एवं भ्रष्टाचार की व्यवस्था से मुक्ति मिलेगी। भारतीय न्याय व्यवस्था लंबे समय तक दंड आधारित रही है, जिसमें छोटे-छोटे उल्लंघनों के लिए भी आपराधिक मुकदमे चल जाते थे। इससे अदालतों में मुकदमों का ढेर लग जाता था और आम नागरिक अनावश्यक कानूनी प्रक्रियाओं में उलझ जाते थे। जन विश्वास विधेयक ने इस सोच को बदलने का प्रयास किया है। इससे कानून का उद्देश्य दंड देना नहीं, बल्कि सुधार करना और व्यवस्था बनाए रखना होगा। अपराध की गंभीरता के अनुसार दंड तय करना न्याय के मूल सिद्धांतों के अधिक अनुरूप है।

इस कानून से न्यायिक प्रक्रिया तेज होगी और गंभीर अपराधों पर अधिक ध्यान दिया जा सकेगा। यह कानून न्यायिक सुधार की दिशा में भी एक बड़ा ऐतिहासिक कदम है, क्योंकि इससे न्यायालयों का समय और संसाधन बचेंगे और न्याय प्रणाली अधिक प्रभावी बनेगी। इस कानून का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य व्यापार और उद्योग जगत में विश्वास का वातावरण बनाना भी है। पहले कई छोटे नियमों के उल्लंघन पर आपराधिक मुकदमे दर्ज हो जाते थे, जिससे उद्यमियों और निवेशकों में भय का वातावरण रहता था। अब आर्थिक दंड के प्रावधान से अनुपालन का बोझ कम होगा और व्यापार करने में आसानी होगी। इससे छोटे उद्यमियों, स्टार्टअप और उद्योगों को प्रोत्साहन मिलेगा तथा भारत में निवेश का वातावरण और बेहतर बनेगा। वैश्विक स्तर पर भी भारत की छवि एक सरल और निवेश अनुकूल देश के रूप में मजबूत होगी।

इस कानून की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि इसकी भावना भारतीय संस्कृति के बहुत निकट दिखाई देती है। भारतीय संस्कृति में दंड से अधिक सुधार, प्रतिशोध से अधिक क्षमा और अपराध से अधिक परिमार्जन की परंपरा रही है। हमारे शास्त्रों और परंपराओं में कहा गया है कि मनुष्य से गलती होना स्वाभाविक है, लेकिन उसे सुधार का अवसर मिलना चाहिए। छोटी-छोटी गलतियों के लिए कठोर दंड देना न्याय नहीं, बल्कि अन्याय की श्रेणी में आ सकता है। इस दृष्टि से यदि कानून व्यवस्था में क्षमा, सुधार और परिमार्जन की व्यवस्था हो, तो समाज अधिक मानवीय और संवेदनशील बन सकता है। भारत की संस्कृति दंडात्मक नहीं, बल्कि सुधारात्मक और समन्वयवादी रही है। जन विश्वास विधेयक इसी भावना को आधुनिक कानूनी व्यवस्था में स्थापित करने का प्रयास प्रतीत होता है। यह कानून विश्वास आधारित शासन की ओर अग्रसर होने के साथ मेरा भारत महान्‌ का उद्‌घोष है। यह कानून सरकार और नागरिकों के बीच विश्वास को मजबूत करने वाला भी है। जब सरकार नागरिकों को अपराधी मानने की बजाय जिम्मेदार नागरिक मानकर कानून बनाएगी, तो नागरिकों में भी कानून के प्रति सम्मान और पालन की भावना बढ़ेगी। विश्वास आधारित शासन किसी भी लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति होता है। भय आधारित शासन में नागरिक कानून से बचने की कोशिश करते हैं, जिससे समाज में भ्रष्टाचार को पनपने का मौका मिलता है जबकि विश्वास आधारित शासन में नागरिक कानून का पालन स्वयं करते हैं। देश एवं समाज के प्रति जिम्मेदारी का अहसास स्वतः जागता है।

भारत ने 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य रखा है। विकसित राष्ट्र बनने के लिए केवल आर्थिक विकास ही नहीं, बल्कि न्यायिक, प्रशासनिक और कानूनी सुधार भी आवश्यक हैं। जन विश्वास विधेयक इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा सकता है। सरल कानून, कम सरकारी हस्तक्षेप, तेज न्याय प्रणाली और व्यापार के लिए अनुकूल वातावरण-ये सभी विकसित राष्ट्र की पहचान होते हैं। इस दृष्टि से यह कानून भारत को आधुनिक और विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में सहायक सिद्ध होगा। यह भी स्वीकार करना होगा कि इस प्रकार के बड़े कानूनी सुधार राजनीतिक इच्छाशक्ति के बिना संभव नहीं होते। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने कई प्रशासनिक और कानूनी सुधार किए हैं, जिनका उद्देश्य शासन को सरल, पारदर्शी और जनहितकारी बनाना है, न्याय व्यवस्था को ज्यादा मानवीय एवं व्यावहारिक बनाना है। इसी कारण प्रधानमंत्री ने इस विधेयक के पारित होने पर यह आशा व्यक्त की कि इसके जरिये भरोसे पर आधारित व्यवस्था का निर्माण होने के साथ आम नागरिक सशक्त बनेंगे। जन विश्वास विधेयक उसी श्रृंखला का एक महत्वपूर्ण कदम है, जो यह दर्शाता है कि सरकार नागरिकों को दंडित करने की बजाय उनके साथ विश्वास का संबंध स्थापित करना चाहती है। यह कानून शासन और जनता के बीच विश्वास का पुल बनाने का एक सराहनीय एवं सूझबूझभरा प्रयास है।

वास्तव में कानून का शासन ऐसा होना चाहिए, जिसमें मामूली गलती या किसी गफलत या अनजाने में की गई भूल कठोर सजा का कारण नहीं बननी चाहिए। अब जब जन विश्वास विधेयक से हालात में व्यापक बदलाव की उम्मीद की जा रही है, तब यह आवश्यक हो जाता है कि इस विधेयक के प्रविधानों से आम जनता को अवगत कराया जाए, ताकि वह अधिकतम लाभ उठा सके और शोषण एवं भ्रष्टाचार से भी बच सके। ध्यान रहे आम लोग सशक्त तब होते हैं, जब वे नियम-कानूनों से भली तरह अवगत होते हैं। जनता को बदले हुए नियम-कानूनों से परिचित कराने का काम सरकार को करना चाहिए। इसी के साथ उसे इसे लेकर सावधान रहना होगा कि छोटे अपराधों में जेल भेजने वाले प्रविधानों की जगह चेतावनी देने और जुर्माना लगाने वाली नई व्यवस्था से समाज में ऐसा कोई संदेश न जाए कि नियम-कानूनों के उल्लंघन पर जुर्माना देकर बचा जा सकता है। यदि जुर्माना देकर नियम-कानूनों को हल्के में लेने की प्रवृत्ति बढ़ी तो इस विधेयक का उद्देश्य ही व्यर्थ हो जाएगा। सबसे महत्वपूर्ण जुर्माना लेने की परम्परा कहीं प्रशासनिक अधिकारियों एवं न्यायिक अधिकारियों को अधिक भ्रष्ट न बना दे।

देश दुनिया से

नई सोच रोकेगी मनुष्यता के खिलाफ अपराध

स्वतंत्रता सेनानी और अस्पृश्य समझे जाने वाले वर्ग के नेता बाबू जगजीवन राम को बचपन में स्कूल में इसलिए सज़ा मिली थी कि उन्होंने उस मटके से पानी पी लिया था जो स्कूल के सवर्ण अध्यापकों के लिए रखा गया था। यह बात तब की है जब हम गुलाम थे। पर ऐसे ही 'अपराध' के लिए स्वतंत्र भारत में भी नौ साल के एक दलित बच्चे को भी सज़ा मिली थी– राजस्थान के जालौर के एक स्कूल में उन बच्चों से भी अनजाने में ही अध्यापकों के मटके से पानी पीने का 'अपराध' हो गया था। यह घटना हमारी आज़ादी की 75वीं सालगिरह के दिन घटी थी। दोनों ही घटनाओं में लगभग एक सदी की दूरी है। सदियों से दलितों के साथ इस तरह के अत्याचार होते आ रहे हैं। उम्मीद थी कि स्वतंत्र भारत में हमारी समाज व्यवस्था के माथे से यह कलंक मिट जायेगा। पर आज भी, यानी इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक में इस आशय के समाचार मिल जाते हैं कि फलां गांव में या फलां कस्बे में दलित समाज के किसी व्यक्ति को इसलिए सज़ा भुगतान पड़ी कि उसने घोड़े पर बैठकर दूल्हा बनने का दुस्साहस किया था! आज़ादी प्राप्त करने के बाद जब हमने अपना संविधान बनाया तो उसमें यह स्पष्ट व्यवस्था की थी कि स्वतंत्र भारत में किसी भी नागरिक को अस्पृश्यता जैसे अभिशाप को झेलना न पड़े। एक लंबे संघर्ष के बाद यह स्थिति आयी थी, पर अभी भी अस्पृश्यता के अभिशाप से हम मुक्त नहीं हो पाये। सौ साल पहले बाबासाहेब अम्बेडकर ने महाराष्ट्र के महाड में अगड़ों के लिए आरक्षित समझे जाने वाले एक तालाब से पानी पीने के अधिकार का संघर्ष शुरू किया था। उस तालाब में जानवर तो पानी पी सकते थे, पर अस्पृश्य समझे जाने वाले दलित को यह अधिकार नहीं था। ऊंची समझी जाने वाली जातियों के लोग यह मानते थे कि दलितों के छूने से वह भी अपवित्र हो जायेंगे। पता नहीं यह धारणा कब से चली आ रही है, पर यह एक शर्मनाक सच्चाई है कि हमारे देश में आज भी छुआछूत से हमारा पीछा नहीं छूट पाया। शहरी भारत में भले ही माथे पर यह कलंक न दिखता हो, पर ग्रामीण भारत आज भी जैसे इस त्रास को भोगने के लिए शापित है। यहां यह याद रखना ज़रूरी है कि लगभग अस्सी प्रतिशत भारत गांवों में बसता है! सन् 1950 में हमने अपने संविधान में अस्पृश्यता पर प्रतिबंध लगाने की व्यवस्था की थी। हमारा संविधान कहता है, 'सरकार धर्म, जाति, जन्म आदि के आधार पर किसी नागरिक से भेदभाव नहीं करेगी'। लगता है, भेदभाव करने वालों ने मान लिया है कि यह व्यवस्था सरकार के लिए है, समाज के लिए नहीं! सौ साल पहले डाक्टर भीमराव अम्बेडकर ने समाज को यह अहसास कराने की कोशिश की थी। सौ साल पहले 20 मार्च, 1927 को महाराष्ट्र के एक तालाब के पानी को न केवल दलितों ने छुआ, बल्कि उस तालाब का पानी पिया भी। वस्तुतः यह मनुष्यता की रक्षा के लिए किये जाने वाले एक संघर्ष की शुरुआत थी। यह सौवां वर्ष है इस संघर्ष का— और संघर्ष आज भी जारी है। हम इस बात पर तो गर्व कर सकते हैं कि सौ साल पहले ऐसा कोई संघर्ष प्रारंभ हुआ था, पर देखा जाये तो यह शर्म की ही बात है कि अब तक इस संघर्ष में पूरी विजय नहीं मिल पायी। पर इस असफलता से संघर्ष की महत्ता कम नहीं हो जाती। ज़रूरी है कि महाड में शुरू किये गये इस जल-सत्याग्रह की महत्ता को समझा जाये, इस संघर्ष को तार्किक परिणति तक पहुंचाया जाये। उस दिन अम्बेडकर के नेतृत्व में लगभग ढाई हज़ार दलितों ने महाड के चौदार तालाब के पवित्र समझे जाने वाले जल को अंजलि में भरकर एक नई आज़ादी के संघर्ष की शुरुआत की थी। यह संघर्ष इस सिद्धांत को स्वीकारने के लिए भी था कि जल, जंगल और हवा प्रकृति ने हर प्राणी के लिए दिये हैं, किसी जन्म या किसी धर्म के नाम पर इनका बंटवारा नहीं हो सकता। किसी भी आधार पर प्रकृति के इन अवदानों पर कोई अपना अधिकार नहीं जता सकता। पर इस बात को सवर्ण समझे जाने वाले समाज ने आसानी से स्वीकार नहीं किया। महाड सत्याग्रह से नाराज सवर्णों ने न केवल तालाब का 'शुद्धीकरण' किया, बल्कि सत्याग्रहियों को मारा-पीटा भी गया था। वे मामले को अदालत में भी लेकर पहुंचे। दस साल लगे न्यायालय को पानी पर सबके अधिकार का फैसला सुनाने में। और यह भी हकीकत है कि आज भी देश का एक बहुत बड़ा तबका मन से यह मानने को तैयार नहीं है कि दलितों को अस्पृश्य मानना मनुष्यता के खिलाफ एक अपराध है। सदियों से चले आ रहे इस अपराध का प्रायश्चित होना ही चाहिए। यह अपराध-बोध ही समता के इस संघर्ष को किसी तार्किक परिणति तक पहुंचा सकता है। महाड के जल-सत्याग्रह का शताब्दी वर्ष है यह। वह सत्याग्रह वस्तुतः मानव-समाज की समानता के लिए एक नए संघर्ष की शुरुआत थी। यह संघर्ष तब तक पूरा नहीं होगा, जब तक कानून या संविधान में दिये गये अधिकारों को सामाजिक स्तर पर पूरी मान्यता नहीं मिल जाती। इस मान्यता को मिलने का मतलब है इस सत्य को स्वीकार करना कि किसी भी आधार पर मनुष्य और मनुष्य के बीच खाई नहीं होनी चाहिए। संविधान में समता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुता के चार स्तंभों पर एक मानवीय समाज की संरचना को आकार दिया गया है। अम्बेडकर ने जल-सत्याग्रह के माध्यम से समानता की लड़ाई को नया आयाम दिया था। चावदार तालाब के इस सत्याग्रह के तीन साल बाद उन्होंने नासिक के कालाराम मंदिर में दलितों की समानता की लड़ाई का एक और मोर्चा खोला था। यहां विवाद दलितों के मंदिर प्रवेश के अधिकार को लेकर था। गांधीजी इससे दो दशक पहले दलितों को यह अधिकार दिये जाने के संघर्ष को प्रारंभ कर चुके थे। इतिहास की इन सारी बातों को याद करने का एक अवसर है जल-सत्याग्रह का यह शताब्दी वर्ष। इसे याद करने का मतलब समानता की एक अधूरी लड़ाई को आगे बढ़ाने के संकल्प की पूर्ति की दिशा में आगे बढ़ना है। यह बात समझना ज़रूरी है कि समानता की यह लड़ाई किसी कानून या किसी सरकार के सहारे नहीं जीती जा सकती। आवश्यकता एक सामाजिक आंदोलन को चलाने, उसे गति देने की है। अम्बेडकर का जल-सत्याग्रह या गांधी का नमक- सत्याग्रह या दलित के मंदिर प्रवेश के अधिकार के लिए किया गया मानवीय समानता का संघर्ष कुल मिलाकर समानता की एक ऐसी लड़ाई है जिसके पूरा हुए बिना मनुष्यता की लड़ाई किसी तार्किक परिणति तक नहीं पहुंच सकती। डाक्टर अम्बेडकर को हम संविधान के प्रमुख शिल्पी की तरह याद करते हैं। इस याद करने को सार्थक बनाने का अर्थ आदमी और आदमी के बीच की खाई को पाटना है। तीन साल पहले जारी किये गये एक आंकड़े के अनुसार देश में दलितों पर अत्याचार की पांच घटनाएं रोज घट रही हैं। जालौर के नौ साल के इंद्र मेघवाल के साथ हुआ अन्याय इन्हीं पांच में से एक है। यह अन्याय खत्म होना ही चाहिए– तभी मनुष्यता जीतेगी।

आप का नज़रिया

कमजोर होता रुपया

पश्चिमी एशिया में जारी युद्ध के फलस्वरूप उत्पन्न ऊर्जा संकट के बीच डॉलर के मुकाबले रुपये का अब तक सबसे निचले स्तर पर पहुंचना भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती है। निश्चित रूप से मजबूत मुद्रा भंडार होने के बावजूद रुपये पर दबाव होना, देश के सामने कई तरह मुश्किलें पैदा कर सकता है। कहा जा रहा है कि भारत फिर 2013 जैसी स्थितियों से रूबरू है। लेकिन इस बार जहां मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार है, वहीं तमाम वैश्विक उथल-पुथल के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था की बुनियादी स्थिति 2013 के मुकाबले मजबूत है। दरअसल, वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के बीच विदेशी निवेशक डॉलर को मजबूत निवेश के विकल्प के रूप में देखते हैं। इसीलिए वे उभरती अर्थव्यवस्थाओं से पूंजी निकालकर अमेरिकी अर्थव्यवस्था में निवेश कर रहे हैं। जिससे डॉलर मजबूत हो रहा है और रूपये जैसी दूसरी मुद्राएं कमजोर हो रही हैं। इसकी एक वजह अमेरिकी अर्थव्यवस्था की मजबूती भी है। जिसका नकारात्मक प्रभाव भारत जैसे विकासशील देशों की मुद्राओं पर पड़ता है। यही वजह है कि एशिया में बेहद कमजोर स्थिति वाली मुद्राओं में रुपये भी शामिल है। ऐसी स्थिति में हमारे निर्यात सस्ते और आयात महंगे होने से अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। एक हकीकत यह भी है कि ईरान व अमेरिका के बीच जारी युद्ध से कच्चे तेल की आपूर्ति बाधित होने व पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतें बढ़ने से भी रुपये पर दबाव बढ़ा है। इसकी एक विसंगति यह भी है कि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का अधिकांश हिस्सा आयात करता है। जिसका प्रतिशत 85 फीसदी के करीब है। फलतः तेल कंपनियां अधिक डॉलर की मांग कर रही हैं,जिसका असर रूपये की सेहत पर भी पड़ रहा है। लेकिन पिछले एक साल में रुपये के मूल्य में दस फीसदी गिरावट और डॉलर के मुकाबले उसका सर्वकालिक निम्न स्तर तक पहुचना हमारी गंभीर चिंता का विषय होना ही चाहिए।

आशंका जतायी जा रही है कि यदि ईरान व अमेरिका का युद्ध और लंबा खिंचता है तो रूपये के मूल्य में और गिरावट दर्ज की जा सकती है। हालांकि, अपनी तरफ से देश के केंद्रीय बैंक ने मौद्रिक व रणनीतिक उपायों से रुपये की गिरावट को थमाने के प्रयास किए हैं, लेकिन उसका सीमित प्रभाव ही रहा है। भले ही भारत के पास सात सौ अरब डॉलर से ज्यादा का विदेशी मुद्रा भंडार हो, लेकिन उसका भी सीमित उपयोग ही रुपये के संरक्षण में हो सकता है। हालांकि, भारत के पास इतना विदेशी मुद्रा का भंडार है कि दस महीने के आयात को सहजता से संचालित किया जा सकता है। वास्तव में वैश्विक परिदृश्य में जारी उथल-पुथल से बाधित आर्थिकी और असुरक्षा के चलते डॉलर की बढ़ती मांग ने रूपये को कमजोर बनाया है। इसके बावजूद केंद्रीय बैंक के हस्तक्षेप से ही रुपये का गिरना संभल सकता है। केंद्रीय बैंक तेल कंपनियों के डॉलर के अतिरिक्त दबाव को कम करने को कदम उठा सकता है। एसबीआई की एक रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि तेल कंपनियों के लिये अलग डॉलर विंडो बनाये जाने से रुपये पर अचानक पड़ने वाला दबाव कम हो सकता है। हर दिन तेल कंपनियों को भारी मात्रा में डॉलर की जरूरत होती है। यही मांग बाजार में रुपये पर अतिरिक्त दबाव बना रही है। रिपोर्ट में एक सुझाव है कि इन कंपनियों के लिए अलग डॉलर विंडो बनाई जाए। अगर ऐसा होता है, तो बाजार में डॉलर की असली मांग और सप्लाई साफ दिखेगी। इससे रुपये पर अचानक पड़ने वाला दबाव कम भी हो सकता है। आर्थिक विशेषज्ञ मानते हैं कि रुपये को 'शॉक एब्जॉर्बर' बनाकर हर दबाव को झेलने के लिये छोड़ देने की नीति पर पुनर्विचार की जरूरत है। जानकार मानते हैं कि इस दिशा में केंद्रीय बैंक को आक्रमक रणनीति अपनानी चाहिए। आवश्यकता पड़ने पर विदेशी मुद्रा भंडार का उपयोग रुपये को संबल देने में करना चाहिए। इसके जरिये टाले जा सकने वाली गिरावट रोकी जा सकती है। इसके लिये अर्थव्यवस्था में नकदी संतुलन भी जरूरी है। बाजार की स्थिरता के लिये ब्याज दरों का संतुलन भी लाभप्रद हो सकता है।

> निश्चित रूप से मजबूत मुद्रा भंडार होने के बावजूद रुपये पर दबाव होना, देश के सामने कई तरह मुश्किलें पैदा कर सकता है। कहा जा रहा है कि भारत फिर 2013 जैसी स्थितियों से रूबरू है। लेकिन इस बार जहां मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार है, वहीं तमाम वैश्विक उथल-पुथल के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था की बुनियादी स्थिति 2013 के मुकाबले मजबूत है। दरअसल, वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के बीच विदेशी निवेशक डॉलर को मजबूत निवेश के विकल्प के रूप में देखते हैं। इसीलिए वे उभरती अर्थव्यवस्थाओं से पूंजी निकालकर अमेरिकी अर्थव्यवस्था में निवेश कर रहे हैं। जिससे डॉलर मजबूत हो रहा है और रूपये जैसी दूसरी मुद्राएं कमजोर हो रही हैं। इसकी एक वजह अमेरिकी अर्थव्यवस्था की मजबूती भी है। जिसका नकारात्मक प्रभाव भारत जैसे विकासशील देशों की मुद्राओं पर पड़ता है। यही वजह है कि एशिया में बेहद कमजोर स्थिति वाली मुद्राओं में रुपये भी शामिल है। ऐसी स्थिति में हमारे निर्यात सस्ते और आयात महंगे होने से अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। एक हकीकत यह भी है कि ईरान व अमेरिका के बीच जारी युद्ध से कच्चे तेल की आपूर्ति बाधित होने व पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतें बढ़ने से भी रुपये पर दबाव बढ़ा है।

भारतीय स्कूली शिक्षा का रूपांतरण

एनसीएफएसई 2023 और एक नए युग का सूत्रपात

भारतीय शिक्षा के इतिहास में कुछ क्षण केवल 'सुधार' नहीं, बल्कि 'युगांतर' लेकर आते हैं। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा सत्र 2026-27 के लिए प्रस्तावित माध्यमिक पाठ्यक्रम का नया ढांचा महज एक शैक्षणिक दस्तावेज नहीं, बल्कि उस जड़ता पर प्रहार है जिसने दशकों से हमारी मेधा को रटने की बेड़ियों में जकड़ रखा था। एक शिक्षाशास्त्री और भाषा-चिंतक की दृष्टि से, मैं इसे तर्कसंगत स्वायत्तता और बहुभाषिकता के एक नए युग का उदय मानता हूँ। भाषा केवल संचार का माध्यम नहीं, बल्कि संस्कृति का संवाहक होती है। सत्र 2026-27 से कक्षा छठी से प्रभावी होने वाली त्रि-भाषा व्यवस्था (आर3) इस पाठ्यक्रम की रीढ़ है। इसमें निहित 'सांस्कृतिक जड़ों' का आग्रह प्रशंसनीय है तीन में से कम से कम दो भाषाओं का भारतीय होना अनिवार्य कर, बोर्ड ने हमारी भाषाई अस्मिता को वैश्विक मंच पर गरिमा प्रदान की है। यह चरणबद्ध ढांचा विद्यार्थी को केवल बहुभाषी नहीं बनाएगा, बल्कि उसे अपनी मिट्टी की महक और विश्व की आधुनिकता के बीच एक संतुलित सेतु प्रदान करेगा।

अब तक शिक्षा का लक्ष्य पाठ्यक्रम पूरा करना रहा है, लेकिन अब यह क्षमता-आधारित अधिगम की ओर मुड़ गया है। गणित और विज्ञान जैसे विषयों में स्टैंडर्ड और एडवांस्ड के दोहरे स्तरों का विकल्प एक क्रांतिकारी प्रस्थान है। यह विद्यार्थियों को अपनी बौद्धिक गहराई मापने का अधिकार देता है। पुराने गणित बेसिक की विदाई और उन्नत(एडवांस्ड) के आगमन का अर्थ यह है कि अब हम औसत दर्जे की साक्षरता से ऊपर उठकर श्रेष्ठता की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। कक्षा नौवीं और दसवीं में ये चुनौतियाँ दरअसल कक्षा ग्यारहवीं के 'विषय-आघात' के विरुद्ध एक रक्षा कवच हैं। यह एक ऐसी मेधावी प्रणाली का निर्माण है जहाँ छात्र अपनी रुचि और सामर्थ्य को पहले ही पहचान सकें।

वहीं दूसरी ओर, समग्र प्रगति कार्ड (एचपीसी) का आना इस बात का प्रमाण है कि अब मूल्यांकन केवल परीक्षा का बंधक नहीं रहेगा। आंतरिक मूल्यांकन के अंकों की गरिमा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का अनिवार्य समावेश यह बताता है कि भारत की नई पीढ़ी अब अल्गोरिथम की भाषा में सोचना सीखेगी। एनसीएफएसई 2023 की सफलता का भार अब शैक्षणिक नेतृत्व के कंधों पर है। विद्यालय के प्रधानाचार्य अब मात्र प्रशासक नहीं, बल्कि उस जीवंत परिवेश के निर्माता होंगे जहाँ कला, खेल और तकनीक का संगम होगा। शिक्षकों के लिए निर्धारित वार्षिक प्रशिक्षण इस बात का सूचक है कि ज्ञान की गंगा में प्रवाह बना रहना चाहिए। यह पाठ्यक्रम केवल एक नीति नहीं, बल्कि भविष्य के लिए तैयार नागरिक गढ़ने का एक संकल्प है ऐसे नागरिक जो तर्क की कसौटी पर खरे हों, नैतिक मूल्यों से ओतप्रोत हों और जिनकी जड़ें भारत की माटी में गहरी धंसी हों।

–डॉ. राहुल प्रताप सिंह
भाषाविद एवं शिक्षा प्रशासक

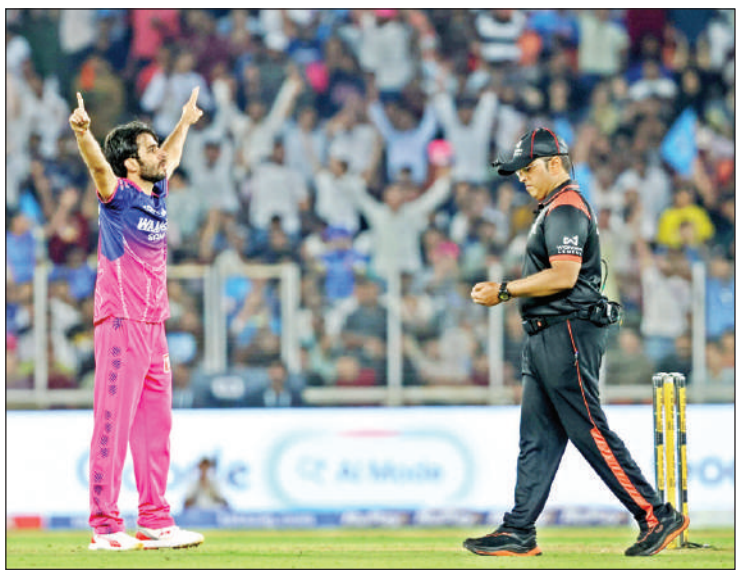

राजस्थान की जीत के हीरो रहे बिश्नोई बोले गेंदबाजी में सुधार के लिए की कड़ी मेहनत

अहमदाबाद, 05 अप्रैल (एजेंसियां)।

राजस्थान रायल्स ने शनिवार रात खेले गए इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के अपने दूसरे मुकाबले में गुजरात टाइटंस को 6 रन से हराकर शानदार जीत दर्ज की। इस मुकाबले के हीरो लेग स्पिनर रवि बिश्नोई रहे, जिन्होंने चार महत्वपूर्ण विकेट लेकर प्लेयर आफ द मैच का पुरस्कार जीता।

इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में उतरे बिश्नोई ने 4 ओवर में 41 रन देकर 4 विकेट झटके। उन्होंने साई सुदर्शन, ग्लेन फिलिप्स, वाशिंगटन सुंदर और राहुल तेवतिया को आउट कर मैच का रुख पलट दिया। मैच के बाद बिश्नोई ने कहा कि पिछला सीजन उनके लिए चुनौतीपूर्ण रहा, लेकिन उन्होंने अपनी लेंथ और प्रदर्शन पर लगातार मेहनत की। उन्होंने बताया कि मानसिक, तकनीकी और शारीरिक—तीनों स्तर पर सुधार के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी। अपने पसंदीदा विकेट के रूप में उन्होंने राहुल तेवतिया का नाम लिया। बिश्नोई के अनुसार, वह ऐसे मौकों के खिलाड़ी हैं। अगर वह उस समय आउट नहीं होते, तो मैच किसी भी तरफ जा सकता था। बिश्नोई ने आखिरी ओवरों में गेंदबाजों के सामूहिक प्रदर्शन की भी सराहना की। उन्होंने कहा, तुषार देशपांडे ने जिस तरह गेंदबाजी की और जोफ्रा आर्चर ने जैसे 19वां ओवर डाला, वह शानदार था। यह पूरी टीम का प्रयास था। हमारी टीम युवा है और हम आगे भी ऐसे ही अच्छा प्रदर्शन करते रहना चाहते हैं। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए इस मैच में राजस्थान रायल्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 210 रन बनाए। यशस्वी जायसवाल (55) और ध्रुव जुरेल (75) ने शानदार अर्धशतक लगाए, जबकि वैभव रघुवंशी ने 31 रनों की तेज पारी खेली। लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात टाइटंस की शुरुआत अच्छी रही। साई सुदर्शन ने 73 रन बनाए, लेकिन मध्यक्रम लड़खड़ा गया। अंत में राशिद खान (24) और कगिसो रबाडा (नाबाद 23) ने तेज रन बनाकर मैच को रोमांचक बना दिया। आखिरी ओवर में गुजरात को जीत के लिए 11 रन चाहिए थे, लेकिन टीम केवल 4 रन ही बना सकी और 20 ओवर में 8 विकेट पर 204 रन तक ही पहुंच पाई। इस तरह राजस्थान रायल्स ने 6 रन से रोमांचक जीत अपने नाम की। राजस्थान का अगला मैच सात अप्रैल को मुंबई इंडियंस से होगा।

न्यूज ब्रीफ

छोटा नेहरू स्टेडियम का नाम बदला, छत्रपति शिवाजी महाराज खेल परिसर रखा गया

इंदौर । इंदौर के प्रसिद्ध खेल परिसर, जिसे पूर्व में छोटा नेहरू स्टेडियम के नाम से जाना जाता था, उसका आधिकारिक नामकरण अब छत्रपति शिवाजी महाराज खेल परिसर कर दिया गया है। इस अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसने शहर के सांस्कृतिक और खेल जगत के वातावरण को राष्ट्रभक्ति के रंग में सराबोर कर दिया। आयोजन के दौरान उपस्थित जनसमूह का उत्साह देखते ही बनता था। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने जगाया शौर्य का भाव इस विशेष समारोह का मुख्य आकर्षण प्रसिद्ध लोक कलाकार और युवा शाहीर विक्रांत सिंह राजपूत रहे। उन्होंने समाज प्रबोधनकार की अपनी विशेष शैली में छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन प्रसंगों का सजीव वर्णन किया। विक्रांत सिंह राजपूत ने अपनी ओजस्वी वाणी के माध्यम से महाराज की युद्ध रणनीति, अदम्य साहस और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को जनता के समक्ष रखा। उनके गायन और प्रस्तुतीकरण के दौरान पूरा स्टेडियम जय भवानी, जय शिवाजी के उद्घोष से गुंजायमान रहा, जिससे उपस्थित युवाओं में जबरदस्त ऊर्जा का संचार हुआ। वैचारिक क्रांति के प्रतीक हैं शिवाजी महाराज : स्वाती काशिद कार्यक्रम की आयोजक और भाजपा नगर मंत्री एडवोकेट स्वाती काशिद ने समारोह को संबोधित करते हुए इस नामकरण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि खेल परिसर का नाम छत्रपति शिवाजी महाराज के नाम पर रखना केवल एक नाम परिवर्तन नहीं है, बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों को अपनी जड़ों और गौरवशाली इतिहास से जोड़ने का एक माध्यम है।

भारतीय एथलीट मुरली श्रीशंकर का शानदार प्रदर्शन, लंबी कूद में जीता स्वर्ण पदक

बंगलूरू । इस सत्र में पहली बार प्रतिस्पर्धा कर रहे मुरली श्रीशंकर ने शनिवार को शुरू हुई पहली इंडियन एथलेटिक्स सीरीज में पुरुषों की लंबी कूद स्पर्धा में 8.15 मीटर की कूद लगाकर खिताब अपने नाम किया। एनसीओई त्रिवेंद्रम का प्रतिनिधित्व कर रहे श्रीशंकर ने अपने चौथे प्रयास में यह कूद लगाई। 2024 में घुटने की सर्जरी के बाद वापसी करने के बाद से यह उनका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। पिछले सत्र में 27 वर्षीय इस खिलाड़ी का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 8.13 मीटर था। पेरिस ओलंपिक में हिस्सा नहीं ले सके थे श्रीशंकर श्रीशंकर को घुटने की चोट के कारण हुई सर्जरी की वजह से 2024 पेरिस ओलंपिक से बाहर रहना पड़ा था। उन्होंने पिछले साल सितंबर में टोक्यो विश्व चैंपियनशिप में भी हिस्सा लिया था, लेकिन फाइनल राउंड के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाए थे। कांतीरवा स्टेडियम में श्रीशंकर मैदान में एकमात्र ऐसे एथलीट थे जिन्होंने आठ मीटर का आंकड़ा पार किया। बिहार के सनी कुमार 7.90 मीटर की कूद के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि कर्नाटक के पुरुषोत्तम 7.87 मीटर से तीसरे स्थान पर रहे।

यूएस क्ले कोर्ट चैंपियनशिप : थियागो टिरांटे ने टाप सीड बेन शेल्टन को हराया, कई उलटफेर

ह्यूस्टन। यूएस पुरुष क्ले कोर्ट चैंपियनशिप में अर्जेंटीना के थियागो अगस्टिन टिरांटे ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टाप सीड बेन शेल्टन को हराकर बड़ा उलटफेर किया। टिरांटे ने पहला सेट गंवाने के बाद दमदार वापसी की और मुकाबला 6-7 (5), 6-3, 6-4 से अपने नाम किया। शुरुआती सेट में कड़ी टक्कर के बाद हार झेलने वाले टिरांटे ने अगले दो सेट में जबरदस्त नियंत्रण दिखाया। उनकी सर्विस गेम इस मैच में सबसे मजबूत पहलू रही, जहां उन्होंने अपने सभी 16 सर्विस गेम जीतकर शेल्टन को वापसी का मौका नहीं दिया। शांत और संयमित खेल के दम पर उन्होंने मुकाबले को अपने पक्ष में मोड़ लिया। दूसरी ओर, बेन शेल्टन के लिए यह हार निराशाजनक रही। फरवरी में डलास ओपन का खिताब जीतने के बाद से वह लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं और इस टूर्नामेंट में भी राउंड आफ 16 से आगे नहीं बढ़ सके। अन्य मुकाबलों में भी कई दिलचस्प नतीजे देखने को मिले। अर्जेंटीना के रोमन एंड्रेस बुरुचागा ने तीसरी वरीयता प्राप्त लर्नर टिएन को 7-5, 6-4 से हराया। वहीं, अमेरिका के टामी पाल ने टामस मार्टिन एचेवेरी को सीधे सेटों में 6-4, 6-2 से मात देकर अगले दौर में प्रवेश किया। रात के मुकाबले में दूसरी वरीयता प्राप्त फ्रांसेस टियाफो ने लगभग तीन घंटे तक चले रोमांचक मैच में एलेक्सी पोपिरिन को 3-6, 6-4, 7-6 (6) से हराया।

आरसीबी ने सीएसके को 43 रनों से हराया

बेंगलुरु, 05 अप्रैल (एजेंसियां)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आईपीएल 2026 में जीत के सिलसिले को जारी रखा है। रविवार को एम. चिन्नास्वामी के मैदान पर खेले गए मुकाबले में आरसीबी ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को 43 रनों से हराया। यह आरसीबी की लगातार दूसरी जीत है। वहीं, सीएसके की इस सीजन में यह लगातार तीसरी हार है। आरसीबी से मिले 251 रनों के लक्ष्य के जवाब में सीएसके की पूरी टीम 19.4 ओवर में 207 रन बनाकर ऑलआउट हुई। आरसीबी से मिले 251 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी चेन्नई सुपर किंग्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही। कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ महज 7 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, संजू सैमसन 5 गेंदों में 9 रन बनाकर पवेलियन लौटे। आयुष म्हात्रे भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और महज एक रन बनाकर आउट हुए। कार्तिक शर्मा ने लगातार तीसरे मुकाबले में अपने प्रदर्शन से निराश किया और वह 3 गेंदों में सिर्फ 6 रन ही बना सके। शिवम दुबे अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने में नाकाम रहे और 13 गेंदों में 18 रन बनाने के बाद अभिनंदन सिंह का शिकार बने।

सरफराज खान ने एक छोर से बढ़िया बल्लेबाजी करते हुए 25 गेंदों में 50 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी में सरफराज ने 8 चौके और 2 छक्के लगाए। प्रशांत वीर ने 29 गेंदों में 43 रन बनाए और उन्होंने जेमी ओवरटन के साथ मिलकर सातवें विकेट के लिए 57 रन जोड़े। ओवरटन ने 37 रनों का योगदान दिया। नूर अहमद 8 रन बनाकर भुवनेश्वर कुमार का शिकार बने। मैट हेनरी को अभिनंदन सिंह ने 2 रनों के स्कोर पर आउट किया। गेंदबाजी में आरसीबी की तरफ से भुवनेश्वर कुमार ने सर्वाधिक 3 विकेट निकाले। वहीं, जैकब डफी और क्रुणाल पांड्या ने दो-दो विकेट चटकाए।

इससे पहले, आरसीबी ने बल्लेबाजों के दमदार प्रदर्शन के बूते 20 ओवर में 3 विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 250 रन लगाए। विराट कोहली और फिल साल्ट ने टीम को सधी हुई शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 37 रन जोड़े। कोहली 18 रन बनाकर आउट हुए, जबकि साल्ट ने 30 गेंदों में 46 रन बनाए। नंबर तीन पर बल्लेबाजी करने उतरे देवदत्त पडिक्कल ने 29 गेंदों का सामना करते हुए 50 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी में पडिक्कल ने 5 चौके और 2 छक्के लगाए।

कप्तान रजत पाटीदार ने महज 19 गेंदों में 252 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए नाबाद 48 रन बनाए, जबकि टिम डेविड ने मात्र 25 गेंदों का सामना करते हुए 70 रनों की धमाकेदार पारी खेली।

रजत और डेविड ने मिलकर चौथे विकेट के लिए 99 रनों की अटूट साझेदारी निभाई। टिम डेविड ने अपनी इस तूफानी पारी में 3 चौके और 8 छक्के लगाए। सीएसके की ओर से गेंदबाजी में अंशुल कंबोज, शिवम दुबे और ओवरटन ने एक-एक विकेट चटकाया। यह चेन्नई सुपर किंग्स की इस सीजन लगातार तीसरी हार है।

सीएसके में कप्तानी को लेकर बढ़ा दबाव, संजू सैमसन की एंट्री से गायकवाड़ पर नजरें

नई दिल्ली, 05 अप्रैल (एजेंसियां)।

चेन्नई सुपर किंग्स में कप्तानी को लेकर नई चर्चा शुरू हो गई है। एमएस धोनी जैसे दिग्गज कप्तान की विरासत संभालना हमेशा से चुनौतीपूर्ण रहा है और अब रुतुराज गायकवाड़ पर यह जिम्मेदारी है। हालांकि, इस सीजन में संजू सैमसन के टीम में शामिल होने के बाद कप्तानी को लेकर प्रतिस्पर्धा और दबाव बढ़ गया है। भले ही मौजूदा सीजन में गायकवाड़ ही टीम की कमान संभाल रहे हैं, लेकिन सैमसन की मौजूदगी ने माहौल बदल दिया है। क्रिकेट विशेषज्ञ माइकल वान और साइमन डूल का मानना है कि यह स्थिति गायकवाड़ के लिए मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। वान के अनुसार, सैमसन को फ्रेंचाइजी भविष्य के कप्तान और धोनी के विकल्प के रूप में देख रही है, जिससे गायकवाड़ को अपनी जगह को लेकर सतर्क रहना पड़ सकता है। वान ने कहा कि यह एक अलग तरह की परिस्थिति है, जहां एक युवा कप्तान को अपनी भूमिका निभाते हुए यह भी ध्यान रखना होगा कि टीम में एक अनुभवी और सफल कप्तान मौजूद है। उन्होंने यह भी कहा कि गायकवाड़ को कप्तानी जारी रखने के लिए कहा जा सकता है, लेकिन इस स्थिति का उन पर असर पड़ना स्वाभाविक है। वहीं साइमन डूल ने भी इस बात से सहमति जताई कि सैमसन का टीम में आना एक बड़ा बदलाव है। सैमसन इससे पहले राजस्थान रायल के कप्तान के रूप में सफल रहे हैं और उन्होंने 2022 में टीम को फाइनल तक पहुंचाया था। उनकी कप्तानी और विकेटकीपिंग क्षमता उन्हें एक मजबूत विकल्प बनाती है। डूल का मानना है कि सैमसन के लिए भी यह स्थिति आसान नहीं होगी। टीम बदलने के बाद खुद को साबित करना और नई भूमिका में ढलना चुनौतीपूर्ण होता है। उन्होंने कहा कि सैमसन दक्षिण भारत से हैं और इस नई टीम में खुद को घर जैसा महसूस कर सकते हैं, लेकिन उनके ऊपर प्रदर्शन और भविष्य की भूमिका दोनों का दबाव रहेगा। कुल मिलाकर, चेन्नई सुपर किंग्स के भीतर यह बदलाव टीम के भविष्य को लेकर बड़ा संकेत है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि गायकवाड़ अपनी कप्तानी को कैसे संभालते हैं और सैमसन टीम में किस तरह की भूमिका निभाते हैं।

वेल्स में आईबी एफ वाल्टरवेट मुक्केबाजी

वेल्स में आईबी एफ वाल्टरवेट मुक्केबाजी में विरोधी पर प्रहार करती हुई लॉरेन प्राइस।

आईपीएल 2026 : अब टी20 में फिनिशर जैसी कोई भूमिका नहीं, स्टीफन फ्लेमिंग का बड़ा बयान

चेन्नई, 05 अप्रैल (एजेंसियां)।

चेन्नई सुपर किंग्स के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग का मानना है कि आधुनिक टी20 क्रिकेट में पारंपरिक फिनिशर की भूमिका अब पहले जैसी अहम नहीं रह गई है। उनका कहना है कि आज के खेल में बल्लेबाज शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाते हैं, जिससे मैच का स्वरूप पूरी तरह बदल गया है। पंजाब किंग्स के खिलाफ मिली हार के बाद फ्लेमिंग ने कहा कि अब टी20 क्रिकेट में हर बल्लेबाज पहली ही गेंद से बड़े शाट खेलने की कोशिश करता है। पहले जहां टीमें 15-16 ओवर तक पारी को संभालकर खेलती थीं और अंत में तेजी लाती थीं, अब ऐसा नहीं है। उन्होंने कहा कि मौजूदा दौर में शुरुआत से ही 10-12 रन प्रति ओवर की दर बनाए रखना जरूरी हो गया है, इसलिए टीमों को ऐसे बल्लेबाजों की जरूरत है जो पूरे मैच में आक्रामक खेल सकें।

सीएसके की टीम संरचना पर बात करते हुए फ्लेमिंग ने माना कि टीम में टाप आर्डर बल्लेबाजों की संख्या ज्यादा है, जिससे मिडिल और लोअर आर्डर में पारंपरिक फिनिशर की कमी महसूस हो सकती है। हालांकि उन्होंने भरोसा जताया कि टीम के पास पर्याप्त बल्लेबाजी ताकत मौजूद है। उन्होंने बताया कि डेवाल्ड ब्रेविस चोट के कारण बाहर हैं, जबकि महेंद्र सिंह धोनी भी फिट नहीं हैं। इन दोनों की अनुपस्थिति टीम के संतुलन को प्रभावित कर रही है। फ्लेमिंग ने संजू सैमसन का भी समर्थन किया, जो शुरुआती मुकाबलों में उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। उन्होंने कहा कि सैमसन नेट्स में अच्छा अभ्यास कर रहे हैं और जब वह फार्म में आते हैं तो मैच का रुख बदलने की क्षमता रखते हैं। इसलिए उनके खराब प्रदर्शन को लेकर ज्यादा चिंता करने की जरूरत नहीं है।

कोच ने इम्पैक्ट प्लेयर नियम पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि इससे खेल का संतुलन बल्लेबाजों के पक्ष में झुक गया है। उनका मानना है कि इस नियम ने मैच की गति और रणनीति दोनों को प्रभावित किया है, जिससे गेंदबाजों के लिए चुनौती बढ़ गई है। वहीं, पंजाब किंग्स के युवा बल्लेबाज प्रियांश आर्य की तेज पारी की भी चर्चा रही। इस पर उनके साथी शशांक सिंह ने कहा कि प्रियांश मानसिक रूप से बेहद मजबूत खिलाड़ी हैं और अपनी भूमिका को अच्छी तरह समझते हैं। उन्होंने कम उम्र में जिस तरह की परिपक्वता दिखाई है, वह काबिल-ए-तारीफ है। कुल मिलाकर, फ्लेमिंग का मानना है कि टी20 क्रिकेट का नया दौर पूरी तरह आक्रामक बल्लेबाजी का है, जहां हर खिलाड़ी को शुरुआत से अंत तक तेज रन बनाने की जिम्मेदारी निभानी होती है।

हेनरिच क्लासेन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी से किया इनकार

नई दिल्ली, 05 अप्रैल (एजेंसियां)।

दक्षिण अफ्रीका के विस्फोटक बल्लेबाज हेनरिच क्लासेन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की संभावनाओं को खत्म करते हुए साफ कर दिया है कि वह अब दोबारा राष्ट्रीय टीम के लिए नहीं खेलेंगे। 34 वर्षीय क्लासेन ने यह फैसला अपने परिवार को प्राथमिकता देने के कारण लिया है। गौरतलब है कि केंद्रीय अनुबंध नहीं मिलने के बाद उन्होंने पिछले साल जून में क्रिकेट के सभी अंतरराष्ट्रीय प्रारूपों से संन्यास ले लिया था और तब से वह दुनियाभर की टी20 लीग में सक्रिय हैं।

हाल ही में इंडियन प्रीमियर लीग से जुड़े एक वीडियो में क्लासेन ने नीतिश कुमार रेड्डी के साथ बातचीत के दौरान अपने फैसले का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि वापसी को लेकर उन्होंने करीब दो हफ्तों तक गंभीरता से विचार किया, लेकिन अंतत: यह तय किया कि अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लौटना सही नहीं होगा। क्लासेन ने स्वीकार किया कि टी20 विश्व कप के दौरान अपने साथियों को अच्छा प्रदर्शन करते देख उनके मन में वापसी का विचार जरूर आया था। उन्होंने कहा कि उस समय उन्हें महसूस हुआ कि वह टीम का हिस्सा क्यों नहीं हैं और उन्होंने दोबारा खेलने की इच्छा भी जताई थी। इस दौरान उन्होंने दक्षिण अफ्रीकी कप्तान एडन मार्करम से भी बातचीत की थी।

हालांकि, क्लासेन ने बताया कि बातचीत के बाद भी स्थिति स्पष्ट नहीं हो पाई और विश्व कप के बाद उन्हें यह एहसास हुआ कि उनकी वापसी की संभावना कम है। इसके चलते उन्होंने दोबारा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट न खेलने का अंतिम निर्णय ले लिया। बता दें कि क्लासेन ने 2024 में ही टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया था और अब वह पूरी तरह से फ्रेंचाइजी क्रिकेट पर फोकस कर रहे हैं। उनका यह फैसला दिखाता है कि आधुनिक क्रिकेट में खिलाड़ी अपने करियर और निजी जीवन के बीच संतुलन को कितना महत्व देने लगे हैं।

पायल नाग ने जीता स्वर्ण पदक

बैंकाक। भारतीय पैरा तीरंदाजी में एक नया सितारा उभर कर सामने आया है। बैंकाक में महिला कम्पाउंड वर्ग के फाइनल में पायल नाग ने विश्व चैंपियन शीतल देवी को हराकर पैरा तीरंदाजी सीरीज में स्वर्ण पदक जीत लिया है। फाइनल में दो भारतीय आमने-सामने थे और 18 वर्षीय पायल ने ये मुकाबला 139-136 के अंतर से जीता। पायल का यह सीनियर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहला स्वर्ण पदक है। 19 वर्षीय शीतल के हालिया शानदार प्रदर्शन को देखते हुए यह परिणाम और भी उल्लेखनीय है। शीतल बेहतरीन फार्म में थीं और 2025 के शानदार सीजन के बाद उन्हें विश्व तीरंदाजी की पैरा आर्चर आफ द ईयर भी चुना गया था। उन्होंने बैंकाक में भी उसी लय को बरकरार रखा और क्वालिफाइंग राउंड में 698 के शानदार स्कोर के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया, जो कजाखस्तान की जनात ऐतिमोवा से 20 अंक अधिक था। वहीं, पायल ने 678 के स्कोर के साथ तीसरा स्थान हासिल किया था।

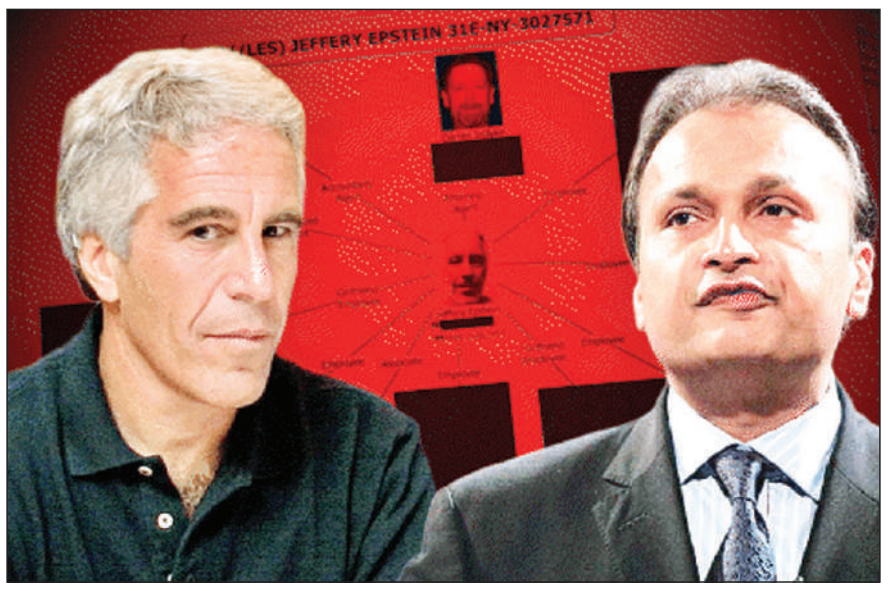

दावा-एपस्टीन और अनिल अंबानी के बीच सैकड़ों मैसेज-ईमेल हुए :यौन अपराधी ने खुद को व्हाइट हाउस का इनसाइडर बताया, नियुक्ति-विदेश नीति से जुड़ी जानकारियां दीं

न्यूयार्क, 05 अप्रैल (एजेंसियां)।

अमेरिका के यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन ने 2017 में उद्योगपति अनिल अंबानी के सामने खुद को डोनाल्ड ट्रम्प के पहले कार्यकाल के व्हाइट हाउस के इनसाइडर की तरह पेश किया था। न्यूयार्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक दोनों के बीच दो साल तक सैकड़ों मैसेज और ईमेल हुए।

इनमें एपस्टीन ने ट्रम्प प्रशासन की नियुक्ति व विदेश नीति से जुड़ी जानकारियां साझा कीं, जो बाद में सही भी निकलीं। हालांकि, इस बात का कोई सबूत नहीं मिला कि एपस्टीन की व्हाइट हाउस तक सीधी पहुंच थी।

मैसेज में अनिल अंबानी ने एपस्टीन को लिखा था- भारत के रिश्ते और रक्षा सहयोग के लिए व्हाइट हाउस से डील करने में आपकी गाइडेंस चाहिए। जवाब में एपस्टीन ने इनसाइड जानकारी देने का वादा किया।

सिग्नल-टेलीग्राम जैसे प्लेटफार्म पर होती थी बात - न्यूयार्क टाइम्स ने जस्टिस डिपार्टमेंट की तरफ से जारी मैसेज के रीव्यू के आधार पर बताया कि अनिल अंबानी और एपस्टीन के बीच बातचीत सिग्नल और टेलीग्राम जैसे एन्क्रिप्टेड प्लेटफार्म पर होती थी, जहां अंबानी अरमानी ए नाम से सक्रिय थे।

यह संपर्क उस दौर का है, जब एपस्टीन नाबालिगों से जुड़े अपराधों में जेल की सजा काट चुका था। इनका परिचय दुबई की कंपनी डीपी वर्ल्ड के चेयरमैन सुल्तान अहमद बिन सुलायेम ने कराया था। एपस्टीन ने जब दीपक चोपड़ा से अंबानी के बारे में राय मांगी, तो चोपड़ा ने उन्हें बेहद अमीर, चर्चा में रहने का शौकीन और सेलेब्स के प्रति सजग व्यक्ति बताया था।

सुरक्षा सलाहकार की नियुक्ति पर एपस्टीन की बात सच हुई - मैसेज में एपस्टीन खुद को असरदार पावर ब्रोकर के रूप में पेश करता दिखा। मार्च 2017 में अनिल अंबानी ने एपस्टीन से पूर्व सीआईए डायरेक्टर डेविड पेट्रेयस के भारत में अमेरिकी राजदूत बनने की संभावना पूछी थी। एपस्टीन ने जवाब दिया था- वे प्राथमिकता में नहीं हैं। बाद में केनेथ जस्टर राजदूत बने। जुलाई 2017 में एपस्टीन ने यह इनसाइड जानकारी भी दी कि जान बोल्टन नए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार होंगे। हालांकि, तब ट्रम्प ने मौजूदा मैकमास्टर का बचाव किया था। हालांकि, 8 महीने बाद एपस्टीन की बात सच साबित हुई और बोल्टन ने ही पद संभाला।

बंगाल चुनाव प्रचार में भाजपा उतारेगी दिग्गजों की फौज

नयी दिल्ली , 05 अप्रैल (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। इसी कड़ी में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने अपने स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। इस सूची में पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से लेकर कई दिग्गज नेता और चर्चित चेहरे शामिल किए गए हैं, जो राज्यभर में चुनाव प्रचार की कमान संभालेंगे।

बीजेपी की इस सूची में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, जेपी नड्डा और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी जैसे बड़े नाम शामिल हैं। इसके अलावा धर्मेंद्र प्रधान, योगी आदित्यनाथ, शिवराज सिंह चौहान, देवेंद्र फडणवीस और हिमंत बिस्वा सरमा भी चुनावी मैदान में उतरकर पार्टी के लिए प्रचार करेंगे।इसके अलावा स्मृति ईरानी, अनुराग ठाकुर, अश्विनी वैष्णव, अन्नपूर्णा देवी, अर्जुन मुंडा, भूपेंद्र यादव, बिप्लब कुमार देब, मंगल पांडेय और सम्राट चौधरी जैसे नेता भी सूची में शामिल हैं। राज्य स्तर पर सुवेंदु अधिकारी, दिलीप घोष, सुकांत मजूमदार, शांतनु ठाकुर, राजू बिस्ता, जयंत कृष्ण रॉय और मनोज टिग्गा को भी अहम जिम्मेदारी दी गई है।

फिल्म और खेल जगत के सितारों से सजी प्रचारकों की फौज

पार्टी ने इस बार चुनाव प्रचार में फिल्म और खेल जगत के चर्चित चेहरों को भी शामिल किया है। एक्टर मिथुन चक्रवर्ती, हेमा मालिनी और कंगना रनौत के साथ-साथ टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस और गायक-राजनेता मनोज तिवारी को भी स्टार प्रचारक बनाया गया है।बीजेपी का मानना है कि इन दिग्गज नेताओं और लोकप्रिय चेहरों के जरिए पार्टी राज्य में मजबूत चुनावी अभियान चलाएगी और मतदाताओं तक अपनी नीतियों और योजनाओं को प्रभावी ढंग से पहुंचाएगी। आगामी चुनाव को देखते हुए पार्टी ने पूरी ताकत झोंक दी है और स्टार प्रचारकों के जरिए माहौल अपने पक्ष में करने की रणनीति पर काम कर रही है।

दो चरणों में होगा मतदान, जानें महत्वपूर्ण तिथियां

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 दो चरणों में कराया जाएगा। पहले चरण की वोटिंग 23 अप्रैल को और दूसरे चरण की 29 अप्रैल को होगी।

सुजुकी बुर्जमान स्ट्रीट 125 का नया अपडेटेड माडल लान्च

नई दिल्ली, 05 अप्रैल (एजेंसियां)।

सुजुकी बुर्जमान स्ट्रीट 125 का नया अपडेटेड माडल भारत में लान्च हो गया है। 2026 अपडेट में कंपनी ने इसकी डिजाइन को और आकर्षक बनाया है, जिसमें नई एलईडी हेडलाइट्स, टेललाइट्स और रिवाइज्ड स्टाइलिंग शामिल है। यह माडल प्रीमियम मैक्सी-स्कूटर स्टाइल और एडवांस फीचर्स के साथ आता है। यह स्कूटर खासतौर पर शहर की ट्रैफिक और फैमिली उपयोग को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, साथ ही लंबी दूरी की सवारी के लिए भी आरामदायक माना जा रहा है। इसकी एक्स-शोरूम कीमत दिल्ली में लगभग 1.02 लाख रुपये से शुरू होकर 1.13 लाख रुपये तक जाती है।

डिजाइन की बात करें तो नया बुर्गमेन स्ट्रीट 125 शार्प और एलिगेंट लुक के साथ पेश किया गया है। इसमें फ्लोइंग कर्व्स, क्रिस्प लाइन्स, बाडी-माउंटेड विंडस्क्रीन और अपस्वेप्ट मफलर जैसे एलिमेंट्स इसे प्रीमियम अपील देते हैं। 12-इंच रियर व्हील और चौड़ा स्टांस इसकी स्टेबिलिटी को बेहतर बनाते हैं। इसकी सीट हाइट करीब 775-780 मिमी और ग्राउंड क्लियरेंस 160 मिमी है, जिससे राइडिंग आसान हो जाती है। फीचर्स के मामले में यह स्कूटर काफी एडवांस है।

सेफ्टी के लिए सीबीएस और फ्रंट डिस्क ब्रेक जैसे फीचर्स मिलते हैं। इंजन की बात करें तो इसमें 124सीसी का एयर-कूल्ड इंजन दिया गया है, जो 8.7 पीएस पावर और 10.2 एनएम टार्क जनरेट करता है। यह स्कूटर करीब 50 किमी प्रति लीटर का माइलेज देने में सक्षम है, जो इसे एक बेहतरीन विकल्प बनाता है। इसमें सुजुकी राइड कनेक्ट के साथ ब्लूटूथ-इनेबल्ड डिजिटल या टीएफटी डिस्प्ले, काल और एसएमएस अलर्ट, यूएसबी चार्जिंग पोर्ट और बड़ा अंडरसीट स्टोरेज दिया गया है।

जिस अमेरिकी कंपनी ने कर्मचारियों को निकाला.....उसी पर ईरान ने दाग दी मिसाइल

दुबई। दुबई में अमेरिकी आईटी कंपनी ओरेकल कार्पोरेशन के दफ्तर पर ईरान द्वारा मिसाइल हमला किया गया। दुबई के अधिकारियों ने पुष्टि की कि दुबई इंटरनेट सिटी में ओरेकल की बिल्डिंग के सामने के हिस्से पर हवाई हमला हुआ। हालांकि, किसी के घायल होने की खबर नहीं है। यह हमला ईरान द्वारा किया गया माना जा रहा है, क्योंकि यूएई अमेरिका का सहयोगी देश है और वहां अमेरिकी सैन्य ठिकाने हैं। दुबई मीडिया आफिस ने इस मिसाइल अटैक की जानकारी दी है। इसके मुताबिक, अधिकारियों ने कन्फर्म किया है कि दुबई इंटरनेट सिटी में ओरेकल बिल्डिंग के सामने के हिस्से पर हवाई हमला हुआ। इस बिल्डिंग के मलबे से हुई एक छोटी सी घटना घटी। राहत की बात यह रही कि किसी के घायल होने की खबर नहीं है। फिलहाल, दुबई का कहना है कि यह ईरान ने ही ड्रोन-मिसाइल से अटैक किया है। बता दें कि यूएई खाड़ी में अमेरिका का सहयोगी देश है। यहां अमेरिकी सैन्य ठिकाना है। इसलिए ईरान दुबई पर बमबारी कर रहा है। हाल ही में ओरेकल ने वैश्विक स्तर पर करीब 30,000 कर्मचारियों की छंटनी की थी, जिसमें से भारत में 12,000 कर्मचारी प्रभावित हुए हैं। छंटनी के कारण संगठनात्मक बदलाव और पद अप्रासंगिक होने की वजह से यह निर्णय लिया गया। प्रभावित कर्मचारियों को ईमेल के माध्यम से सूचित किया गया कि उन्हें सेवा-समाप्ति तक वेतन और बोनस, छुट्टियों का भुगतान, ग्रेच्युटी और नोटिस पीरियड का भुगतान मिलेगा। इसके अतिरिक्त, स्वेच्छा से कंपनी छोड़ने वाले कर्मचारियों को दो महीने का अतिरिक्त वेतन भी दिया जाएगा।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में ठहराव, निजी कंपनियों ने बढ़ाए दाम

नई दिल्ली, 05 अप्रैल (एजेंसियां)।

कच्चा तेल 100 डालर प्रति बैरल के पार

देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में फिलहाल कोई बदलाव नहीं किया गया है। सरकारी तेल कंपनियों ने कीमतों को पुराने स्तर पर बनाए रखा है, लेकिन निजी कंपनियों ने ईंधन के दाम बढ़ाकर उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त बोझ डाल दिया है। सरकारी तेल कंपनियों ने आम लोगों को राहत देते हुए दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। मौजूदा समय में पेट्रोल की कीमतें लगभग 94 से 106 रुपये प्रति लीटर के बीच हैं, जबकि डीजल 78 से 97 रुपये प्रति लीटर के दायरे में बिक रहा है। हालांकि, निजी क्षेत्र की तेल कंपनियों ने कीमतों में बढ़ोतरी कर दी है। 1 अप्रैल से एक प्रमुख निजी कंपनी ने पेट्रोल के दाम में 7.41 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की है, वहीं डीजल की कीमत में 25 रुपये तक का बड़ा इजाफा किया गया है। इसके बाद निजी पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल करीब 119 रुपये और डीजल लगभग 123 रुपये प्रति लीटर तक पहुंच गया है। इस बढ़ोतरी के पीछे वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी को मुख्य कारण माना जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चा तेल 100 डालर प्रति बैरल के पार चला गया है, जिससे कंपनियों की लागत बढ़ गई है। निजी कंपनियां इस बढ़ती लागत का असर सीधे ग्राहकों पर डाल रही हैं। इसके अलावा प्रीमियम पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भी वृद्धि दर्ज की गई है। प्रीमियम पेट्रोल के दाम में 11 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई है, जिससे इसकी कीमत 160 रुपये प्रति लीटर तक पहुंच गई है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

न भूतो...

चोट लगने के बावजूद वह चलने की हालत में था। इसके बाद वह ईरान के पहाड़ी इलाके में छिप गया और वहां एक दिन से ज्यादा समय तक पकड़ से बचता रहा। उसने अपनी सेरे ट्रेनिंग (जिंदा रहना, बचना, विरोध करना और निकलना) का इस्तेमाल करते हुए कोहगिलुयेह और बोयर-अहमद प्रांत के कठिन पहाड़ी इलाके में खुद को छिपाए रखा।

जिस समय एफ -15 विमान गिरा उसी समय एक और अमेरिकी विमान अ-10 वार्थांग होर्मुज स्ट्रेट के पास गिर गया। उसके पायलट को भी बचा लिया गया। अमेरिका और ईरान एयरमैन को ढूंढ रहे थे। ईरान कीरेवोल्यूशनरी गार्ड भी उसे पकड़ने के लिए वहां पहुंच गई थी। एयरमैन को ढूंढना बहुत मुश्किल था। इसके लिए सीआईए ने एक चाल चली। उन्होंने ईरान के अंदर गलत जानकारी फैलाई कि अमेरिकी सेना उसे पहले ही ढूंढ चुकी है और उसे निकालने की तैयारी कर रही है। इससे ईरान की खोज की दिशा भटक गई।

रेस्क्यू ऑपरेशन की भयानक मुश्किलें

इसी दौरान सीआईए ने अपनी खास तकनीक का इस्तेमाल करके एयरमैन की सही लोकेशन पता कर ली। यह लोकेशन पेंटागन, अमेरिकी सेना और व्हाइट हाउस को दी गई। इसके बाद राष्ट्रपति ट्रम्प ने तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन का आदेश दिया। शनिवार को स्पेशल कमांडो यूनिट ने भारी हवाई सुरक्षा के साथ ऑपरेशन चलाया। अमेरिकी लड़ाकू विमानों ने ईरानी फोर्स को उस इलाके तक पहुंचने से रोकने के लिए हमले भी किए।

घायल एयरमैन के पास सिर्फ एक पिस्तौल थी। जब अमेरिकी फोर्स उस एयरमैन तक पहुंचने लगी, तब गोलीबारी भी हुई। लेकिन अंत में अमेरिकी टीम अधिकारी को सुरक्षित निकालने में सफल रही और सभी सैनिक ईरान से बाहर आ गए। अमेरिका के पूर्व सेना अधिकारी मेजर जनरल (रिटायर्ड) मार्क मैक्कार्ली ने सीएनएन से कहा कि जिस इलाके में यह घटना हुई, वह पहाड़ी था और पूरी तरह सुनसान था। इसके साथ ही ईरान की तरफ से उस सैनिक को पकड़ने पर इनाम भी घोषित किया गया था। इन सभी हालात को देखते हुए यह मिशन बेहद खतरनाक था। मैक्कार्ली ने यह भी बताया कि उस सैनिक की लोकेशन एक इमरजेंसी बीकन (सिग्नल देने वाला उपकरण) के जरिए पता चली होगी। जब फाइटर जेट गिरता है, तो यह बीकन लगातार कमांड सेंटर को लोकेशन भेजता रहता है।

रेस्क्यू मिशन की शुरुआत शुक्रवार को हुई, जब ईगल विमान को ईरान की सेना ने मार गिराया। यह इस एक महीने से चल रही जंग में पहला मौका था, जब किसी अमेरिकी फाइटर जेट को दुश्मन की फायरिंग से गिराया गया। द वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, एयरमैन को अपनी रेस्क्यू टीम तक पहुंचने के लिए बहुत जोखिम भरा कदम उठाना पड़ा। हालांकि, इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जब यह एयरमैन करीब 36 घंटे तक ईरान के पहाड़ी इलाके में छिपा रहा, तब अमेरिकी एमक्यू -9 रीपर ड्रोन ने उन ईरानी लोगों पर फायरिंग की, जो उसे पकड़ने की कोशिश कर रहे थे। यह जानकारी ऑपरेशन से जुड़े अधिकारियों और सूत्रों के हवाले से दी गई है।

जर्नल के अनुसार, इस रेस्क्यू मिशन के दौरान दर्जनों अमेरिकी विमान कमांडो टीम को सुरक्षा दे रहे थे, जो तेजी से अंदर जाकर एयरमैन को निकालकर ले आई। हालांकि, जमीन पर अमेरिकी फोर्स को ज्यादा बड़ा विरोध नहीं झेलना पड़ा। द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान से एक बचाए गए अमेरिकी एयरमैन और कमांडो को निकालने वाले दो ट्रांसपोर्ट विमान वहीं फंस गए थे। इसके बाद अमेरिका को तीन नए विमान भेजने पड़े, ताकि एयरमैन और सैनिकों को सुरक्षित बाहर निकाला जा सके। रिपोर्ट के अनुसार, बाद में अमेरिकी सेना ने उन फंसे हुए ट्रांसपोर्ट विमानों को उड़ा दिया, ताकि वे ईरान के हाथ न लगें। ईरान के अंदर से आई तस्वीरों से संकेत मिलता है कि ये विमान एक अस्थायी एयरस्ट्रिप पर फंस गए थे, जिसे अमेरिकी सेना ने देश के एक दूरदराज इलाके में बनाया था।

अमेरिका के कई विमान ...

खातम अल-अंबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर के प्रवक्ता ने जानकारी दी कि नष्ट किए गए विमानों में केवल उ-130 ही नहीं, बल्कि दो ब्लैक हॉक हेलीकॉप्टर भी शामिल थे। इसके अतिरिक्त, इरानी सेना ने रविवार सुबह इसी प्रांत में एक इजरायली ड्रोन को भी मार गिराने का दावा किया है। इरान ने इसे अपनी संप्रभुता की सुरक्षा के लिए एक ठोस कार्रवाई बताया है।

यह पूरी घटना उस समय हुई जब अमेरिकी सेना इरान के भीतर अपने एक लापता विमान चालक को खोजने के लिए बचाव अभियान चला रही थी। जहाँ इरान इन विमानों को अपनी कार्रवाई में गिराने का दावा कर रहा है, वहीं कुछ अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिकी सेना ने तकनीकी खराबी के कारण अपने ही विमानों को दुश्मन के हाथ लगने से बचाने के लिए खुद नष्ट कर दिया था। फिलहाल अमेरिका की ओर से इस पर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

ईरान...

यह पोस्ट इसलिए भी चौंकाने वाली है क्योंकि अमेरिका के राष्ट्रपति ने खुलेआम गाली देते हुए किसी देश को इस तरह धमकाया। यह कूटनीति की सारी मर्यादाएं तोड़ने वाला बयान है।

पावर प्लांट और पुल पर हमला क्यों?

अगर किसी देश के बिजली घर तबाह हो जाएं तो पूरे देश में अंधेरा हो जाता है। अस्पताल बंद, पानी बंद, खाना बनाना बंद। और अगर पुल टूट जाएं तो एक जगह से दूसरी जगह जाना बंद। यह सीधे आम लोगों की जिंदगी पर हमला है। राष्ट्रपति ट्रंप यह दिखाना चाहते हैं कि अगर ईरान ने होर्मुज नहीं खोला तो वो ईरान को इस हद तक नुकसान पहुंचाएंगे कि वहां की आम जनता की रोजमर्रा की ज़िंदगी पूरी तरह ठप हो जाए।

बंगाल जीत...

टीएमसी के गुंडों का होगा हिसाब

प्रधानमंत्री ने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि मतदान के दिन टीएमसी के गुंडे चाहे जितना डराने की कोशिश करें, आपको कानून पर भरोसा रखना चाहिए। उन्होंने विश्वास दिलाया कि इस चुनाव में बंगाल से डर का माहौल खत्म हो जाएगा और भाजपा की बड़ी जीत से लोगों में आत्मविश्वास जागेगा। पीएम मोदी ने आगे कहा, 4 मई के बाद टीएमसी के पापों का पूरा हिसाब होगा। कानून अपना काम करेगा और कोई भी गुंडा कितना भी बड़ा क्यों न हो, उसे न्याय के कठघरे में खड़ा किया जाएगा।

महिला आरक्षण और विशेष सत्र

पीएम मोदी ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार ने अब तक 3 करोड़ बहनों को लखपति दीदी बनाया है। अब देश के बड़े फैसलों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना बहुत जरूरी है। इसी सोच के साथ सरकार ने लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का कानून बनाया है।

उन्होंने जानकारी दी कि 2029 के लोकसभा चुनाव से ही बहनों को इसका लाभ मिलना शुरू हो जाए, इसके लिए सरकार ने 16, 17 और 18 अप्रैल को संसद का विशेष सत्र बुलाया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि माताओं और बहनों का यह अधिकार 40 साल से अटका हुआ था, जिसे अब और टालना सही नहीं है।

राज्यों के अधिकारों की सुरक्षा और मालदा की घटना

कूचबिहार से प्रधानमंत्री ने देश के सभी राज्यों को एक और बड़ा भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि जिन राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण की दिशा में अच्छा काम किया है, उन्हें सीटों के मामले में कोई नुकसान नहीं होने दिया जाएगा। सभी राज्यों की भागीदारी और उनके अधिकार पूरी तरह सुरक्षित रहेंगे। सरकार चाहती है कि संसद में इस बात पर पक्की मुहर लगे कि महिलाओं के लिए अतिरिक्त सीटें बढ़ाई जाएं, ताकि राज्यों को इसका बड़ा फायदा मिल सके।

प्रधानमंत्री ने मालदा की घटना का जिक्र करते हुए बताया कि वहां जिस तरह न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाया गया, उससे पूरा देश हैरान है। उन्होंने सवाल उठाया कि जिस राज्य में जज और कानूनी प्रक्रिया ही सुरक्षित नहीं है, वहां आम जनता की सुरक्षा की उम्मीद कैसे की जा सकती है? मोदी ने इसे सरकार के संरक्षण में चलने वाला जंगलराज करार दिया।

महिला आरक्षण बिल पर बात करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह किसी एक पार्टी का नहीं, बल्कि पूरे देश का विषय है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से अपील की कि वे राजनीति से ऊपर उठकर महिलाओं के अधिकारों के लिए एक साथ आएं। उन्होंने बंगाल की महिलाओं से भी आग्रह किया कि वे सभी राजनीतिक दलों पर दबाव बनाएं ताकि संसद में इस कानून को बिना किसी रुकावट के पास कराया जा सके। पीएम मोदी ने कहा कि सभी दलों को खुले मन से इस ऐतिहासिक बदलाव का हिस्सा बनना चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि महिलाओं को उनका हक दिलाने के लिए सकारात्मक भूमिका निभाना हर दल की जिम्मेदारी है।

सोना-चाँदी ...

असर आभूषण उद्योग पर पड़ेगा। साथ ही सराफा बाजार और आभूषणों की खुदरा कीमतों पर भी इसका असर देखने को मिलेगा।

एफटीए दुरुपयोग रोकने के लिए सरकार का कदम

सरकार ने यह कदम अभी इसलिए उठाया क्योंकि कुछ व्यापारी एफटीए पार्टनर देशों के रास्ते सोने और चांदी को देश में ला रहे थे। वे इन देशों से आने वाली धातुओं में बहुत मामूली बदलाव करते थे और फिर शुल्क में मिलने वाली छूट (ड्यूटी बेनिफिट्स) का दावा करते थे। इससे देश के घरेलू उद्योग को भारी नुकसान पहुंच रहा था और सरकार के राजस्व पर भी बुरा असर पड़ रहा था। इन कमियों को दूर करके केंद्र सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि देश में केवल वैध व्यापार ही हो और कीमती धातुओं के आयात को बेहतर ढंग से कंट्रोल किया जा सके।

ज्वेलरी सेक्टर और अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा गहरा असर

ज्वेलरी सेक्टर में देश भर में लाखों कारीगरों को रोजगार मिला हुआ है। इस फैसले का असर सेक्टर पर पड़ने की पूरी संभावना है। कई छोटे और मंझोले आभूषण निर्माता, आभूषण बनाने के लिए आयातित सोने और चांदी पर ही निर्भर रहते हैं। उम्मीद है कि उद्योग जगत के प्रतिनिधि जल्द ही सरकारी अधिकारियों से मुलाकात करेंगे ताकि वे इस फैसले के सही मायने समझ सकें और अगर किसी तरह की कोई शंका हो तो उसका स्पष्टीकरण मांग सकें।

भारत में सोने का आयात हमेशा से ही एक संवेदनशील मुद्दा रहा है। इसका देश के करंट अकाउंट डेफिसिट (सीएडी) पर सीधा असर पड़ता है। जब भी सोने की ग्लोबल कीमतें बढ़ती हैं या आयात के नियम सख्त होते हैं तो इसका असर घरेलू बाजार पर भी पड़ता है। भारत में सोना सिर्फ एक निवेश या गहनों की चीज नहीं है, इसका गहरा सांस्कृतिक और भावनात्मक महत्व है, खासकर शादियों और त्योहारों के दौरान। इस नोटिफिकेशन के जरिए सरकार ने एक कड़ा संदेश दिया है कि वह व्यापार नियमों की किसी भी तरह की अनदेखी या उल्लंघन की इजाजत नहीं देगी।

व्यापारियों और आयातकों को सलाह दी गई है कि वे कस्टम्स पर किसी भी तरह के नुकसान या देरी से बचने के लिए अपने पेंडिंग ऑर्डर और शिपमेंट की तुरंत समीक्षा करें। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है, जब मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण ग्लोबल बाजार पहले से ही अस्थिर हैं। आने वाले दिनों में इस पाबंदी का घरेलू बाजार में सोने की कीमतों और गहनों की उपलब्धता पर आखिरकार क्या असर पड़ेगा, इस पर बारीकी से नजर रखी जाएगी।

डीजीएफटी ने कहा है कि संशोधित नीति को तत्काल प्रभाव से सख्ती से लागू किया जाएगा। इन चीजों का व्यापार करने वाले आयातकों और व्यवसायों को सलाह दी जाती है कि वे आधिकारिक नोटिफिकेशन से अपडेट रहें और किसी भी तरह की कानूनी या नियामक समस्या से बचने के लिए नए दिशानिर्देशों का पालन करें।

धर्मो रक्षति...

उन्होंने आंतरिक सुधार का उदाहरण बताया।

आवेदकों ने यह भी कहा कि पूजा स्थलों का प्रबंधन और उनकी संपत्ति धार्मिक गतिविधियों का हिस्सा है और इसमें राज्य का हस्तक्षेप सीमित होना चाहिए। हालांकि, कुछ परिस्थितियों में धार्मिक संपत्तियों का अधिग्रहण संभव है, लेकिन प्राकृतिक पवित्र स्थलों का अधिग्रहण नहीं किया जा सकता।

पीआईएल दायर करने का अधिकार

अंत में, जैन संगठनों ने आग्रह किया कि किसी अन्य धर्म के व्यक्ति को जनहित याचिका के माध्यम से किसी धार्मिक प्रथा को चुनौती देने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। गौरतलब है कि इस मामले में 9-न्यायाधीशों की पीठ 7 अप्रैल से सुनवाई शुरू करेगी। इससे पहले, अखिल भारतीय मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने भी इसी तरह की दलीलें प्रस्तुत की थीं कि अदालतों को यह तय नहीं करना चाहिए कि कोई प्रथा किसी धर्म का आवश्यक हिस्सा है या नहीं

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, सोमवार, 06 अप्रैल, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

अग्रवाल समाज तेलंगाना के उत्तर जोन शाखाओं की बैठक सम्पन्न

विभिन्न योजनाओं पर हुई विस्तृत चर्चा

हैदराबाद, 05 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की उत्तर जोन शाखाओं की बैठक होटल राज इन (चिल्ली) में आयोजित की गई। एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से समाज के प्रेस व मीडिया चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में उत्तर क्षेत्र की शाखाओं के पदाधिकारीगण एवं केंद्रीय समिति सदस्यगण बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

पदाधिकारियों का सम्मान एवं स्वागत

बैठक के दौरान मंचासीन महानुभावों, विभिन्न शाखाओं के अध्यक्षों एवं विभिन्न समितियों के चेयरमैनों का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया गया। उत्तर जोन के समन्वयकर्ता सुनील कुमार चोखानी ने सभी अग्रबंधुओं का स्वागत करते हुए शाखाओं के पदाधिकारियों से समाज को उन्नति के मार्ग पर ले जाने हेतु निरंतर सहयोग प्रदान करने का आह्वान किया।

समाज की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी

पांचों जोन के प्रमुख सुरेश कुमार टंडन ने निकट भविष्य में समाज द्वारा संचालित की जाने वाली विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। इनमें इंडक्शन चूल्हा वितरण, सिलाई मशीन, जगन्नाथ पुरी तीर्थ यात्रा, शहर के विभिन्न स्थानों पर वाटर कूलर की स्थापना, शिक्षा एवं चिकित्सा सहायता, 11 रुपये में विशेष सदस्यता अभियान, राशन वितरण तथा विकलांगों हेतु सहायता जैसी योजनाएं शामिल हैं।पश्चिम जोन के जिला समन्वयकर्ता मुकुंद लाल अग्रवाल ने बताया कि ये सभी योजनाएं आर्थिक रूप से कमजोर अग्रबंधुओं के परिवारों के लिए चलाई जा रही हैं, जिनमें समाज के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष नरेन्द्र कुमार गोयल एवं सहमंत्री डॉ. सीमा जैन की महत्वपूर्ण भूमिका है।

पत्रिका 'अग्रमंजूषा' के प्रकाशन की घोषणा

बैठक में यह भी बताया गया कि समाज की पत्रिका 'अग्रमंजूषा' इस माह से नियमित रूप से प्रकाशित की जाएगी। सभी पदाधिकारियों से अनुरोध किया गया कि जुलाई 2025 से अब तक शाखाओं में आयोजित कार्यक्रमों की जानकारी प्रकाशन हेतु चेयरमैन मुकेश कुमार केडिया अथवा समाज कार्यालय में भेजें।

सुझावों पर अमल का आश्वासन

पूर्व उपाध्यक्ष दिलीप कुमार पंसारी ने सभा को संबोधित करते हुए सभी योजनाओं की सराहना की। कार्यवाहक अध्यक्ष नरेन्द्र कुमार गोयल ने उपस्थित अग्रबंधुओं से अपील की कि वे इन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अपनी शाखाओं के सदस्यों तक पहुंचाएं। कार्यक्रम के दौरान समाज की उन्नति हेतु कई सुझाव भी दिए गए, जिन पर कार्यवाहक अध्यक्ष ने अमल करने का आश्वासन दिया।

विभिन्न शाखाओं के पदाधिकारियों का सम्मान

कार्यक्रम में कोमपल्ली, लाल बाजार अलवाल, सिकंदराबाद उत्तर, बंजारा सेंट्रल, बोइनपल्ली, तिरुमलगिरी युवा, अग्रवंशी शाखा, महाराजा अग्रसेन मार्ग, दोमलगुड़ा, पैराडाइस, अग्र आराध्य, रामनगर पूर्व शाखा, मानसरोवर, नाचाराम मल्लापुर, ज्ञानबाग कॉलोनी सहित विभिन्न शाखाओं के पदाधिकारियों, केंद्रीय समिति सदस्यों एवं कमेटी चेयरमैनों का सम्मान किया गया।कार्यक्रम में समाज के कार्यवाहक अध्यक्ष नरेन्द्र कुमार गोयल, अशोक कुमार केडिया, विनय जैन, पश्चिम जोन के जिला समन्वयकर्ता मुकुंद लाल अग्रवाल, उत्तर जोन के जिला समन्वयकर्ता सुनील कुमार चोखानी, दक्षिण जोन की जिला समन्वयकर्ता श्रीमती अल्का मिंडा, सेंट्रल जोन के जिला समन्वयकर्ता अजय तुलसीयान, सभी जोन के प्रमुख सुरेश कुमार टंडन, बंजारा सेंट्रल के नवल किशोर बंसल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

नाचाराम मल्लापुर शाखा के केंद्रीय समिति सदस्य प्रतीक नरसरिया द्वारा सभा का संचालन किया गया। अंत में मध्याह्न भोज के साथ बैठक का समापन हुआ।

सेवा से खिली मुस्कान : संजय गुप्ता

हैदराबाद, 05 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में रविवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने केबीआर पार्क पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का श्रद्धा और सेवा भाव के साथ आयोजन किया गया। इस पुनीत कार्य में ग्रुप के सदस्यों ने जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर मानवता की मिसाल पेश की।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए संजय गुप्ता ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप द्वारा जिस समर्पण के साथ अन्नदान का यह कार्य लगातार किया जा रहा है, उससे भूखे लोगों के चेहरे पर मुस्कान आ रही है। उन्होंने कहा कि इस सेवा कार्य में जुड़े सभी लोगों को एक अलग ही आत्मिक संतुष्टि और शांति का अनुभव होता है।

उन्होंने आगे कहा कि सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और ऐसे कार्य समाज को जोड़ने का कार्य करते हैं। जब हम किसी जरूरतमंद की मदद करते हैं, तो वह केवल सहायता नहीं बल्कि इंसानियत का सच्चा रूप होता है।

इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, संजय गुप्ता, जयप्रकाश सारडा, संजय अग्रवाल सहित ग्रुप के अनेक सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लेते हुए अन्नदान कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यक्रम के अंत में सभी ने संकल्प लिया कि भविष्य में भी इसी प्रकार सेवा कार्य निरंतर जारी रखे जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाई जा सके और हर जरूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान लाई जा सके।

बाबू जगजीवन राम की 119वीं जयंती मनाई गई

हैदराबाद, 05 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

नव भारत संघ के तत्वावधान में इमामपुरा, जयगुडा में भारत के पूर्व उप-प्रधानमंत्री डॉ. बाबू जगजीवन राम की 119वीं जयंती बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाई गई।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हैदराबाद मेट्रो वाटर वर्क्स एंड सीवरेज बोर्ड एम्प्लॉईज यूनियन के अध्यक्ष जी. लक्ष्मीनारायण और नव भारत संघ के अध्यक्ष मधिरा सत्यनारायण ने बाबू जगजीवन राम की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।उन्होंने कहा कि डॉ. बाबू जगजीवन राम नए भारत के निर्माता थे। उन्होंने श्रमिकों, डाक कर्मचारियों और आम लोगों के उत्थान के लिए अनेक ऐतिहासिक कार्य किए। श्रम मंत्री के रूप में उन्होंने श्रमिकों को सुरक्षा और सुविधाएं दीं, डाक मंत्री के रूप में डाकघरों की संख्या बढ़ाई तथा विमानन मंत्री के रूप में एयरलाइनों के राष्ट्रीयकरण जैसे महत्वपूर्ण निर्णय लिए।इस अवसर पर नव भारत संघ के प्रतिनिधि डी. लक्ष्मीनारायण, जी. विनय कुमार, जी. महेंद्र, वाई. जसवंत कुमार, के. बालाप्रसाद, डी. श्रीकृष्णा, वाई. प्रवीण कुमार, सी. सत्यनारायण, एम. महेश बाबू, ए. नागराज सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक और भारत के पूर्व उप-प्रधानमंत्री बाबू जगजीवन राम का 119वीं जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर तेलंगाना कांग्रेस एससी एसटी के सीएच विनोद सिंह, जी. करण सिंह तथा दलित समाज सेवक किशन सिंह ने महापुरुष की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

जैन साहित्य संगम तेलंगाना इकाई द्वारा आयोजित काव्य गोष्ठी में बही कविताओं की रसधार

हैदराबाद, 05 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य में जैन साहित्य संगम संस्थान की तेलंगाना इकाई द्वारा ऑनलाइन काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया।तेलंगाना इकाई अध्यक्ष सरिता सुराणा ने सभी सम्मानित साहित्यकारों का शब्द पुष्पों से स्वागत एवं अभिनन्दन किया और नमस्कार महामंत्र के उद्घोष से गोष्ठी का आरंभ किया। उन्होंने उज्जैन से वरिष्ठ साहित्यकार एवं संस्थान के संरक्षक श्री कैलाश जैन तरल को इस काव्य गोष्ठी की अध्यक्षता करने हेतु मंच पर सादर आमंत्रित किया। वर्चुअल मंच पर उपस्थित सभी विद्वजनों ने करतल ध्वनि से उनका स्वागत किया।तत्पश्चात् तेलंगाना इकाई के उपाध्यक्ष अशोक दोशी ने स्वरचित सरस्वती वन्दना प्रस्तुत की।इस गोष्ठी में उदयपुर से संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगदीप जैन हर्षदर्शी, जावरा से राष्ट्रीय सचिव डॉ. सी. एम. मेहता, मंदसौर से राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्रीमती चंदा डांगी, नागदा जंक्शन से वरिष्ठ संरक्षक श्री राजेन्द्र कांठेड़ ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति प्रदान की। संस्थान की अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष मंजूजी लोढ़ा ने अपने वॉइस मैसेज के द्वारा कार्यक्रम के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

हैदराबाद से अशोक दोशी ने अपने गीत और घनाक्षरियों के माध्यम से, शान्ता बैद ने कविता के माध्यम से भगवान महावीर के प्रति अपनी श्रद्धा सुमन अर्पित किए। शीतल जैन ने भगवान महावीर के भवों की बात बताई और कहा कि नयसार के भव में उन्हें सम्यकत्व प्राप्त हुआ और अनेक भवों में भ्रमण करते हुए महावीर के रूप में मोक्ष प्राप्त किया। विशाखापट्टनम से श्रीमती कनक पारख ने अपनी कविता और घनाक्षरियों की शानदार प्रस्तुति दी।

आईजी सेवा संघ की नई कार्यकारिणी गठित, भगाराम मुलेवा बने अध्यक्ष

ढगलाराम सेपटा को सचिव पद की जिम्मेदारी, सर्वसम्मति से हुआ गठन

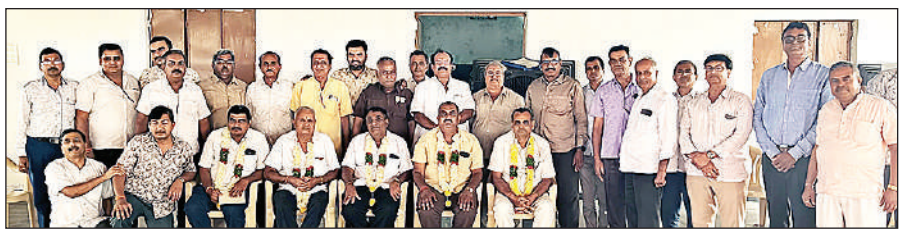

हैदराबाद, 05 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बंडलागुडा स्थित श्री आईजी सेवा संघ भवन में आगामी कार्यकाल हेतु नई कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से गठन किया गया। इस दौरान 6 पदाधिकारी, 12 एरिया सदस्य एवं 4 सलाहकार पदाधिकारियों की नियुक्ति श्री आईजी सेवा संघ द्वारा की गई।

पूजा-अर्चना के साथ प्रक्रिया का शुभारंभ

यह जानकारी नवनिर्वाचित सचिव ढगलाराम सेपटा ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी। उन्होंने बताया कि कार्यकारिणी का गठन पूर्णतः सर्वसम्मति से किया गया। चुनाव अधिकारी की जिम्मेदारी किशनसिंह राठौड़ ने निभाई। कार्यक्रम की शुरुआत आईमाता मंदिर में पूजा-अर्चना के साथ की गई।

नवनिर्वाचित पदाधिकारियों की घोषणा

तत्पश्चात सर्वसम्मति से चुने गए पदाधिकारियों में अध्यक्ष के रूप में भगाराम मुलेवा, उपाध्यक्ष-1 ओमप्रकाश पंवार, उपाध्यक्ष-2 भैरूसिंह सैणचा, सचिव ढगलाराम सेपटा, सहसचिव अन्नाराम राठौड़ एवं कोषाध्यक्ष बाबूलाल मुलेवा को नियुक्त किया गया।कार्यकारिणी सदस्यगण में भेराराम लखावत, धर्माराम गेहलोत, प्रताप, राकेश बर्फा, मोहनसिंह परिहार, माधुराम, प्रकाश राठौड़, नेमाराम पंवार, ओमप्रकाश पंवार, अन्नाराम राठौड़, भैरूसिंह सैणचा एवं राजुराम चोयल शामिल हैं।

सलाहकार मंडल में मोतीलाल काग, मंगलाराम पंवार, भंवरलाल मुलेवा एवं चन्द्रप्रकाश गेहलोत को शामिल किया गया। इस अवसर पर सभी पदाधिकारियों एवं एरिया सदस्यों का विशेष रूप से सम्मान किया गया।

शांतिपूर्ण चुनाव प्रक्रिया के लिए आभार व्यक्त

नवनिर्वाचित समिति ने सभी समाज बंधुओं का आभार व्यक्त किया। अध्यक्ष भगाराम मुलेवा ने चुनाव प्रक्रिया में समाज के लोगों द्वारा शांतिपूर्ण सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यक्रम का संचालन सचिव चेलाराम एवं चुनाव अधिकारी किशनसिंह राठौड़ ने किया। इस दौरान अध्यक्ष भगाराम मुलेवा एवं चेलाराम ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं चुनाव अधिकारियों को सफलतापूर्वक एवं शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव संपन्न कराने पर शुभकामनाएं दीं।

अंत में अध्यक्ष भगाराम मुलेवा द्वारा पधारे सभी समाज बंधुओं का धन्यवाद ज्ञापन किया गया, जिसके साथ ही कार्यक्रम का समापन हुआ।

संजीवा पार्क मॉर्निंग वॉक ग्रुप, सिकंदराबाद में जीवन जीने की कला कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न

हैदराबाद, 05 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

संजीवा पार्क मॉर्निंग वॉक ग्रुप, सिकंदराबाद का आज जीवन जीने की कला विषय पर विशेष कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

ग्रुप के अध्यक्ष व संयोजक पी. डी. जाखोटिया व रमेश पी. तातेड द्वारा जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि कार्यक्रम में डॉ. जयेश भाई शाह ने स्वस्थ जीवनशैली, संतुलित आहार, योग-व्यायाम, सकारात्मक सोच एवं समय पर स्वास्थ्य देखभाल के महत्व पर प्रेरणादायक विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने 40 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को बेहतर जीवन के लिए नियमित स्वास्थ्य जांच कराते हुए अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की सलाह दी। डॉ. जयेश भाई

शाह का स्वागत जैन रत्न रमेश पी. तातेड, संयोजक पी. डी. जाखोटिया, अशोक चौधरी, मुकेश कटारिया, निरंजन गोयल, कमल किशोर राठी, अरविंद जैन सीए, प्रकाश पारीख द्वारा किया गया। आभार प्रदर्शन सीए प्रदीप कुमार जैन ने किया।

कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों में रेखा- पी. डी. जाखोटिया, खुशी, रमीला- अशोक चौधरी, रजनी- कमल किशोर राठी, सुमित्रा- गोपाल लाल बंग, हर्षा- प्रकाश पारीख, प्रीति- प्रदीप कुमार जैन सीए, शशी- अरविंद जैन सीए, अरुणा- अरविंद कामदार, सुमन- निरंजन कुमार गोयल, मनीषा- कमलेश भाई जैन, अनुपमा- ललित कुमार जैन, कंचन- इंद्र भाई देवड़ा, रमीला- घेवर चंद सुराणा, रेखा- जगदीश लोया, अनिता- राजेश संघवी, पुष्पा- चंपा लाल चंदन, किरण- बजरंग बजाज, रमेश पी. तातेड, देवी चंद बोथरा, मुकेश कटारिया, राम सिंह चौहान, हिंदूमल जैन, महेश शाह, बाबू लाल बैद, राजेंद्र नाहटा, रमेश राका, मफलत भंसाली, अशोक दोषी, मनीष काबरा, लड्डू बग, मुकुंद देवड़ा, पवन बोथरा, नवीन भाई शाह सहित अन्य सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता की और प्रसन्नता व्यक्त की।

कार्यक्रम में लगभग 25 महिलाओं एवं 55060 पुरुषों ने स्वस्थ दिनचर्या अपनाने एवं फिट जीवनशैली की दिशा में सकारात्मक संकल्प लिया।

अंत में सभी सदस्यों ने डॉ. जयेश भाई शाह को आमंत्रित करने हेतु अध्यक्ष पी. डी. जाखोटिया का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम की सफलता में सहयोग हेतु सफाईकर्मियों एवं सुरक्षा कर्मियों का भी रमेश पी. तातेड ने आभार व्यक्त किया।

उप्पल में हवा-हवाई लूप स्काईवाक पर्यटन का नया केंद्र

हैदराबाद, 05 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

हैदराबाद अब अपनी ऐतिहासिक पहचान के साथ-साथ विश्वस्तरीय आधुनिक बुनियादी ढांचे के लिए भी वैश्विक पटल पर चमक रहा है। शहर के सबसे व्यस्त इलाकों में शुमार उप्पल चौराहे पर बना लूप-आकार का स्काईवॉक आज न केवल इंजीनियरिंग का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, बल्कि पर्यटन का भी नया केंद्र बन गया है। वर्ष 2023 में जनता के लिए खोला गया यह 660 मीटर लंबा पैदल यात्री पुल उप्पल मेट्रो स्टेशन को चारों दिशाओं से जोड़ता है, जिससे पैदल यात्रियों को अब जान जोखिम में डालकर भारी ट्रैफिक के बीच सड़क पार करने की जरूरत नहीं पड़ती।

बाबू जगजीवन राम जयंती पर भाजपा का कांग्रेस पर हमला

जनगांव, 05 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पूर्व उप प्रधानमंत्री बाबू जगजीवन राम की जयंती के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने उन्हें श्रद्धांजलि दी और उन्हें आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बताया।

उन्होंने बाबू जगजीवन राम के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए उनके राष्ट्र निर्माण में योगदान और सामाजिक न्याय के लिए किए गए प्रयासों की सराहना की। रामचंदर राव ने कहा कि भाजपा राज्यभर में पार्टी कार्यकर्ताओं के वैचारिक सशक्तिकरण के लिए प्रशिक्षण

कार्यक्रम चला रही है। उन्होंने बताया कि करीब 900 मंडलों में से 600 से अधिक में यह कार्यक्रम पूरे हो चुके हैं और जल्द ही बाकी क्षेत्रों में भी इन्हें आयोजित किया जाएगा।

तेलंगाना में कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अपने छह गारंटी समेत कई वादों को पूरा करने में विफल रही है, जिनमें किसानों की कर्ज माफी भी शामिल है। उन्होंने ए. रेवंत रेड्डी की आलोचना करते हुए कहा कि वे राज्य के बाहर चुनाव प्रचार के दौरान भ्रामक दावे कर रहे हैं, जबकि तेलंगाना में प्रमुख वादे अब तक पूरे नहीं हुए हैं। रामचंदर राव ने आगे आरोप लगाया कि कांग्रेस अन्य राज्यों में राजनीतिक लाभ के लिए तेलंगाना के संसाधनों का उपयोग कर रही है और राज्य में शासन भ्रष्टाचार और जनता की असंतुष्टि से घिरा हुआ है। वैश्विक परिस्थितियों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि भारत, पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में स्थिर और सुरक्षित है। उन्होंने ईंधन और गैस जैसी आवश्यक वस्तुओं की कमी से जुड़ी खबरों को अफवाह करार देते हुए राज्य सरकार से ऐसी गलत जानकारी फैलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भाजपा राज्य में जीएचएमसी से लेकर विधानसभा चुनाव तक सभी चुनाव स्वतंत्र रूप से लड़ेगी। साथ ही विश्वास जताया कि पार्टी को जनता का समर्थन मिलेगा और भविष्य में वह सरकार बनाएगी। अंत में उन्होंने कांग्रेस सरकार से अपने वादों को तुरंत पूरा करने की मांग की और कहा कि भाजपा इन वादों के पूरा होने तक अपना संघर्ष जारी रखेगी।

जहां भूखे को भोजन, वहीं सच्चा धर्म–सेवा से बदल रही जिंदगी : महेश अग्रवाल

हैदराबाद, 05 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में संकट चतुर्थी के पावन अवसर पर बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने रविवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का श्रद्धा, सेवा और मानवता के भाव के साथ आयोजन किया गया। इस अवसर पर गौ सेवा और अन्न सेवा का अद्भुत संगम देखने को मिला, जिसने पूरे वातावरण को भक्ति और करुणा से भर दिया।

कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरित किया गया। सेवा कार्य में लगे सदस्यों के चेहरे पर संतोष और समर्पण की झलक साफ दिखाई दे रही थी। हर एक थाली के साथ केवल भोजन ही नहीं, बल्कि अपनापन और संवेदना भी परोसी जा रही थी।

इस पावन अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए महेश अग्रवाल ने कहा कि सच्ची संतुष्टि शब्दों में नहीं, बल्कि सेवा के उन क्षणों में महसूस होती है जब किसी भूखे व्यक्ति के चेहरे पर भोजन पाकर मुस्कान आ जाती है। उन्होंने कहा कि वही मुस्कान हमारे लिए सबसे बड़ा पुरस्कार और सबसे बड़ा पुण्य है। राधे–राधे ग्रुप द्वारा किए जा रहे इन सेवा कार्यों से यह स्पष्ट होता है कि यदि नीयत साफ हो और मन में सेवा का भाव हो, तो समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है।

उन्होंने आगे कहा कि बेगम बाजार, केबीआर पार्क और नामपल्ली जैसे स्थानों पर निरंतर चल रहे अन्नदान से सैकड़ों लोगों को राहत मिल रही है। इससे भी बढ़कर यह एहसास होता है कि परमात्मा ने हमें इस पुनीत कार्य के लिए चुना है।

उन्होंने कामना की कि आने वाले समय में यह सेवा और भी बड़े स्तर पर निरंतर चलती रहे और अधिक से अधिक जरूरतमंदों तक पहुंचे।

इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, मनीष अग्रवाल,महेश गोयल, अरुण विजयवर्गीय, नीलम विजयवर्गीय, कृष्ण पाल सहित ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर सेवा, समर्पण और मानवता के इस पुनीत कार्य को सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

पुष्कर मुनि जी के स्वर्ग रोहण दिवस पर जरूरतमंदों को नाश्ता वितरण

हैदराबाद, 05 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

पूज्य गुरु देव श्री पुष्कर मुनि जी म. Gm. के स्वर्ग रोहण दिवस के उपलक्ष्य में श्री सत्य नवयुवक मंडल फिल खाना हैदराबाद की ओर से जरूरतमंदों को इटली व चाय वितरण की गई।

नाश्ता के लाभार्थी श्रीमती लीला देवी दिलीपकुमार जी भंडारी परिवार जालोर ने लाभ लिया।मंडल के अध्यक्ष कनकराज विनायकिया, उपाध्यक्ष राजेन्द्र खारीवाल, मंत्री राजेश कवाड़, कोषाध्यक्ष अशोक विनायकिया, सह मंत्री राकेश पारख, सह कोषाध्यक्ष अमीत बोहरा, सी.ए. रणजीत भंसाली, सी.ए. भुपेन्द्र भंडारी, प्रदीप बरमेचा, प्रचार प्रसार मंत्री विक्रम सिंहवी, डॉ. दिलीप जैन, अभय जैन, नवीन सोलंकी, भरत कोठारी आदि ने सेवा दी।

श्रीमती जमनादेवी डूंगरचंदजी भंसाली परिवार करमावास वालों के ढूंढ़ कार्यक्रम का आयोजन कच्छी भवन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में जसराज देवड़ाधोका, मुकेश जैन चौहान, सुरेश भंसाली, जवाहरलाल भंसाली, प्रवीण उत्तमचंद विनायकिया, तेजराज जैन, भवरलाल देवड़ाधोका, मोहनलाल जैन, जुगराज जैन सुमेरमल पारख एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

माधापुर में दर्दनाक सड़क हादसा स्कूटी सवार महिला की मौत

हैदराबाद, 05 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में हैदराबाद के माधापुर और जुबली हिल्स के बीच एक तेज रफ्तार वाहन ने स्कूटी को टक्कर मार दी और उसे करीब पांच किलोमीटर तक घसीटा, जिससे एक महिला की जान चली गई।पुलिस के अनुसार, यह हादसा शनिवार आधी रात के करीब माधापुर थाना क्षेत्र के माइंडस्पेस के पास हुआ। तेज रफ्तार डीसीएम वाहन ने आगे चल रही एक स्कूटी को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कूटी वाहन के नीचे फंस गई, लेकिन चालक ने गाड़ी रोकने के बजाय उसे सड़क पर घसीटना जारी रखा।वहां मौजूद लोगों ने जब यह मंजर देखा, तो उन्होंने वाहन का पीछा किया और उसे घेरकर रोक लिया। मौके का फायदा उठाकर चालक तो फरार हो गया, लेकिन स्थानीय लोगों ने उसके सहायक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। हादसे में स्कूटी सवार दो महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गई थीं, जिन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने बाद में पुष्टि की कि उपचार के दौरान उनमें से एक महिला ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सिंगरेनी को बचाने के लिए आंदोलन की चेतावनी, कविता ने तेलंगाना सरकार पर साधा निशाना

हैदराबाद, 05 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना जागृति की संस्थापक के. कविता ने सिंगरेनी को बचाने के लिए नए आंदोलन की चेतावनी दी है। उन्होंने बंजारा हिल्स स्थित तेलंगाना जागृति कार्यालय में आयोजित 'सेव सिंगरेनी' राउंड टेबल बैठक में राज्य सरकार की कड़ी आलोचना की।बैठक में विभिन्न ट्रेड यूनियनों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया, जिनमें एचएमएस के महासचिव रियाज अहमद, फॉरवर्ड ब्लॉक के नेता और सिंगरेनी के कर्मचारी शामिल थे। बैठक में कोयला कंपनी के भविष्य और कर्मचारियों के कल्याण से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई।सभा को संबोधित करते हुए सुश्री कविता ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार में सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड और उसके कर्मचारियों की समस्याओं की समझ और प्रतिबद्धता का अभाव है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की नियुक्तियों की जांच कराने के बजाय सरकार को सौर और लिथियम समझौतों सहित ठेकों में कथित भ्रष्टाचार की जांच करनी चाहिए। उन्होंने सिंगरेनी को बकाया 47,000 करोड़ रुपये तुरंत जारी करने की मांग की और चेतावनी दी कि देरी से कर्मचारियों की सुरक्षा, वेतन और संस्थान के कामकाज पर असर पड़ रहा है।

श्रीमद् भागवत कथा आयोजन की तैयारियों को लेकर महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न

राजस्थानी जागृति समिति द्वारा अंतिम रूप की समीक्षा

हैदराबाद, 05 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राजस्थानी जागृति समिति के तत्वाधान में श्रीमद् भागवत कथा के धार्मिक अनुष्ठान को अंतिम रूप देने हेतु भव्य तैयारियों की समीक्षा के लिए रविवार, 5 अप्रैल को सुबह 11:30 बजे सिद्धांबर बाजार स्थित बाहेती भवन में एक महत्व-पूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता पूर्व महामंत्री डॉ. भगवंत राव ने की। समिति के अध्यक्ष श्रीनिवास सोमानी ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से यह जानकारी दी।

जनकल्याण हेतु हो रहा कथा आयोजन

विज्ञप्ति में श्रीनिवास सोमानी ने बताया कि समिति द्वारा श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन जनकल्याण के उद्देश्य से किया जा रहा है। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष द्वारा डॉ. भगवंत राव का शाल ओढ़ाकर सम्मान किया गया। डॉ. भगवंत राव ने अपने संबोधन में समिति के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि राजस्थानी जागृति समिति कई वर्षों से धार्मिक कार्यक्रमों एवं श्रीमद् भागवत कथा के माध्यम से सनातन धर्म का प्रचार-प्रसार कर रही है, जो अत्यंत सराहनीय कार्य है।

धार्मिक महत्व और कथा का विस्तृत कार्यक्रम घोषित

उन्होंने कहा कि सभी समाज के धर्मावलंबी बंधुओं को अपने पितरों के निमित्त श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण अवश्य करना चाहिए, जिससे पितरों को मोक्ष का मार्ग प्राप्त होता है। सभी से आग्रह किया गया कि वे अपने परिवार एवं मित्रों सहित अधिक से अधिक संख्या में कथा श्रवण कर पुण्य के भागीदार बनें।

कथा का कार्यक्रम इस प्रकार रहेगा

गुरुवार, 9 अप्रैल: प्रथम दिवस – श्रीमद् भागवत माहात्म्य

10 अप्रैल : द्वितीय दिवस – परीक्षित जन्म, शिव विवाह

11 अप्रैल : तृतीय दिवस – प्रह्लाद चरित्र, वामन अवतार

12 अप्रैल : चतुर्थ दिवस – श्रीराम अवतार, श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

13 अप्रैल : पंचम दिवस – श्रीकृष्ण बाल लीला, गोवर्धन पूजा

14 अप्रैल : षष्ठम दिवस – श्रीकृष्ण रुक्मणी मंगल विवाह

15 अप्रैल : सप्तम दिवस – सुदामा चरित्र, परीक्षित मोक्ष, कथा विश्राम एवं भंडारा

कार्यक्रम की विभिन्न व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी भी तय की गई। पंडाल व्यवस्था संजय राठी, दामोदर सोमानी, रामदेव नागला को सौंपी गई। कथा व्यास मंच व्यवस्था श्रीमती आशा देवी सोमानी एवं तोरल जागीरदार संभालेंगी। भोजन प्रसाद व्यवस्था रमेश मोदानी, गोविंद राव बिरादर, मनीष सोमानी के जिम्मे रहेगी। अतिथि स्वागत व्यवस्था श्रीनिवास सोमानी, महेश अग्रवाल एवं अशोक कुमार हीरावत द्वारा की जाएगी। कथा श्रवण करने वालों के बैठने की व्यवस्था श्रीमती शकुंतला नावांदर एवं बालाप्रसाद लड़ा द्वारा की जाएगी।

विशेष सूचना में बताया गया कि गोवर्धन पूजा के अवसर पर छप्पन भोग प्रसाद की थाली 2100 रुपये में उपलब्ध रहेगी, जिसके लिए इच्छुक श्रद्धालु अपना नाम पंजीकृत करा सकते हैं। बैठक में अध्यक्ष श्रीनिवास सोमानी, उपाध्यक्ष अशोक कुमार हीरावत, कोषाध्यक्ष संजय राठी, संगठन मंत्री रमेश मोरनी, प्रचार-प्रसार मंत्री सिद्धेश जागीरदार, श्रीमती आशा देवी सोमानी, श्रीमती शकुंतला नावांदर, श्रीमती तोरल जागीरदार, बालाप्रसाद लड़ा, महेश उपाध्याय, राजेंद्र कुमार, महेश शर्मा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

विशिष्ट हिंदी प्रतिभा रत्न पुरस्कार–2026 समारोह आयोजित

महिला सशक्तिकरण और संस्कृति से जुड़ी है हिंदी : सी. सत्यवाणी

अनंतपुरम/हैदराबाद, 05 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हिंदी सेवासदन के संस्थापक सचिव एवं केंद्र सरकार के सहकारिता एवं पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के हिंदी सलाहकार समिति सदस्य एस. गैबुवली के नेतृत्व में 'विशिष्ट हिंदी प्रतिभा रत्न पुरस्कार–2025' प्रदान उत्सव आंध्र प्रदेश के अनंतपुरम स्थित आर्ट्स कॉलेज के ड्रामा हॉल में धूमधाम से आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम में गौरव अतिथि के रूप में अनंतपुरम जिला की प्रथम अतिरिक्त मुख्य न्यायाधीश सी. सत्यवाणी उपस्थित रहीं। आत्मीय अतिथि के रूप में केंद्र सरकार के कोयला एवं खान मंत्रालय के हिंदी सलाहकार समिति सदस्य एवं मिलंद प्रकाशन के संचालक श्रुतिकांत भारती, प्रमुख हाईकोर्ट वकील जे. वेंकट राम नरसिंहा रेड्डी, आर्ट्स कॉलेज के प्राचार्य डॉ. पूजारी पद्मश्री तथा कार्यक्रम के संचालक एवं विशेष आमंत्रित अतिथि जेड.पी. हाई स्कूल, गोल्ला के प्रधानाध्यापक एम.एम.डी. अजमतुल्ला भी मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया।इस अवसर पर एस. गैबुवली ने बताया कि हिंदी भाषा के महत्व को बढ़ावा देने के लिए 6वीं से 12वीं कक्षा तक के छात्रों के लिए विद्यालय स्तर से लेकर जिला स्तर तक प्रतियोगिता परीक्षाओं का आयोजन किया गया।

विद्यालय स्तर पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को जिला स्तर पर प्रतिस्पर्धा का अवसर दिया गया। उन्होंने कहा कि हिंदी भाषा में दक्षता प्राप्त करने से देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी रोजगार के अवसर प्राप्त किए जा सकते हैं।गौरव अतिथि सी. सत्यवाणी ने अपने संबोधन में कहा कि इस कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण की झलक स्पष्ट दिखाई देती है। हिंदी भाषा हमारी संस्कृति से जुड़ी हुई है और अंग्रेजी की तरह हिंदी के माध्यम से भी रोजगार के अवसर प्राप्त किए जा सकते हैं। उन्होंने संयुक्त अनंतपुरम, कडपा, कर्नूल, चित्तूर एवं नेल्लोर से आए विद्यार्थियों को शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद प्रदान किया तथा कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए संयोजकों की सराहना की।

कार्यक्रम के दौरान सी. सत्यवाणी द्वारा छात्रों को पदक एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। साथ ही हिंदी भाषा के विकास में विशेष योगदान देने वाले हिंदी अध्यापक, प्राध्यापक, प्राचार्य, प्रधानाध्यापक, वकील एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं को 'विशिष्ट हिंदी प्रतिभा रत्न पुरस्कार–2025' से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर वरिष्ठ वकील पद्मजा, सुनीता चौधरी, पद्मावती, आर्ट्स कॉलेज अनंतपुरम के हिंदी प्राध्यापक एम.वी.एल. नरसिंहम, पी. सोमशेखर, हिंदी सेवासदन के संयोजक हाजी करीम, इंतियाज, हिंदी अध्यापक, प्राध्यापक, हिंदी भाषाभिमानी, छात्र एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कार्टून कॉर्नर

अमरावती को स्थायी राजधानी का वैधानिक दर्जा मिलने पर

सऊदी अरब में एनआरआई तेदेपा ने धूमधाम से मनाया जश्न

दमाम (सऊदी अरब), 05 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश की स्थायी राजधानी के रूप में अमरावती को वैधानिक दर्जा मिलने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सहयोगी तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के प्रवासी भारतीय (एनआरआई) समर्थक सऊदी अरब में जश्न मनाए। लोकसभा और राज्यसभा में संबंधित विधेयक के पारित होने के बाद टीडीपी प्रमुख नारा चंद्रबाबू नायडू और नारा लोकेश के निर्देशानुसार एनआरआई टीडीपी सऊदी अरब टीम ने यहां उत्सव का आयोजन किया।इस कार्यक्रम में तिरुपति स्वामी स्वर्ण (स्वामी), महेंद्र वाकाटी, मोहन गुरजाला, शिव दब्बकूटी, हरीश, रवि मेदूरी, मधु सहित महिला सदस्यों में श्रीदेवी वाकाटी, ज्योति, विद्या, मणि और शिरीष ने हिस्सा लिया। इसके अलावा जनसेना समर्थक रामबाबू बंडी और प्रगति सहित अन्य टीडीपी कार्यकर्ता भी मौजूद रहे और जय अमरावती, जय जय अमरावती के नारों के साथ जश्न में शामिल हुए।कार्यक्रम आयोजकों ने बताया कि छोटी सी अपील पर इतनी बड़ी संख्या में लोगों के आगे आकर जश्न मनाने से वे अत्यंत प्रसन्न हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र, राज्य या पार्टी भेदभाव के बिना टीडीपी और जनसेना समर्थकों का स्वतःस्फूर्त प्रदर्शन असाधारण है।

कार्यक्रम के मुख्य आयोजक तिरुपति स्वामी स्वर्ण ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि पिछले पांच दिनों में टीडीपी से जुड़े दो कार्यक्रमों में समर्थकों की भारी भागीदारी देखना उत्साहजनक है। उन्होंने कहा, दुनिया में कहीं भी रहने वाले तेलुगु लोगों के बीच टीडीपी के प्रति जो प्रेम और समर्थन है, वह दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है।

एकाग्रता और ध्यान से अद्भुत स्मरण शक्ति का प्रदर्शन

हैदराबाद में महा शतावधानम सम्पन्न

हैदराबाद, 5 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। जैन इंटरनेशनल विद्यापीठ, हैदराबाद के तत्वावधान में रविवार को बाघ लिंगमपल्ली स्थित आरटीसी कल्याण मंडपम सभागार में महा शतावधान का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जैन महा अवधानियों ने यह सिद्ध कर दिया कि एकाग्रता और ध्यान के माध्यम से मनुष्य की बौद्धिक क्षमता और स्मरण शक्ति असीमित हो सकती है।

हरियाणा के पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। मुख्य अतिथि के रूप में उन्होंने कहा कि अवधानम कला भारतीय संस्कृति का गौरव है और इन अवधानियों ने साबित कर दिया है कि मानव मस्तिष्क कंप्यूटर से भी तेज काम कर सकता है। उन्होंने युवाओं से इस प्राचीन विद्या से प्रेरणा लेने का आह्वान किया।जैन महा अवधानी अभिनंदन सागर जी और उनके शिष्योंनमि चंद्रसागर व नेमि चंद्रसागर ने अपनी विलक्षण स्मरण शक्ति से सभी को स्तब्ध कर दिया। उन्होंने सैकड़ों लोगों द्वारा पूछे गए जटिल प्रश्नों, श्लोकों और संख्याओं को क्रमवार याद कर हूबहू दोहराया। संस्था के ट्रस्टी योगेश गांधी ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य युवा पीढ़ी को आध्यात्मिक मूल्यों और एकाग्रता की शक्ति से परिचित कराना है। कार्यक्रम में सीआईएसएफ के डिप्टी कमांडेंट आशीष जैन और प्रसिद्ध टीवी शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा के कलाकार समय शाह (गोगी) व गोली भी शामिल हुए।

बांसवाड़ा में बाबू जगजीवन राम जयंती मनाई गई

बांसवाड़ा, 05 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक और भारत के पूर्व उप प्रधानमंत्री श्री बाबू जगजीवन राम की जयंती के अवसर पर बांसवाड़ा में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

तेलंगाना राज्य सरकार के कृषि सलाहकार, बांसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के MLA श्री पोचाराम श्रीनिवास रेड्डी, स्टेट एग्रोस चेयरमैन श्री कसुला बलराजू तथा बांसवाड़ा की सब-कलेक्टर श्रीमती किरणमयी ने बांसवाड़ा शहर के बीच में म्युनिसिपल ऑफिस के पास लगी महापुरुष की मूर्ति पर माला चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस कार्यक्रम में बांसवाड़ा शहर के जनप्रतिनिधियों और अन्य नेत-ाओं ने भी सक्रिय रूप से हिस्सा लिया।

बिहार समाज सेवा संघ हैदराबाद की नई कार्यकारिणी गठित

हैदराबाद, 05 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बिहार समाज सेवा संघ, हैदराबाद की एक महत्वपूर्ण बैठक राष्ट्रीय चेयरमैन राजू ओझा के नेतृत्व में राजस्थानी होटल, सुचित्रा में रविवार, दि. 5 अप्रैल को सम्पन्न हुई।

बैठक में नवल किशोर तिवारी, संदीप ओझा, निरज सिंह, अरविंद सिंह, चुन्नू पांडेय, दीपक तिवारी, राकेश सिंह, अभय वर्मा, नवरत्न पासवान, मनीष तिवारी, विशाल तिवारी, शशि सिन्हा, राधेश्याम प्रजापति, माधव सिंह, अरविंद कुमार सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बाबू जगजीवन राम की जयंती पर किया गया नमन

बैठक के दौरान राष्ट्रीय चेयरमैन राजू ओझा ने बिहार के आरा चंदवा निवासी महान स्वतंत्रता सेनानी, प्रमुख दलित नेता एवं भारत के पूर्व उप प्रधानमंत्री बाबू जगजीवन राम की 118वीं जयंती को स्मरण किया।

उन्होंने कहा कि 5 अप्रैल 1908 को जन्मे बाबू जगजीवन राम का पूरा जीवन सामाजिक न्याय और समानता के लिए समर्पित रहा। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया।

नई कार्यकारिणी समिति 2026-27 का गठन

इसके पश्चात बिहार समाज सेवा संघ, हैदराबाद की नई कार्यकारिणी समिति (2026-27) का गठन सर्वसम्मति से किया गया। इसमें समाज के अध्यक्ष के रूप में मनीष तिवारी, उपाध्यक्ष नवरत्न पासवान, महामंत्री अभय वर्मा, सहमंत्री राकेश सिंह तथा कोषाध्यक्ष दीपक तिवारी को चुना गया। सभी उपस्थित गणमान्य लोगों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ नव-निर्वाचित पदाधिकारियों का स्वागत एवं समर्थन किया।

विभिन्न समितियों का भी किया गया गठन

कार्यकारिणी सदस्य के रूप में नवल किशोर तिवारी, संदीप ओझा, निरज सिंह, अरविंद सिंह एवं चुन्नू पांडेय को चुना गया।

समस्या निवारण समिति में शशि सिन्हा, जितेन्द्र यादव, राधेश्याम प्रजापति एवं माधव सिंह को सर्वसम्मति से मनोनीत किया गया।

सलाहकार समिति में विकास सिंह, अरविंद कुमार एवं रघुवीर सिंह को सर्वसम्मति से शामिल किया गया।

नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का सम्मान

बैठक के अंत में सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को राष्ट्रीय चेयरमैन राजू ओझा एवं नवल किशोर तिवारी द्वारा अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित किया गया तथा उनके उज्ज्वल कार्यकाल के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दी गईं।

बिहार में साथ में तैनात एसएसबी के जवान दोस्त ने ही नाबालिक बेटी से किया मुंह कला, जेल भेजा गया

पटना, 05 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

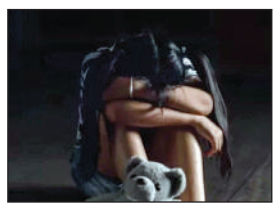

बिहार प्रदेश के किशनगंज जिले के ठाकुरगंज थाना क्षेत्र में तैनात सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की 19वीं बटालियन के एक हेड कांस्टेबल पर अपने ही साथी जवान की नाबालिग बेटी के साथ दरिंदगी करने का आरोप लगाया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक यह घटना कल शनिवार की शाम की है। दरअसल इस जघन्य अपराध करने का आरोपी हेड कांस्टेबल उसी 19वीं वाहिनी में तैनात है, जहां पीड़िता के पिता भी कार्यरत हैं। आरोप है कि हेड कांस्टेबल ने मौका पाकर नाबालिग के साथ दुष्कर्म किया। घटना की जानकारी मिलते ही पूरे इलाके और बटालियन परिसर में हड़कंप मच गया है।इस घटना की सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और आर-ोपी हेड कांस्टेबल को दबोच लिया गया।इसके साथ बाद आज रविवार को न्यायिक हिरासत में लेते हुए सीधे किशनगंज जेल भेज दिया गया है। वहीं इस मामले में मिली जानकारी के मुताबिक पीड़िता का मेडिकल टेस्ट और बयान दर्ज कराने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है ताकि कोर्ट में पुख्ता सबूत पेश किए जा सकें और दोषी को सख्त से सख्त सजा दिलाई जा सके। फिलहाल, बटालियन और इलाके में स्थिति पर नजर रखी जा रही है और पुलिस गहन जांच में जुटी है।इस संबंध में किशनगंज ग्रामीण क्षेत्र के एसडीपीओ मंगलेश कुमार सिंह ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि आरोपी के खिलाफ पॉक्सो ऐक्ट और दुष्कर्म की धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है।इस संबंध में उन्होंने बताया कि पुलिस प्रशासन अब इस मामले में पुख्ता चार्जशीट तैयार करने की दिशा में काम कर रहा है।

संपत राज कोठारी जी को 'जैन रतन' से अलंकृत किए जाने पर उनका बहुमान करते हुए कमला देवी, शोभा देवी, अशोक प्रिया, अनिल नंदा, महावीर संतोष, अरविंद, हेमा, शेरू बिंदिया, ध्रुव, लिखित नमिता, नेत्रा धुन, यश फागुन एवं तातेड परिवार कोरा ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

सेवा से बदल रही जिंदगी: बिमल किशोर संघी बोले-राधे-राधे ग्रुप ने दिया जीवन को नया मार्ग

हैदराबाद, 05 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास रविवार को नियमित अन्नदान (अनुदान) कार्यक्रम का श्रद्धा और समर्पण के साथ आयोजन किया गया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए बिमल किशोर संघी ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप केवल सेवा का कार्य ही नहीं कर रहा, बल्कि अपने सदस्यों के जीवन और स्वास्थ्य में भी सकारात्मक परिवर्तन ला रहा है। उन्होंने बताया कि ग्रुप से जुड़ने से पहले कई सदस्य देर रात तक जागते थे और दिनचर्या असंतुलित थी, लेकिन आज स्थिति यह है कि जैसे ही शाम के 6 बजने को होते हैं, मन में एक ही भावना जागृत होती है-नामपल्ली पहुंचकर सेवा कार्य में अपना योगदान देना।

उन्होंने भावुक होकर कहा कि राधे-राधे ग्रुप ने न केवल उनकी सोच बदली है, बल्कि जीवन दर्शन को भी एक नई दिशा दी है। सेवा के माध्यम से जो आत्मिक संतोष और ऊर्जा मिलती है, वह जीवन को सच्चे अर्थों में समृद्ध बनाती है। इस पुण्य अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, भगत राम गोयल, मनीष चिंडालिया, प्रीतिका अग्रवाल, महेश अग्रवाल, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, रवि शर्मा, कैलाश केडिया, निर्मला केडिया, बिमल किशोर संघी, नयन संघी, जगतनारायण अग्रवाल, जय प्रकाश सारड़ा, महेश अग्रवाल एवं संजय गोयल सहित अनेक श्रद्धालुजन उपस्थित रहे और सभी ने सेवा कार्य में बढ़-चढ़कर भाग लिया।

अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन

हैदराबाद, 5 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। मानव सेवा ही माधव सेवा है के ध्येय के साथ काचीगुड़ा स्थित कुमार थिएटर के पास लख दातार सेवा समिति द्वारा अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बजरंग सेना तेलंगाना के प्रदेश अध्यक्ष एन.आर. लक्ष्मण राव ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।संस्था की सराहना करते हुए लक्ष्मण राव ने स्वयं अपने हाथों से लाभार्थियों को भोजन और छाछ का वितरण किया। संस्था के अध्यक्ष संदीप गुप्ता ने बताया कि समिति पिछले ढाई वर्षों से निरंतर भूखों को भोजन कराने के मिशन पर कार्य कर रही है। वर्तमान में हर महीने दो बार सेवा गतिविधियां आयोजित की जाती हैं, जिसके तहत काचीगुड़ा रेलवे स्टेशन के समीप लगभग 600 जरूरतमंद लोगों को भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। इस पुनीत कार्य में विपिन ओबेरॉय, राज कुमार शर्मा, विजय सहित समिति के बड़ी संख्या में सदस्य और सेवादार उपस्थित रहे।

टी चिरंजीवुलु को महात्मा ज्योतिराव फुले एक्सीलेंस अवॉर्ड

हैदराबाद, 05 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना सिटिज़न्स काउंसिल के राज्य अध्यक्ष डॉ. राज नारायण मुदिराज ने आज एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी टी. चिरंजीवुलु, जो बीसी इंटेलेक्चुअल्स फोरम के राज्य अध्यक्ष भी हैं, महात्मा ज्योतिराव फुले एक्सीलेंस अवॉर्ड 2026 के लिए चयनित किए गए हैं।

श्री टी. चिरंजीवुलु पिछड़ा वर्ग (बीसी) के कल्याण और विकास के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं तथा अपने भाषणों के माध्यम से तेलंगाना के बीसी छात्रों, युवाओं, कर्मचारियों और राजनीतिक दलों के सदस्यों में बीसी अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाते आ रहे हैं। इस वर्ष राज्य से यह एकमात्र पुरस्कार है।डॉ. मुदिराज ने बताया कि यह पुरस्कार इस माह की 10 तारीख को प्रातः 9 बजे से 10 बजे के बीच रवींद्र भारती कॉन्फ्रेंस हॉल में महात्मा ज्योतिराव फुले की 199वीं जयंती समारोह के अवसर पर प्रदान किया जाएगा।

उन्होंने आगे बताया कि इस कार्यक्रम में प्रमुख अतिथियों के रूप में पूर्व प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष, पूर्व सांसद एवं पूर्व मंत्री श्री वी. हनुमंथा राव; तेलंगाना के प्रथम विधानसभा अध्यक्ष एवं विधान परिषद सदस्य श्री चि. मधुसूदनाचारी; पूर्व तेलंगाना एंटी-करप्शन ब्यूरो डीजीपी डॉ. जे. पूर्णचंद्र राव आईपीएस (सेवानिवृत्त); पूर्व मंत्री एवं लोकसभा सदस्य इटेला राजेंद्र सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहेंगे और पुरस्कार प्रदान करेंगे।

श्री टी. चिरंजीवुलु वर्ष 2002 बैच के आईएएस अधिकारी हैं और उन्हें ग्रामीण विकास, शहरी नियोजन, महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, राजस्व और पंजीकरण क्षेत्रों में व्यापक अनुभव है। उन्होंने एचएमडीए कमिश्नर, काकतीय विश्वविद्यालय तथा सतवाहन विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में 44 महीनों तक कार्य किया और सरकार में कई उच्च पदों पर अपनी सेवाएं दीं।

जरूरतमंदों को राहतदेगा रोटरी रॉयल्स, बनाएगा ड्रीम्स टू रियलिटी की आय से मेडिकल इमरजेंसी बैंक

बीकानेर, 05 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

रोटरी क्लब बीकानेर रॉयल्स द्वारा सेवा क्षेत्र को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए हाल ही में आयोजित ड्रीम्स टू रियलिटी 2.0 कार्यक्रम से प्राप्त आय को जरूरतमंदों के लिए सुविधाएं विकसित करने में खर्च करने का निर्णय लिया गया है, जिसके अंतर्गत रोटरी डिस्ट्रिक्ट प्रांतपाल डॉ निशा सिंह शेखावत के हाथों मेडिकल इमरजेंसी बैंक और आभा आईडी कार्ड निर्माण केंद्र की ऑनलाइन एप्लीकेशन सुविधा का शुभारंभ किया जा रहा है।

चार्टर अध्यक्ष डॉ मनोज कुड़ी ने पत्रकारों को बताया कि बीकानेर स्थापना दिवस माह के अवसर पर होने वाले इस आयोजन को लेकर विभिन्न समितियों का गठन किया गया है, जिसमें क्लब के युवा और

अनुभवी सदस्य मिलकर तैयारियों में जुटे हैं। पूर्वाध्यक्ष गोपाल अग्रवाल ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन सेवा कार्यों के साथ-साथ युवाओं को प्रेरित करने का भी माध्यम बनते हैं, वहीं वरिष्ठ सदस्य जगदीप सिंह ओबेरॉय ने बताया कि आगामी समय में प्रसिद्ध भजन गायक कन्हैया मित्तल और उनकी टीम द्वारा भजन संध्या का आयोजन भी प्रस्तावित है। इस मौके पर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस को रोटेरियन आनंद आचार्य के संयोजन में रोटरी प्रांत 3053 की प्रांतपाल डॉ निशा शेखावत, वरिष्ठ रोटे राजेश बवेजा, क्लब के संस्थापक अध्यक्ष डॉ मनोज कुड़ी, क्लब सचिव विपिन लढ़ा, पूर्व अध्यक्ष गोपाल अग्रवाल ने संबोधित किया। क्लब अध्यक्ष सुनील चमड़िया ने बताया कि रोटरी रॉयल्स और रोटरी अपराइज द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में देश की प्रसिद्ध वक्ता जया किशोरी ने प्रेरक संबोधन दिया था और स्पॉन्सर्स से प्राप्त आय को सेवा कार्यों में लगाने का संकल्प लिया गया है। क्लब सचिव विपिन लड्ढा के अनुसार मेडिकल इमरजेंसी बैंक के माध्यम से जरूरतमंदों को फोल्डिंग बेड, व्हील चेयर, वॉकर, ऑक्सीजन कंसंट्रेटर, ऑक्सीजन सिलेंडर, नेबुलाइजर सहित अन्य चिकित्सा उपकरण निःशुल्क उपलब्ध कराए जाएंगे। इस इमरजेंसी बैंक में गोमादेवी चेरीटेबल फाउंडेशन के विशेष सहयोग से विभिन्न उपयोगी सामान जोड़े गए है। यह मेडिकल इमरजेंसी बैंक रोटे राजीव माथुर नियोलोजिक्स द्वारा बनायी गयी एप्प के माध्यम से संचालित होगी जिसमे उपलब्ध सामान की बुकिंग हो सकेगी। इस एप के माध्यम से कोई भी दान डाता भी अपनी ओर से सामान उपलब्ध करवा सकेगा।

वरिष्ठ सदस्य डॉ सुनील हर्ष ने बताया कि जिला अस्पताल में प्रदेश का पहला आभा आईडी केंद्र स्थापित किया जाएगा, जिससे मरीजों का पूरा स्वास्थ्य डाटा डिजिटल रूप में सुरक्षित रहेगा और उन्हें बेहतर उपचार सुविधा मिल सकेगी। क्लब उपाध्यक्ष डॉ विकास पारीक ने जानकारी दी कि इससे पूर्व भी ड्रीम टू रियलिटी के पहले चरण से प्राप्त आय से रोटरी स्वर्ग रथ सेवा शुरू की गई थी, जिसका संचालन दोनों क्लब संयुक्त रूप से कर रहे हैं।

कार्यक्रम को लेकर रोटेरियन अंकुश चमड़िया, राजेश खत्री, देवेंद्र सिंह, रमेश अग्रवाल, डॉ पुनीत खत्री, विनोद माली, हंसराज बिश्नोई, राजीव अग्रवाल, डॉ अशोक डांगी, शिशिर शर्मा, सुरेन्द्र जोशी, अनिल चमड़िया, श्रवण सैनी, ऋषि धामू, ऋषभ जैन, दिनेश गोयल, हरजीत सिंह, पीयूष शंगारी, निखिल सेठिया, हेमंत सिखानी, सचिन शर्मा, मनोज सोलंकी, नवीन चौहान, विनय बिस्सा, भुवनेश स्वामी और गोविंद भादू सहित अन्य सदस्यों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME

I, SMT NARAYANAMMA Mother of Service No. 15498956K, Rank:LD, Name:SOMESWARA RAO YENNI, Residing at 1--90, Main Street, Vill:Sariabodapadu, Post office: Jarjangi, Teh:Kotabommali, Dist: Srikakulam, Andhra Pradesh-532195 have changed my name from SMT NARAYANAMMA to YENNI NARAYANAMMA vide affidavit dt:04-04-2026 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME

I, KALPANA YENNI Spouse of Service No. 15498956K, Rank:LD, Name:SOMESWARA RAO YENNI, Residing at 1--90, Main Street, Vill:Sariabodapadu, Post office: Jarjangi, Teh:Kotabommali, Dist: Srikakulam, Andhra Pradesh - 532195 have changed my name from KALPANA YENNI to YENNI KALPANA vide affidavit dt:04-04-2026 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad

CHANGE OF NAME

I, VEERO is legally Mother of No-21016205K LNK(GNR) PAWAN CHHONKER, Residing at Vill & PO- Kachora, Teh- Kirawali, Dist- Agra, U.P. PIN-283101. I have to change my Name from VEERMATI DEVI to VEERO for all purpose vide affidavit dated: 03/04/2026.

लोकतंत्र के स्तंभों के बीच आपसी सम्मान और समन्वय जरूरी : ए. रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 5 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने रविवार को कहा कि लोकतंत्र में विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका स्वायत्तता, परस्पर निर्भरता और आपसी सम्मान के साथ कार्य करती हैं। मुख्यमंत्री ने यह बात उस गरिमामय समारोह में कही जहाँ भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने तेलंगाना उच्च न्यायालय जोन-2 (न्यायाधीशों और मुख्य न्यायाधीश के लिए आवासीय भवन) की आधारशिला रखी।

रेड्डी ने जोर देकर कहा कि न्यायपालिका को सर्वोत्तम बुनियादी ढांचा प्रदान करना कार्यपालिका का कर्तव्य है ताकि न्याय त्वरित गति से मिल सके।

न्याय का परिसर सभी धर्मों के लिए न्याय का स्थान

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, भारत में मंदिर, मस्जिद, चर्च या गुरुद्वारा बनाना एक दुर्लभ अवसर है। लेकिन एक अदालत परिसर का निर्माण करनाजो न्याय का परिसर हैएक ऐसा स्थान स्थापित करने जैसा है जो सभी धर्मों के लोगों के लिए न्याय की रक्षा करता है। उन्होंने कहा कि उनके और उनकी सरकार के लिए यह जीवन में एक बार मिलने वाले महान अवसर जैसा है कि उन्हें तेलंगाना के नए उच्च न्यायालय परिसर के निर्माण की परियोजना शुरू करने का सौभाग्य मिला।

टकराव के बजाय सहयोग और निर्णयों का सम्मान

मुख्यमंत्री ने लोकतांत्रिक मूल्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सभी स्तंभों को टकराव से बचकर आपसी सम्मान के साथ काम करना चाहिए।

उन्होंने कहा, हम न केवल सभी फैसलों और निर्णयों का सर्वोच्च सम्मान करते हैं, बल्कि विभिन्न टिप्पणियों और फीडबैक को भी गंभीरता से लेते हैं। रेड्डी के अनुसार, एक सामान्य नागरिक के लिए अदालत आखिरी दरवाजा और अंतिम सहारा होती है, जहाँ से वह उम्मीद की किरण देखता है।

2027 तक पूरा होगा प्रोजेक्ट, 2,583 करोड़ की मंजूरी

मुख्यमंत्री ने बताया कि दिसंबर 2023 में सत्ता संभालने के तुरंत बाद उनकी सरकार ने राजेंद्र नगर में नया उच्च न्यायालय परिसर बनाने का निर्णय लिया था। परियोजना के मुख्य अंश

1) भूमि आवंटन: सरकार ने इस परियोजना के लिए 100 एकड़ भूमि सौंपी है।

2) बजट: नए उच्च न्यायालय भवन के निर्माण के लिए 2,583 करोड़ की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है।

3) समय सीमा: आवासीय भवनों वाले जोन-2 को दिसंबर 2027 तक रिकॉर्ड समय में पूरा करने का लक्ष्य है।

4) विस्तार: राज्य के विभिन्न कस्बों और जिलों में 49 नई अदालतों और आवासीय क्वार्टरों पर भी काम चल रहा है।रेड्डी ने अंत में कहा कि वर्तमान ऐतिहासिक उच्च न्यायालय भवन अब सभी हितधारकों की जरूरतों को पूरा करने में सक्षम नहीं है। नया परिसर न केवल भारत के सबसे बड़े उच्च न्यायालय भवनों में से एक होगा, बल्कि आधुनिकता और उत्कृष्टता का एक मानक भी बनेगा, जो अगले 100 वर्षों तक गरीबों, वंचितों और शोषितों की आवाज बनेगा।

बीआरएस में वापसी की खबरों पर इटेला का पलटवार

दल-बदल की चर्चाओं को बताया आधारहीन

हैदराबाद, 5 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। मलकजगिरी से सांसद इटेला राजेंदर ने अपनी राजनीतिक निष्ठा बदलने और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) में वापस जाने की चल रही अटकलों पर कड़ा रुख अपनाते हुए इन्हें सिरे से खारिज कर दिया है। रविवार को अपने शमीरपेट स्थित आवास पर मीडिया को संबोधित करते हुए राजेंदर ने इन अफवाहों को निराधार प्रचा करार दिया।

राजेंदर ने अपने खिलाफ हो रहे दुष्प्रचार पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा, जो लोग इन बेबुनियाद अफवाहों को फैला रहे हैं कि मैं उसी पार्टी में वापस जा रहा हूँ जिसने मेरी बेगुनाही के बावजूद मुझे अपमानजनक तरीके से बाहर निकाल दिया था, उन्हें मैं स्पष्ट कर दूँ: मैं पार्टी नहीं बदल रहा हूँ। पार्टी बदलना कपड़े बदलने जितना आसान काम नहीं है।

बीआरएस से अपनी अचानक विदाई को याद करते हुए सांसद ने कहा कि उन्हें भारी अपमान का सामना करना पड़ा था। उन्होंने भावुक होते हुए कहा, मुझे रातों-रात बर्खास्त कर दिया गया और अपनी शक्ति का दुरुपयोग करने वालों द्वारा गंभीर व्यक्तिगत उत्पीड़न का सामना करना पड़ा।

हाल ही में करीमनगर में उनके दल-बदल का संकेत देने वाले पोस्टरों के सामने आने पर राजेंदर ने गहरी पीड़ा व्यक्त की। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में अपनी बात समाप्त करते हुए कहा, ऐसे झूठे आरोप देखकर दुख होता है। मैं किसी भी परिस्थिति में कभी भी पार्टी नहीं बदलूंगा।

इस बयान के साथ ही उन्होंने अपनी वर्तमान राजनीतिक स्थिति को लेकर संशय के बादलों को पूरी तरह साफ कर दिया है।

हैदराबाद में शराब पीकर गाड़ी चलाने के आरोप में 699 लोगों को पकड़ा गया

हैदराबाद, 05 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद और साइबराबाद यातायात पुलिस ने शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ दो दिवसीय विशेष अभियान चलाकर कुल 669 शराबियों को पकड़ा है।

पुलिस ने रविवार को अलग-अलग बयानों में बताया कि यह अभियान तीन और चार अप्रैल को चलाया गया था।

हैदराबाद पुलिस ने इस अभियान के दौरान कुल 464 मामले दर्ज किए। इनमें सबसे ज्यादा 408 दोपहिया वाहन सवार, 30 तिपहिया वाहन चालक और 26 चार पहिया वाहनों के चालक शामिल थे। आंकड़ों के अनुसार, सबसे अधिक 194 मामले 51-100 बीएसी (रक्त में अल्कोहल की मात्रा) रेंज में पाए गए, जबकि 4 चालकों में अल्कोहल का स्तर 300 से भी ऊपर दर्ज किया गया।

दूसरी ओर, साइबराबाद यातायात पुलिस ने सप्ताहांत के विशेष अभियान में 205 शराबियों को पकड़ा। इनमें 170 दोपहिया, आठ तिपहिया और 27 चार पहिया वाहन चालक शामिल थे। साइबराबाद में तीन मामलों में अल्कोहल का स्तर 301-550 मिलीग्राम/100 मिली के बीच पाया गया, जो बेहद खतरनाक है।

पुलिस ने स्पष्ट किया है कि सभी आरोपियों को अदालत में पेश किया जाएगा। अधिकारियों ने चेतावनी दी कि शराब के नशे में घातक दुर्घटना करने वालों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 105 के तहत मामला दर्ज किया जाएगा, जिसमें 10 साल तक की कैद और जुर्माने का प्रावधान है।

पिछले एक सप्ताह (30 मार्च से चार अप्रैल) के दौरान अदालतों ने शराब पीकर गाड़ी चलाने के 47 मामलों का निपटारा किया है, जिनमें 46 दोषियों पर जुर्माना लगाया गया और एक को जुर्माने के साथ समाज सेवा की सजा दी गई।

पुलिस ने साफ किया है कि इस तरह के अभियान जारी रहेंगे और शराब पीकर वाहन चलाने वालों के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाई जाएगी।

न्यायिक बुनियादी ढांचा वैकल्पिक नहीं बल्कि अनिवार्य : सीजेआई सूर्यकांत

हैदराबाद, 5 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने रविवार को स्पष्ट रूप से कहा कि देशभर की राज्य सरकारें अब इस बात को स्वीकार कर रही हैं कि न्यायिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करना कोई विकल्प नहीं बल्कि एक अनिवार्य आवश्यकता है। तेलंगाना उच्च न्यायालय के जोन-2 (न्यायाधीशों और मुख्य न्यायाधीश के लिए आवासीय भवन) की आधारशिला रखने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए जस्टिस कांत ने कहा कि जब न्यायपालिका और कार्यपालिका एक ही उद्देश्य के साथ काम करती हैं, तभी संविधान वास्तव में जीवंत होता है।

वर्तमान उच्च न्यायालय भवन की चर्चा करते हुए सीजेआई ने कहा कि हालांकि यह ऐतिहासिक और भव्य है, लेकिन वर्तमान समय की जरूरतों को पूरा करने में यह निश्चित रूप से कम पड़ रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के विचारों का समर्थन करते हुए कहा, अगले सौ वर्षों की जरूरतों को पूरा करने वाले बुनियादी ढांचे का निर्माण करना केवल एक लक्ष्य नहीं, बल्कि एक अनिवार्य आदेश है। उन्होंने उत्तर प्रदेश, हिमाचल, आंध्र प्रदेश और असम का उदाहरण देते हुए बताया कि देशभर में न्यायिक परिसरों के निर्माण में तेजी आई है।

जस्टिस सूर्यकांत ने प्रस्तावित सुविधाओं का विवरण देते हुए कहा कि नए परिसर में बहुमंजिला पार्किंग, वकीलों के लिए चैंबर, बार रूम और न्यायाधीशों के लिए आधुनिक आवासीय सुविधाएं शामिल होंगी। उन्होंने कहा, ''जब आप सिद्धांत को ईंट और गारे (हकीकत) में बदलते हैं, तो संस्थागत आत्मनिर्भरता ऐसी ही दिखती है।'' 100 एकड़ में फैले इस प्रस्तावित परिसर के मॉडल और नक्शों को देखने के बाद सीजेआई ने इसे देश के सर्वश्रेष्ठ न्यायालय परिसरों में से एक बताया।सीजेआई ने बताया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने उन्हें आश्वासन दिया है कि आवासीय और अन्य बुनियादी ढांचे सहित पूरा उच्च न्यायालय परिसर दो वर्षों के भीतर बनकर तैयार हो जाएगा। उन्होंने इस स्तर की प्रतिबद्धता के लिए राज्य सरकार को बधाई दी।

समारोह में सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा, उज्ज्वल भुइयां, एस.वी. भट्टी, आलोक अराधे और तेलंगाना हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश अपरेश कुमार सिंह ने भी अपने विचार साझा किए।

ऑल इंडिया पुलिस फुटबॉल चैंपियनशिप का भव्य समापन

मुख्यमंत्री ने विजेताओं को दी ट्रॉफी

हैदराबाद, 5 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी आज गच्चीबोली स्टेडियम में आयोजित 74वीं बी.एन. मल्लिक मेमोरियल ऑल इंडिया पुलिस फुटबॉल चैंपियनशिप 2026 के समापन समारोह में सम्मिलित हुए। इस दौरान उन्होंने खेल भावना की सराहना करते हुए विजेताओं को पुरस्कृत किया।टूर्नामेंट के अंतिम दिन खेले गए रोमांचक फाइनल मैच के उपरांत समापन समारोह आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री शाम 5:30 बजे स्टेडियम पहुंचे, जहाँ उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और विजेता व उपविजेता टीमों को चमचमाती ट्राफियां प्रदान कीं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस बल में खेलों के प्रति यह जज्बा न केवल शारीरिक दक्षता बढ़ाता है बल्कि टीम भावना और अनुशासन को भी मजबूत करता है।

परंपरा के अनुसार, मुख्यमंत्री ने आधिकारिक तौर पर चैंपियनशिप के समापन की घोषणा की। इसके पश्चात उन्होंने ऑल इंडिया पुलिस स्पोर्ट्स फ्लैग (खेल ध्वज) को आईबी की विशेष निदेशक सपना तिवारी को सौंपा, जिसे अगले टूर्नामेंट तक सुरक्षित रखा जाएगा। कार्यक्रम में पुलिस महानिदेशक (डी.जी.पी) बी. शिवधर रेड्डी और साइबराबाद पुलिस आयुक्त एम. रमेश सहित कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और खेल प्रेमी मौजूद रहे। आयोजन सचिव एम. रमेश ने टूर्नामेंट के सफल संचालन की विस्तृत रिपोर्ट पेश की। तेलंगाना पुलिस द्वारा आयोजित इस राष्ट्रीय स्तर के आयोजन ने देशभर के पुलिस फुटबॉल खिलाड़ियों को एक उत्कृष्ट मंच प्रदान किया।

भाकपा ने हैदराबाद में डोर-टू-डोर अभियान शुरू किया, जनता से मांगा समर्थन

हैदराबाद, 05 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) ने तेलंगाना की राजधानी में यहां हर घर भाकपा अभियान शुरू किया है। इसके तहत सिंगरेनी कॉलोनी में व्यापक जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किया।

इस दौरान पार्टी ने भविष्य के आंदोलनों के लिए जनता से वित्तीय सहायता मांगी और जनभागीदारी की अपील की।

भाकपा की हैदराबाद जिला परिषद के तत्वावधान में पार्टी सदस्यों ने घर-घर और दुकान-दर-दुकान जाकर पर्चे बांटे। इनमें पार्टी की उपलब्धियों और संघर्षों का उल्लेख किया गया है। अभियान को संबोधित करते हुए भाकपा तेलंगाना के सहायक सचिव ईटी नरसिम्हा ने लोगों से गरीबों की पार्टी - भाकपा की रक्षा करने और वित्तीय सहायता प्रदान करने का आह्वान किया।

नेताओं ने आरोप लगाया कि बढ़ती गरीबी और बेरोजगारी जैसे मुद्दों का समाधान नहीं किया जा रहा है और सत्तासीन लोग 'भावनात्मक राजनीति' के जरिये जनता का ध्यान भटका रहे हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि असहमति की आवाजों को दबाया जा रहा है और कॉर्पोरेट हितों के पक्ष में कानून बनाये जा रहे हैं।भाकपा नेताओं ने वैश्विक घटनाक्रमों पर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्षों का असर भारत पर पड़ रहा है, विशेष रूप से ईंधन आपूर्ति में बाधा आने से ऑटो-रिक्शा चालकों और तेल पर निर्भर उद्योगों से जुड़े लोगों की आजीविका पर बुरा असर पड़ा है। उन्होंने भारत सरकार से शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने का आग्रह किया।इस कार्यक्रम में राज्य और जिला प्रतिनिधियों सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए।

भट्टी विक्रमार्क के बेटे की शादी के रिसेप्शन में भारी भीड़ उमड़ी

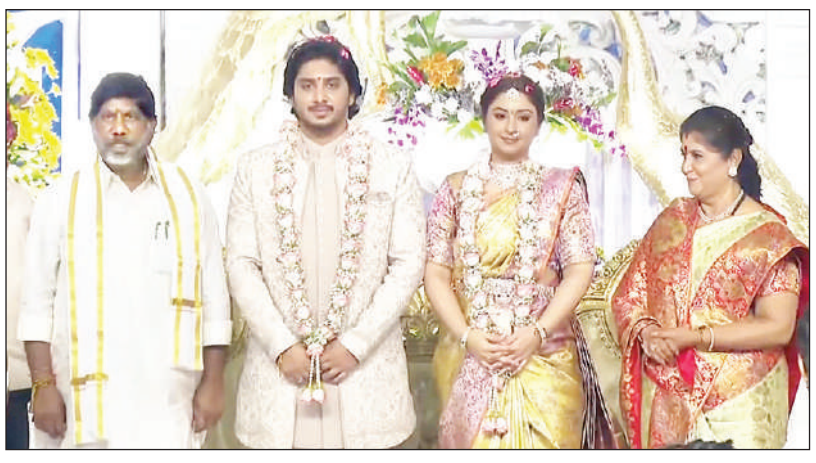

खम्मम, 05 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क के बेटे सूर्य विक्रमादित्य और साक्षी की शादी का रिसेप्शन रविवार को खम्मम में भव्य तरीके से आयोजित किया गया जिसमें भारी भीड़ उमड़ी।

वाईएसआर कॉलोनी रोड स्थित ग्रीन हिल्स में आयोजित इस कार्यक्रम में एक लाख से अधिक अतिथियों ने भाग लिया जिससे पूरा इलाका लोगों के हुजूम में तब्दील हो गया। पार्टी कार्यकर्ता, समर्थक और राज्य भर से शुभचिंतक दंपति को आशीर्वाद देने के लिए कार्यक्रम स्थल पर उमड़ पड़े।

इस समारोह में कई विधायक, जन प्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारी और पुलिस अधिकारी शामिल हुए और उन्होंने अपनी शुभकामनाएं दीं। इस कार्यक्रम में राजनीतिक, प्रशासनिक एवं सार्वजनिक लोगों की उपस्थिति दिखाई दी।

भारी संख्या में उपस्थित लोगों के लिए भोजन, पार्किंग और यातायात प्रबंधन की व्यापक व्यवस्था की गई थी।

हालांकि शादी हैदराबाद में हुई लेकिन रिसेप्शन खम्मम में आयोजित किया गया ताकि स्थानीय समर्थक और मधिरा निर्वाचन क्षेत्र के लोग इसमें शामिल हो सकें।

श्री विक्रमार्क और उनके परिवार ने नवविवाहित जोड़े को आशीर्वाद देने और समारोह में शामिल होने वाले सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.